www.indianews.in

इंडिया न्यूज

12

विंबलडन और पेरिस ओलंपिक में नहीं खेलेंगे मरे? पीठ की चोट से ...

10

पूजा हेगड़े अंडमान-निकोबार में करेंगी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

रायपुर

वर्ष-02 अंक 173, रायपुर, पृष्ठ-12, रविवार, 23 जून 2024, विक्रमी संवत 2081, शक सम्वत-1946, पूर्णिमांत-आषाढ़, 17 प्रविष्टे 24 रज्जब हिजरी, 1445, अमांत-ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष द्वितीया, मूल्य, 3.00 रुपए

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पानी पर सियासत तेज

दिल्ली का आरोप, हरियाणा नहीं दे रहा पानी, हरियाणा ने नकारा

अनशन पर बैठी आतिशी ने पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली।

देश की राजधानी दिल्ली में पानी को लेकर सियासत तेज हो गई है। दिल्ली सरकार जहां आरोप लगा रही है कि हरियाणा की बीजेपी सरकार उन्हें उनके हिस्से का पानी नहीं दे रही है, वहीं हरियाणा सरकार ने आरोपों का खंडन किया है। उसका कहना है कि दिल्ली को उसके हिस्से का पूरा पानी दिया जा रहा है और राजधानी में पानी की बर्बादी हो रही है। हिमाचल सरकार ने पहले दिल्ली को पानी देने की बात कही थी, लेकिन बाद में वह इससे मुकर गई। इस बीच शुक्रवार से जल संकट को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठीं दिल्ली की जल मंत्री आतिशी मार्लेना ने समस्या को सुलझाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खत भी लिखा है। दूसरी तरफ दिल्ली बीजेपी के प्रवीण शंकर कपूर और कपिल मिश्रा जैसे लोगों ने एक्स पर पोस्ट में आतिशी के अनशन को नौटंकी बताया है। उन्होंने कहा, सुबह 11 बजे तक आतिशी अनशन स्थल से गायब हैं। वहीं कांग्रेस की अलका लांबा ने भी एक वीडियो ट्वीट करते हुए कहा कि पानी सत्याग्रह का मंच पूरी तरह से खाली है। सत्याग्रह करने वाले लोग आराम फरमा रहे हैं। देखा जाए तो अलका लांबा ने आतिशी के धरने को लेकर तंज कसते हुए एक्स पर इस पोस्ट को शेयर किया है। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली की आप सरकार द्वारा जारी 'पानी सत्याग्रह' के मंच की सुबह की तस्वीर है। मंच खाली है और मंत्री गायब हैं, जो पिछले कमरे में सत्याग्रह के नाम पर आराम फरमा रही हैं। बीजेपी के वार पर संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, वहीं बीजेपी वाले नौटंकी कर रहे हैं। बेवकूफ भाजपाइयों को यह भी नहीं पता कि डॉक्टर रोज अनशनकारी की जांच करते हैं।

कांग्रेस भी आप पर लगातार हमलावर

आतिशी के अनशन को लेकर बीजेपी ने जहां तंज कसा है वहीं कांग्रेस भी पीछे नहीं रही है। इससे साफ हो गया कि दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच का गठबंधन अब बस कहने के लिए ही बचा है। कांग्रेस अब आप पर बीजेपी की तुलना में कहीं ज्यादा हमलावर है।

बीकानेर में आईसीएआर-राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र में विश्व ऊंट दिवस के अवसर पर आयोजित ऊंट सजावट प्रतियोगिता में अपने सजे हुए ऊंट के साथ मौजूद कलाकार। एएनआई

केंद्र ने नीट-यूजीसी नेट पेपर लीक को लेकर देशभर में मचे बवाल के बीच लागू किया 'एंटी पेपर लीक कानून'

पेपर लीक पर जेल व जुर्माना

10 साल कारावास के साथ 1 करोड़ तक फाइन

नई दिल्ली।

नीट और यूजीसी नेट पेपर लीक को लेकर देशभर में मचे बवाल के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 'एंटी पेपर लीक कानून' लागू कर दिया है। सरकार ने 'लोक परीक्षा अधिनियम, 2024' की अधिसूचना शुक्रवार रात को जारी की और शनिवार से यह कानून लागू हो गया। इसके तहत परीक्षा में नकल करने वाले छात्रों से लेकर पेपर लीक में शामिल अधिकारियों या धांधली में शामिल समूहों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का उपयोग करते हुए पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को कम से कम तीन साल की कैद की सजा होगी, जिसे बढ़ाकर पांच साल तक किया जा सकता है, साथ ही 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यदि जुर्माना नहीं भरा जाता है, तो भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) के प्रावधानों के अनुसार अतिरिक्त कारावास की सजा दी जाएगी। जब तक यह नया कानूनी फ्रेमवर्क पूरी तरह से लागू नहीं हो जाता, तब तक भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) लागू रहेगी। नकल कराने का दोषी पाए जाने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स पर 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा, परीक्षा संचालन का जो खर्च होगा, उन्हें वो भी भरना होगा। साथ ही उनके लिए अगले 4 साल तक किसी भी पब्लिक एग्जाम के संचालन पर रोक रहेगी। यदि जांच में पता चलता है कि परीक्षा में धांधली या गड़बड़ी, किसी डायरेक्टर, सीनियर मैनेजमेंट या सर्विस प्रोवाइडर फर्म के प्रभारी व्यक्ति की सहमति या मिलीभगत से की गई है तो ऐसे व्यक्तियों को 3 से 10 साल की कैद हो सकती है और 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। इस जुर्माने का भुगतान न करने पर बीएनएस-2023 के मुताबिक, अतिरिक्त कैद की सजा होगी। यहां भी बीएनएस के नए प्रावधान लागू होने तक आईपीसी की धाराओं का इस्तेमाल किया जाएगा।

नीट और यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच कानून लाने का केंद्र का फैसला बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे पहले, सरकार और जांच एजेंसियों के पास परीक्षाओं में गड़बड़ी से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए अलग से कोई ठोस कानून नहीं था।

कानून के दायरे में होंगी सभी परीक्षाएं

विधेयक के दायरे में यूपीएससी, एसएससी, रेलवे द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाएं, बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित सभी कम्प्यूटर आधारित परीक्षाएं आएंगी। लोक परीक्षा कानून 2024 में कहा गया है, 'प्रश्न पत्र या उत्तर कुंजी का लीक होना', 'सार्वजनिक परीक्षा में अनधिकृत रूप से किसी भी तरीके से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उम्मीदवार की सहायता करना' और 'कंप्यूटर नेटवर्क या कंप्यूटर संसाधन या कंप्यूटर सिस्टम के साथ छेड़छाड़ करना' किसी व्यक्ति, लोगों के समूह या संस्थानों द्वारा किए गए अपराध हैं।

सुरक्षा भी देता है 'लोक परीक्षा अधिनियम'

'लोक परीक्षा अधिनियम, 2024' उन लोगों के लिए सुरक्षा भी देता है, जो यह साबित कर पाएंगे कि धांधली उनकी जानकारी के बिना हुई थी और उन्होंने गड़बड़ी रोकने के लिए पर्याप्त जरूरी सावधानियां बरती थी। बीते कुछ दिनों में नीट-यूपी और यूजीसी-नेट की परीक्षा में गड़बड़ी के चलते नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर सवाल उठे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए के खिलाफ सख्त रुख इख्तियार किया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में लगातार सुनवाई चल रही है।

पहली बार नीट एग्जाम में 67 बच्चे टॉपर

दरअसल, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली नीट परीक्षा गड़बड़ी को लेकर विवादों में हैं। केंद्र की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस साल 5 मई को यह एग्जाम लिया था। इसमें लगभग 24 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। रिजल्ट 4 जून को आया था। इसमें 67 बच्चे ऐसे हैं, जिन्होंने 100 फीसदी स्कोर किया यानी 720 नंबर की परीक्षा में उन्होंने पूरे 720 नंबर हासिल किए, जो अपने आप में चौंकाने वाली बात है। ऐसा पहली बार हुआ कि इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने पूरे 100 फीसदी नंबर हासिल किए हों। साल 2023 में केवल दो छात्रों को 100 फीसदी नंबर आए थे। वहीं कथित तौर पर पेपर लीक का भी खुलासा हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की उनकी समकक्ष शेख हसीना के बीच हुआ सहमति पत्रों और समझौतों का आदान-प्रदान

प्रगाढ़ होंगे भारत और बांग्लादेश के रिश्ते

10 अहम समझौतों पर किए गए दस्तखत

शेख हसीना मोदी 3.0 सरकार में भारत आने वाली पहली विदेशी अतिथि

नई दिल्ली।

भारत और बांग्लादेश के बीच 10 सहमति पत्रों (एमओयू) और समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं जिससे दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के मकसद से समझौतों व एमओयू पर साइन किए।

दोनों नेताओ ने समुद्री सहयोग और नीली अर्थव्यवस्था पर एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया, जिससे समुद्री सुरक्षा, सहयोग और नीली अर्थव्यवस्था क्षेत्र में अवसरों की खोज में संबंध मजबूत होंगे। दोनों पक्षों के बीच स्वास्थ्य और चिकित्सा पर सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया गया, जो भारत-बांग्लादेश के बीच स्वास्थ्य सेवा में चल रहे सहयोग को दर्शाता है। इसके अलावा, इन-स्पेस और बांग्लादेश के आईसीटी व दूरसंचार मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया, जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उपग्रह संचार में सहयोग को बढ़ाएगा। भारतीय रेल मंत्रालय और बांग्लादेश के रेल मंत्रालय के बीच रेलवे संपर्क बढ़ाने और सीमा पार परिवहन को सुगम बनाने के उद्देश्य एक समझौता ज्ञापन पर दस्तखत किए गए। इसके अलावा समुद्र विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान और अन्वेषण को बढ़ावा देने के मकसद से एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) वेलिंगटन और रक्षा सेवा कमान और स्टाफ कॉलेज (डीएससीएससी) मीरपुर के बीच भी एक समझौता ज्ञापन पर दस्तखत किए गए, जो रक्षा के क्षेत्र में आदान-प्रदान किए गए सैन्य शिक्षा और रणनीतिक अध्ययन सहयोग को बढ़ावा देगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और बांग्लादेश के आपदा प्रबंधन व राहत मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन को आपदा प्रबंधन रणनीतियों व लचीलापन प्रयासों को मजबूत करने के लिए नवीनीकृत किया गया। बता दें कि शेख हसीना 21 से 22 जून तक भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर थीं, जो मोदी 3.0 सरकार के गठन के बाद भारत की द्विपक्षीय राजकीय यात्रा पर आने वाली पहली विदेशी अतिथि हैं।

बांग्लादेश के लिए शुरू होगा ई-मेडिकल वीजा: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत चिकित्सा उपचार के लिए बांग्लादेश से भारत आने वाले लोगों के लिए ई-मेडिकल वीजा सुविधा शुरू करेगा। उन्होंने कहा, हमने बांग्लादेश के उत्तर पश्चिम क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए रंगपुर में एक नया सहायक उच्चायोग खोलने की पहल की है।

बिहार में फिर पुल हुआ ध्वस्त, दो गांवों के बीच संपर्क कटा

पटना। बिहार में पुल ढहने का सिलसिला थम नहीं रहा है। सीवान में महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर बना पुल अचानक शनिवार सुबह भरभरा कर गिर गया। पहले पुल का एक पिलर धंसने लगा और देखते ही पुल नहर में समा गया। चार दिन के अंदर पुल गिरने की यह दूसरी घटना है। हादसे के बाद दो गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है। लोग पुल के निर्माण कार्य पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 30 साल पहले बिहार सरकार ने इस पुल का निर्माण करवाया था। कुछ दिन पहले ही विभाग ने नहर की सफाई करवाई थी। साथ ही नहर की मिट्टी काटकर नहर के बांध पर फेंक दी गई थी। ग्रामीणों का दावा है कि इसी कारण पुल का पाया यानी पिलर कमजोर हो गया और ज्यादा लोड होने के वजह से यह घटना हुई है। प्रशासन ने जांच टीम का गठन किया है। बताया जा रहा है कि 30 फीट चौड़ा और 30 साल पुराना यह पुल था। ग्रामीणों का कहना है कि पुल टूटने की वजह से बच्चे स्कूल नहीं जा पाएंगे। एक गांव से दूसरे गांव में आने जाने के लिए यही एक पुल था। बता दें कि 18 जून को अररिया जिले सिकटी प्रखंड में बकरा नदी पर बना पुल उद्घाटन से पहले ही ध्वस्त हो गया था।

देश के 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

साउथ वेस्ट यूपी में रही हीटवेव की स्थिति

नई दिल्ली।

देश के कई हिस्सों में दक्षिण पश्चिम मानसून दस्तक दे चुका है और इसके अगले दो दिन में उत्तर प्रदेश में पहुंचने का अनुमान है। राज्य में पूर्वी इलाके से यह एंट्री करेगा। शनिवार को बीते 24 घंटों में उत्तर प्रदेश के दक्षिण और पश्चिम के दूर-दराज के इलाकों में हीटवेव की स्थिति रही।

पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने देश के 20 से ज्यादा राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। गोवा, लक्षदीप, अंडमान-निकोबार द्वीप, पूर्वी राजस्थान, तटीय आंध्र प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड, ओडिशा, असम, मेघालय, मिजोरम, असम, तटीय कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश व तेलंगाना में भारी से बहुत भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश, विदर्भ व छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिन तक तेज बारिश होने की संभावना है। इसी के साथ पूर्वोत्तर के लगभग सभी राज्यों और सब हिमालयी पश्चिम बंगाल में हल्की से मध्यम बारिश, बिजली कड़कने व आंधी तूफान चलने की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वी यूपी व उत्तराखंड में अगले 7 दिन तक बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं इन दोनों राज्यों में 24 से 26 जून के बीच भारी बारिश का अनुमान है।

हरियाणा में 3 जुलाई को आ सकता है मानसून, पंजाब में 26 जून को प्री-मानसून के आसार

मौसम विभाग के मुताबिक हरियाणा में प्री-मानसून के सेकेंड फेज के बाद जुलाई के पहले सप्ताह में 3 जुलाई से मानसून की एंट्री हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बंगाल की खाड़ी से आई मानसूनी हवा की वजह से ही प्रदेश के कुछ क्षेत्रों के मौसम में परिवर्तन दर्ज किया गया है। इसके कारण प्रदेश में कई जगह बारिश भी हुई है। उधर पंजाब में अब हीटवेव की स्थिति से राहत मिलने की संभावना है। राज्य में 26 जून से पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखाई देगा और इस दौरान प्री-मानसून की दस्तक होगी।

भविष्य में फ्रंट पर खेलती दिख सकती हैं प्रियंका गांधी, पीएम चेहरा भी घोषित कर सकती है पार्टी, भाई ले सकते हैं मां सोनिया की जगह

वायनाड उप चुनाव बाद बदलेगी कांग्रेस, राहुल गांधी होंगे ड्राइविंग सीट पर

सोनिया की परंपरा को आगे बढ़ाएंगे भाई-बहन

अजीत मेंदोला

नई दिल्ली। प्रियंका गांधी जिस हिसाब से धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं उससे यह माना जाने लगा है कि वह किसी भी जिम्मेदारी से भागेंगी नहीं और जब मौका मिलेगा तो उसे छोड़ेंगी नहीं। जिस तरह से पार्टी ने उन्हें उनके भाई राहुल गांधी की सीट वायनाड से चुनाव लड़ाने का फैसला किया है इससे यह माना जा रहा है कि भविष्य में वे ही चेहरा बन फ्रंट पर खेलेंगी और उनके भाई राहुल गांधी अपनी मां सोनिया गांधी की जगह ले सकते हैं। इसके यह मायने निकाले जा सकते हैं कि भविष्य में पार्टी प्रियंका को अपना पीएम चेहरा भी घोषित कर सकती है। यूं कह सकते हैं कि सोनिया गांधी द्वारा शुरू की गई परंपरा को भाई बहन आगे बढ़ाएंगे। जैसे सोनिया मुख्य ड्राइविंग सीट पर रहती रही हैं उसी तरह राहुल रहेंगे, लेकिन इस बार फ्रंट पर गांधी परिवार का ही सदस्य प्रियंका हो सकती हैं। अधिकांश जानकारों और कांग्रेस के अंदर बड़े धड़े का भी यही मानना है कि प्रियंका ही राइट च्वाहिस है। इसमें यही देखना होगा कि क्या फिर कांग्रेस के बाकी पावर सेंटर खत्म होंगे, क्योंकि सोनिया गांधी के अध्यक्ष रहते हुए लंबे समय तक प्रमुख रूप से दो ही पावर सेंटर थे। एक वे खुद और दूसरे अहमद पटेल। लेकिन शुरुआती दौर मतलब 1998 में सोनिया के पार्टी की कमान संभालने के बाद कई पावर सेंटर थे । जैसे की आजकल हैं। उस समय अहमद पटेल, अंबिका सोनी, वी जार्ज, माधवराव सिंधिया आदि, लेकिन हवाई दुर्घटना में सिंधिया के निधन के बाद तीन लोगों में ही असल खींचतान थी।इनके साथ गुलाम नवी आजाद, दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, अशोक गहलोत, जनार्दन द्विवेदी, अर्जुन सिंह, नारायण दत्त तिवारी, शीला दीक्षित और दक्षिण के कुछ नेता पावर फुल होते थे। लेकिन जार्ज, पटेल और सोनी के आगे इनकी कम ही चलती थी। कांग्रेस के 2004 में सत्ता वापसी के साथ ही अंबिका सोनी को सोनिया को कोटरी से धीरे से बाहर कर दिया गया। हालांकि आज वह सोनिया के करीबी नेताओं में हैं। कई नेताओं को संरक्षण देती और मौका मिल फैसला भी करवा देती हैं। राजस्थान और पंजाब के फैसलों में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। सोनी के हटने के बाद तब वी जार्ज और अहमद पटेल रह गए थे। लेकिन 2004 में कांग्रेस के सत्ता में आते ही चीजें बदली। जार्ज कमजोर हुए और अहमद पटेल अकेले पावर सेंटर रह गए।

2004 में राहुल के राजनीति में एंट्री करने के साथ पार्टी में शुरू हुई खींचतान

2004 में राहुल गांधी के राजनीति में एंट्री के साथ पार्टी के अंदर खींचतान का दौर शुरू हुआ। शुरू के पांच साल तो सब ठीक था ,लेकिन 2009 के बाद युवा बनाम अनुभव के टकराव से पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ। राहुल और उनकी टीम हावी होने लगी।अहमद पटेल कमजोर होने लगे,जनार्दन द्विवेदी,शीला दीक्षित,गुलाम नबी आजाद जैसे कई नेता साइड कर दिए गए।राहुल के अध्यक्ष बनने के बाद प्रियंका मुख्य भूमिका में आ गई।के सी वेणुगोपाल पावरफुल हो गए। लेकिन पार्टी कमजोर होती चली गई।लगातार दो लोकसभा के चुनाव हारी। राज्यों में पार्टी सिमट गई।इस बीच अहमद पटेल का निधन हो गया। सोनिया,राहुल ,प्रियंका के साथ वेणुगोपाल चार सबसे ताकतवर नेता हो गए। इस बीच ओपचारिकता चुनाव करवा गैर गांधी के रूप में मल्लिकार्जुन खरगे अध्यक्ष बने।लेकिन पावर सेंटर के रूप में उनका नंबर पांचवा है। राहुल गांधी को अपना नेता मान खरगे जो उन्हें करना चाहिए करते है। न सब के बीच 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीट जीत ली। पार्टी इन 99 सीट को राहुल गांधी के असफल राजनीतिक कैरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बता जश्न में डूबी है।

कांग्रेस कर रही सत्ता में वापसी की उम्मीद

कांग्रेस उम्मीद कर रही है नरेंद्र मोदी की अगुवाई में चल रही गठबंधन की सरकार साल भर में गिर जाएगी और उनकी सत्ता में वापसी हो जाएगी। कांग्रेस का व्यवहार भी उसी तरह का हो गया है। एक भी विरोध का मौका नहीं छोड़ रही है।लेकिन इन सब के बीच प्रियंका की रणनीति सफल होती दिख रही है। उन्होंने रायबरेली और अमेठी में 12 दिन रह पार्टी को जीत दिलवाई। इनाम में वायनाड मिल गया। जानकार मानते प्रियंका जल्दी में नही है। वायनाड जीतेगी और लोकसभा पहुंचेगी। यह प्रियंका के पास साबित करने का बड़ा मौका होगा। मौका मिलने पर वह पार्टी में देर सवेर प्रधानमंत्री पद का चेहरा भी बन सकती हैं। अपने भाई राहुल गांधी की खाली हुई सीट वायनाड से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद पार्टी के अंदर बाहर यह चर्चा आम है कि प्रियंका ही कांग्रेस को पुरानी स्थिति में लौटा सकती है। इसलिए आने वाले समय में कांग्रेस बहुत कुछ बदलता हुआ दिख सकता है। इसमें यह देखना होगा कि दस जनपथ के वफादार किस और झुकते हैं।

खुद जाने बिना ईश्वर को नकार देना भी एक अंधविश्वास है

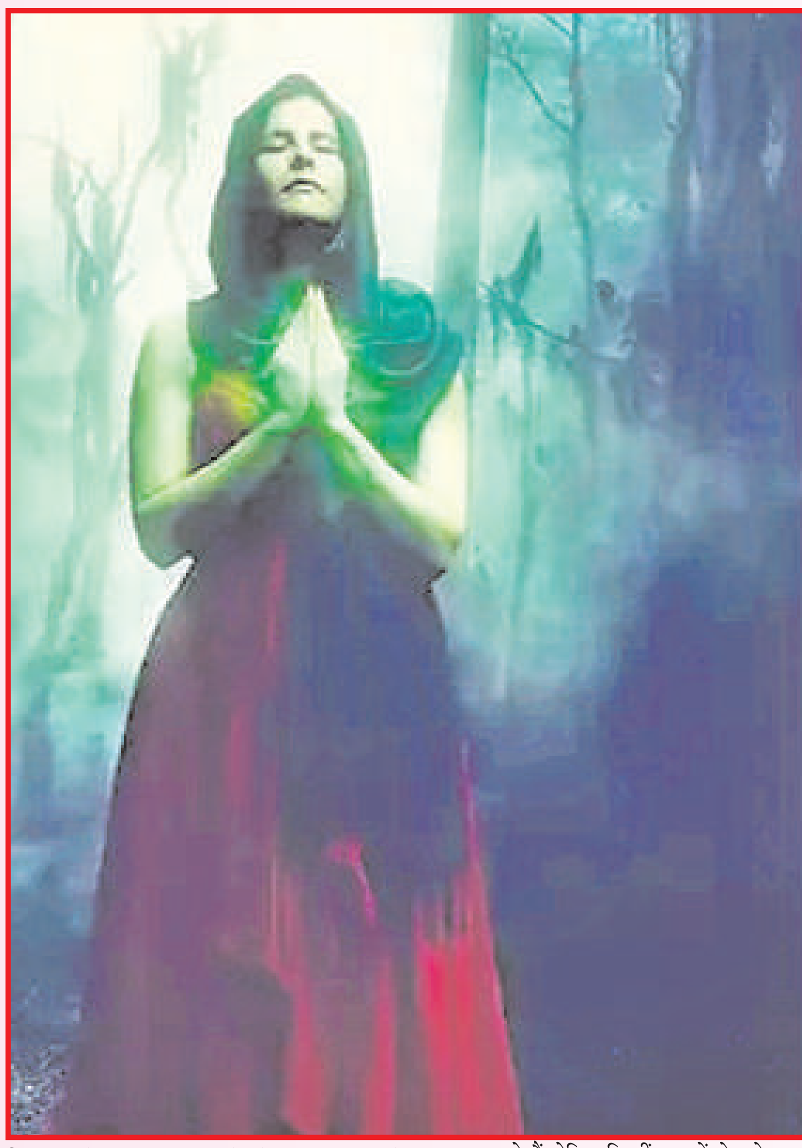

हिन्दू धर्म में पाप-पुण्य की बातों को काफी गंभीरता से लिया जाता है। हम वास्तव में क्या कर्म कर रहे हैं उसे पाप तथा पुण्य से कहीं ना कहीं जोड़ा जरूर जाता है। ऐसी मान्यता है कि हमारे द्वारा किए गए अच्छे-बुरे कर्मों का लेखा-जोखा हमें मरने के बाद जरूर देना पड़ता है। जीवित अवस्था में यदि हमने अधिक से अधिक पुण्य कमाया है तो हमें स्वर्ग की प्राप्ति होगी और यदि इसके विपरीत पाप किये हैं तो नर्क मिलेगा, ऐसी मान्यता हिन्दू धर्म में पाई गई है। इसलिए ताउम्र हिन्दू धर्म का पालन करने वाले लोग हर पल यही कोशिश करते हैं कि वे अच्छा बोलें, अच्छे कर्म करें और अधिक से अधिक पुण्य कमाने का प्रयास करें। किसी जरूरतमंद की मदद करना, प्यासे को पानी देना, भूखे को भोजन कराना, किसी गरीब को धन-भोजन दान करना, ये सभी चीजें पुण्य कर्मों के भीतर आती हैं। लेकिन यदि हम किसी से अपशब्द बोलते हैं, दूसरे की निंदा करते हैं, चोरी करते हैं, धोखा देते हैं, तो हम पाप के भागीदार बन रहे हैं।

पूजा के दौरान होने वाली गलतियां

ऐसा कई लोगों के साथ होता है, किसी मनोकामना के लिए मन्नत मांगते समय लोग अकसर भगवान को एक वायदा करते हैं लेकिन किन्हीं कारणों से उसे पूरा नहीं कर पाते। इस सिलसिले में कहा जाता है कि व्रत या मन्नत को पूरा ना करने से भगवान पाप लगाते हैं।

लोग इन्हें मानते हैं पाप के समान

ऐसी कई अन्य मान्यताएं हिन्दू धर्म में बनी हुई हैं। आज हम आपको ऐसी ही कुछ मान्यताओं से अवगत कराएंगे जो यदि आपको ह्यपापह्न हो जाने का संकेत दे रही हों, तो उससे कैसे बचा जाए।

जब दीया बुझ जाए

पूजा के दौरान दीया बुझ जाता है तो इसे अपशकुन माना जाता है। कहते हैं पूजा करते समय अचानक दीये का बुझ जाना बुरा संकेत देता है। यह पूजा के प्रभाव को नष्ट करता है और इसे पूजा का अपमान समझा जाता है। यदि ऐसा किसी के भी साथ हो तो उसे घबराना नहीं चाहिए। तुरंत अपने इष्ट देवता का ध्यान करते हुए पूरे मन से दोबारा दीया प्रज्वलित करना चाहिए। ऐसा करने से अनिष्ट नहीं होता।

मंदिर से मिले फूल

मंदिर या किसी भी धार्मिक स्थल से लोग अकसर फूल ले आते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि ऐसे फूल घर नहीं लाने चाहिए। आप इन्हें घर तो ला सकते हैं किंतु 24 घंटे के बाद इन्हें जल में बहा दें, नहीं तो घर में नकारात्मक ऊर्जा फैलने लगती है।

मौलि या कलावा

पूजा के दौरान कलाई पर बांधा गया मौलि या कलावा का धागा लोग ना जाने कितने दिनों तक बांधकर रखते हैं। उनके अनुसार इसे उतारना पाप है, लेकिन ऐसा नहीं है। पूजा के 24 घंटे के बाद आप इसे उतारकर किसी पेड़ की जड़ पर बांध सकते हैं या फिर बहते जल में प्रवाहित कर दें।

व्रत टूट जाए तो क्या करें

सबसे अधिक भय लोगों को तब लगता है जब उनका व्रत टूट जाता है। कई बार तमाम नियमों का पालन करने के बावजूद भी कोई ऐसी भूल-चूक हो ही जाती है, जो व्रत तोड़ देती है।

करें ये उपाय

ऐसे में व्यक्ति डर जाता है कि अब क्या करे। व्रत टूटने पर देवी-देवता नाराज होंगे और मनोकामना पूर्ण करने की बजाय दंड देंगे, ऐसा भय उन्हें सताता है, लेकिन आपके साथ ऐसी घटना कभी भी घटित हो, तो एक आसान सा उपाय करें। व्रत टूटने का आभास होने पर तुरंत जिस भी देवी-देवता का आपने व्रत किया था उनसे क्षमा मांगें और किसी विद्वान की सलाह से दान-पुण्य करें।

पूजा में गलती हो जाए तो

यदि गलती से पूजा करते समय आप से कोई भूल हो जाए तो, इसे पाप ना समझें और ना ही इससे डरकर अपनी पूजा बीच में छोड़ें। हाथ में थोड़ा गंगाजल लें और भगवान से क्षमा मांगें, फिर इस गंगाजल को किसी पात्र में छोड़कर अपनी पूजा आरंभ कर सकते हैं।

मन्नत अधूरी रह जाए तो

यदि किसी कारणवश आपने भगवान से जो मन्नत मांगी थी उसे पूरा करने में आप असमर्थ हो जाएं, तो इसके लिए भगवान से क्षमा मांगें। मन्नत में आपने जो वायदा किया था, उस सामान का सवाया यानि कि सवा भाग जिस भी देवी-देवता की आपने मन्नत मांगी थी, उनके मंदिर में जाकर अर्पित कर दें और क्षमा मांग लें।

लक्ष्मी, सरस्वती और गणेश हैं इन तीन चीजों का प्रतीक

इला गोस्वामी

आज के भौतिक संसार में लक्ष्मी जी, सरस्वती जी और गणेश जी के तीन गुणों की जरूरत हर व्यक्ति को है। ये तीन गुण हैं, धन, ज्ञान और बुद्धि। मां लक्ष्मी धन का प्रतीक हैं, मां सरस्वती ज्ञान का और भगवान गणेश बुद्धि का प्रतीक हैं। लक्ष्मी यानि धन पर संतुलन के लिए ज्ञान यानि सरस्वती की जरूरत पड़ती है क्योंकि ज्ञान से आप धन को संभालना सीखते हैं। धन और ज्ञान पर संतुलन के लिए बुद्धि यानि गणेश जी की जरूरत पड़ती है क्योंकि बिना बुद्धि के धन और ज्ञान का उपयोग नहीं किया जा सकता और बुद्धि से जीवन को आसान बनाने के लिए धन और ज्ञान की जरूरत होती है। यही कारण है कि इन तीनों की साथ पूजा की जाती है और इन्हें किसी की भी लाइफ में साथ ही आना चाहिए। मां लक्ष्मी जी को अकेले बुलाने से कोई फायदा नहीं होता क्योंकि बिना ज्ञान और बुद्धि के धन इंसान की नीयत को खराब कर देता है। धन एक एनर्जी है और इसका अगर आपने सही दिशा में सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया तो ये एनर्जी आपके लिए घातक भी साबित हो सकती है। यही कारण है कि मां सरस्वती जो कि ज्ञान की देवी मानी जाती हैं और भगवान गणेश जो कि बुद्धि के प्रतीक हैं, दोनों को लक्ष्मी जी के साथ बुलाया जाता है। ताकि संतुलन बना रहे। ऐसा नहीं है कि अगर आप आध्यात्मिक हैं तो आपको धन की जरूरत नहीं, धन जरूरी है क्योंकि हम कलियुग में हैं और यहां बिना धन के कुछ नहीं लेकिन धन से मोह को गलत बताया गया है। जो लोग सिर्फ लक्ष्मी जी का पूजन करते हैं, उनका आवाह्न करते हैं और सिर्फ धन के ही पीछे भागते हैं उन्हें ज्ञान और बुद्धि कभी हासिल नहीं हो पाती। ऐसे लोगों की बुद्धि जल्दी भ्रष्ट होती है और वो धन के मोह में ऐसे फंसते हैं कि उनकी कभी आध्यात्मिक प्रगति नहीं हो पाती लेकिन जिन लोगों के पास धन, बुद्धि और ज्ञान तीनों का संगम होता है उनकी लाइफ में बैलेंस दिखता है और हम सभी लाइफ में बैलेंस ही तो चाहते हैं।

बच्चों को सपोर्ट करना सीखें

आजकल के पैरेंट्स पहले के दौर के माता-पिता से बहुत अलग है, मुझे लगता है बहुत हद तक उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का अहसास भी है, अब ऐसा भी नहीं है कि हमारे माता-पिता रिस्पॉसिबल नहीं थे या उन्होंने अपनी जिम्मेदारियां सही तरीके से नहीं निभाई....

कहने का अर्थ यह है कि आजकल के अभिभावक बहुत फ्रेंडली और एक्सप्रेसिव हो गए हैं, वे अपने इमोशन को आसानी से कह सकते हैं और उनकी देखा देखी उनके बच्चे भी आसानी के साथ उन्हें अपने दिल की बात बताने में कामयाब हो जाते हैं। लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कमी रह ही जाती है.... आपके और आपके बच्चे के बीच किसी तरह की कमी ना रहे इसके लिये सद्गुरु कुछ बेहद हारगर और आसान टिप्स दे रहे हैं। प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु आज के समय में सबसे ज्यादा बात स्वीकृत हैं.. उनकी बातें हर उम्र के लोग सुनते भी हैं और उनका अनुसरण भी करते हैं। तो चलिये जानते हैं आजकल के अभिभावकों को सद्गुरु क्या सीख दे रहे हैं।

उन्हें प्यार करें, दिखावा नहीं

बच्चे बहुत कोमल होते हैं और वे इस बात को अच्छी तरह समझ पाते हैं कि कौन उनसे प्रेम कर रह है और कौन प्यार करने का दिखावा। अगर आप चाहते हैं आपका बच्चा आपके साथ अपनी अच्छी बॉडिंग रखे तो आपको उन्हें सच्चा प्रेम देना चाहिये। सद्गुरु भी इस बात पर मोहर लगाते हुए कहते हैं कि बच्चे की हर डिमांड को पूरा करना उन्हें प्यार करना नहीं है, हर मौके पर उनके लिये उपस्थित होना उन्हें सच्चा प्यार करना है। जब उन्हें आपकी जरूरत हो, अगर तब आप अवेलबल रहते हैं तो यही उन्हें वास्तविक रूप से प्रेम देना है।

बच्चे को हर अवसर पर सपोर्ट करना सीखें

सारी दुनिया भले ही आपके बच्चे के विरोध में हो लेकिन जब उसके अभिभावक उसके साथ होते हैं तो उसे कोई समस्या नहीं होती। सद्गुरु कहते हैं माता-पिता को अपने बच्चे का समर्थन करना चाहिये... गलतियां तो हर किसी से होती है लेकिन आपको अपने बच्चे को उस गलती करने और उससे सबक सीखने के लिये तैयार करना चाहिये। अभिभावकों को अपने बच्चे को सपोर्ट करना चाहिय, उसे समर्थन देना चाहिये तभी वह लाइफ में स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम रहेगा।

घर का माहौल सकारात्मक रखें

बच्चे का सबसे पहला स्कूल उसका घर ही होता है... अगर आप चाहते हैं आपका बच्चा अच्छी बातें सीखें, उसका स्वभाव पॉजिटिव हो तो सबसे पहले आपको अपने घर का माहौल ठीक करना चाहिये। पति-पत्नी को आपस में अपने संबंध को मधुर बनाना चाहिये। अगर आप हर समय अपने बच्चे के सामने चिंतित या डरे हुए या फिर क्रोधित रहेंगे तो आप खुद ही सोचिये कि माहौल बेहतर कैसे होगाङ्क

खुश और इंटेलिजेंट व्यक्ति के रूप में नजर आएं

सद्गुरु कहते हैं बच्चे बहुत जिज्ञासु होते हैं और उन्हें भीतर बहुत से सवाल होते हैं। अगर आप उनके सामने इंटेलिजेंट व्यक्ति के रूप में उभरकर आएंगे तो वे आपसे प्रभावित होंगे और उनके साथ आपकी नजदीकी भी बढ़ जाएगी। बच्चों का प्यार उनके माता-पिता के लिये पर्याप्त है... कुछ ऐसा ही अभिभावकों के प्रेम और दुलार के साथ भी है। अगर आप अपने बच्चे को समझेंगे और उसे चीजों को समझाएंगे तो उन्हें किसी और की कंपनी की जरूरत ही नहीं होगी।

आज का पंचांग

रविवार, 23 जून 2024

तिथि-द्वितीया - 27:26 तक
नक्षत्र-पूर्वाषाढा-17:03 तक
प्रथम करण -तैतिल-16:22 तक
द्वितीय करण-:गर-27:26 तक
पक्ष-कृष्ण
योग -ब्रह्म-14:26 तक
सूर्योदय-05:26-सूर्यास्त-19:20
चंद्रमा -मकर-22:47 तक
राहुकाल-17:36-19:20
विक्रमी संवत-2081
शक संवत-1946
मास-आषाढ़
शुभ मुहूर्त-अभिजीत-11:59-12:47

आज का राशिफल

सपना श्री, ज्योतिषाचार्य

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ)

आज ग्रहों की शुभ स्थिति बन रही है और भाग्य आपका साथ देगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। वाहन, भूमि खरीदने के योग बन रहे हैं। कोई भी काम काफी सोचकर करें तो बेहतर होगा। सांसारिक सुख भोग और घर की सुविधाओं से जुड़ी वस्तुओं की खरीद कर सकते हैं।

वृषभ (इ,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो)

आज का दिन उलझनों और परेशानियों वाला रहेगा। आज आप किसी मामले को लेकर परेशान रहेंगे। काम करने में मन नहीं लगेगा और कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। और पैसों की कमी की चिंता आपको सताएगी। आर्थिक स्थिति को लेकर आप परेशान रहेंगे। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

मिथुन (की,कु,घ,ङ:,छ,के,को,ह)

आज शुभ नहीं है और आज आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। किसी भी विवाद से बचें और अपने काम पर ध्?यान दें। अनावश्यक परेशानियों से मन क्षुब्ध रहेगा और आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। सामाजिक उत्तरदायित्व भी बढ़ेगा। किसी अनजान व्यक्ति से आज लेनदेन न करें, वरना नुकसान हो सकता है।

कर्क (हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)

आज का दिन परेशानियों से भरा होगा और आज कार्यक्षेत्र में आपकी अपने से वरिष्ठ अधिकारियों से अनबन हो सकती है। दाम्पत्य जीवन में भी कुछ विवाद हो सकते हैं। दिन के उत्तरार्द्ध में अचानक से अतिथियों के आगमन से व्यय बढ़ सकता है। दूसरों का उपकार करें तो आपके लिए भी तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)

आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। आप यदि व्यापारी हैं तो आज अनावश्यक अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। सरकारी कर्मचारी हैं तो आज आपका वरिष्ठ अधिकारी के साथ विवाद हो सकता है। नई योजना की तरफ ध्यान दें, अचानक लाभ हो सकता है। प्रतियोगी परीक्षा में आपको अच्छे परिणाम हासिल होंगे।

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण:,ठ,पे,पो)

आज कुछ समस्याओं से होगी और आज आपका किसी काम को करने का मन नहीं करेगा। अधिकारी वर्ग के लोगों से आपकी अच्छी पटेगी। निराशाजनक विचारों से बचें और अपने काम पर ध्यान दें। अचानक शुभ समाचार मिल सकता है और मन खुश होगा।

तुला (रा,री,रु,रे,रो,ता,ती,तू,ते)

मन प्रसन्न रहेगा। धैर्यशीलता में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। यात्रा लाभप्रद रहेगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। पिता से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मानसिक शान्ति रहेगी। आपका स्वास्थ्य पहले से ज्यादा चुस्त दुरुस्त रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्ते की एक नयी शुरूआत कर सकते हैं।

वृश्चिक (ना,नी,नु,ने,नो,या,यी,यू)

आज का दिन आर्थिक मामलों में सुखद रहेगा और आपको हर कार्य में मनचाहा फल प्राप्?त होगा। किसी भी विरोधी की आलोचना की ओर ध्यान न दें और अपने काम पर फोकस करें। आगे चलकर सफलता आपके कदम चूमेगी। सामाजिक क्षेत्र में मेल-जोल बढ़ाने में कामयाब होंगे। आप किसी वाद-विवाद से दूर रहें, नहीं तो वह कानूनी हो सकता है।

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फ)

आज का दिन ठीकठाक रहेगा। आज छोटा काम करने वाले लोगों को लाभ होगा और त्योहार के इस मौसम में उनका मुनाफा बढ़ेगा। रात का वक्त मित्रों और परिजनों के साथ खुशी में बीतेगा और आपको मनचाहा लाभ होगा। आपको साझेदारी में किसी काम की शुरूआत करना अच्छा रहेगा।

मकर (जा,जी,जू,जे,जो,खा)

आज काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। रूटीन काम को पूरा करने में ही आज आप बिजी रहेंगे। स्वजनों से सुख मिलेगी और पारिवारिक मंगल कार्यों को करने में खुशी मिलेगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। आज आपको सरकार की ओर से कोई मदद मिलेगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं।

कुंभ (गू,गे,गो,सो,सी,सू,से,सो,दा)

आज आपको कहीं से रुके धन की प्राप्ति होने से मन में हर्ष होगा। आपका विश्वास धर्म एवं आध्यात्म में बढ़ेगा। रोजमर्रा के काम में कोताही न बरतें। आज आप रिसर्च के काम से जुड़े हैं तो आपको लाभ होगा। नए संपर्क से सितारा बुलंद होगा और आज धन के मामले में कुछ समस्याएं आ सकती हैं।

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)

आज का दिन मिश्रित फलकारक है। किसी अधिकारी से अनबन हो सकती है और आपका नुकसान होने की आशंका है। नए संबंध से भाग्य में चमक बढ़ेगी और किस्मत आपका साथ देगी। सामाजिक सम्मान मिलेगा। मित्रों के साथ यात्रा पर जाना पड़ सकता है। परिवार में यदि आपसे कोई गलती हुई थी, तो आपको उसे सुधारने की कोशिश करनी है।

धामी कैबिनेट बैठक के फैसले:विभिन्न विभागों के 12 प्रस्ताव पर लगी मुहर

सहकारिता की प्रबंध समितियां में महिलाओं को मिलेगा 33% आरक्षण

इंडिया न्यूज

लोकसभा चुनाव के तकरीबन 4 महीने बाद धामी कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के 12 महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर मुहर लगी। कैबिनेट बैठक सचिवालय में 1:00 बजे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धाम धामी की अध्यक्षता में शुरू हुई जो तकरीबन 3:00 बजे तक चली। बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री शामिल हुए। दो घंटे चली इस बैठक में शहरी विकास, आवास, वित्त, राजस्व, कार्मिक, नियोजन, उच्च शिक्षा समेत अन्य विभागों के प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

हनोल मंदिर के मास्टर प्लान में विस्थापितों के लिए बनाई गई नीति

धामी कैबिनेट की इस बैठक में आवास विकास के विभिन्न प्राधिकरणों में मिनिस्टीरियल कर्मचारियों की नियमावली को मंजूरी दी गई।

इसके साथ ही उत्तराखंड एकीकृत महानगर परिवहन प्राधिकरण विधेयक 2024 को कैबिनेट से मंजूरी मिली। साथ ही महासू देवता के मास्टर प्लान के तहत प्रभावित परिवारों के विस्थापन की नीति को भी मंजूरी मिली है। जिन लोगों के पास अपनी जमीन है उन्हें मकान बनाने के लिए 10 लाख दिए जाएंगे। जिनके पास जमीन नहीं है उन्हें सरकारी जमीन पर बसाया जाएगा।

खाद्य विश्लेषण शाखा में 13 पद सृजन को दी गई मंजूरी। चिकित्सा विभाग के तहत एफडीआई में 8 पद आउटसोर्सिंग से भरने को भी मंजूरी।

ऊर्जा और वैकल्पिक ऊर्जा का ढांचा बनाने की मंजूरी,80 नए पद स्वीकृत किए जायेंगे। शहरी क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था को ठीक करने को लेकर नया प्राधिकरण बनेगा। जो ट्रेफिक को देखते हुए विकास कार्यो को स्वीकृति देगा। आवास विभाग मे नियुक्ति में कार्मिक विभाग के ही नियम लागू होगे। वित्त कर्मियों की ट्रेनिंग अलग-अलग चरणों मे होगी। प्रोमोशन के बाद भी ट्रेनिंग आयोजित होगी।

इसी तरह की लगातार ट्रेनिंग सचिवालय सेवा और पीसीएस अफसरों के लिए भी करने के लिए सीएम धामी ने निर्देश दिए। वित्त विभाग मे राज्य सरकार के कर्मचारियों को कॉरपोरेट बैंकिंग अकाउंट लागू करने का फैसला लिया गया हैं। 13 बैंक के साथ बात हुई। जिसमे 4 बैंक तैयार हुए। एक्सीडेंट मुआवजा समेत तमाम अन्य सुविधाएं मिलेंगी। सहकारिता की प्रबंध समिति में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत

अगले हफ्ते दस्तक देगा मानसून

24-30 जून तक भारी बारिश का येलो अलर्ट, यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को सतर्क रहने की सलाह

इंडिया न्यूज

उत्तराखंड में प्री-मानसून की बारिश के बाद अब मानसून दस्तक देने जा रहा है। मौसम विभाग ने अगले हफ्ते 24 जून से लेकर 30 जून तक प्रदेश भर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। खासकर पर्वतीय जिलों में तेज बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को भी सतर्कता बरतने की सलाह दी है। कहा है कि यात्रा पर पूरी तैयारी के साथ आए। इस दौरान कहीं-कहीं बारिश और बिजली चमकने से कच्चे घरों को नुकसान होने की भी आशंका जताई गई है।

संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन होने से होंगे रास्ते बंद

मौसम विभाग के निर्देशक विक्रम सिंह ने बताया- प्रदेश में अगले हफ्ते सोमवार से मौसम का मिजाज बदल जाएगा। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में झोंकेदार हवाओं के साथ तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। उन्होंने बताया- 19 जून से हुई प्री मानसून की बारिश का दौरा जारी है। लेकिन अगले हफ्ते प्रदेश भर में मानसून दस्तक दे देगा। इसके बाद 30 जून तक प्रदेश भर में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। खासकर 27,28 और 30 जून को प्रदेश के पर्वतीय जिलों में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। जिससे चार धाम यात्रा भी प्रभावित हो सकती है।

कुमाऊं के चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि इस बारिश से पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन होने का खतरा बढ़ सकता है। इससे रास्ते भी प्रभावित होंगे हैं। विक्रम सिंह ने यह भी बताया कि 24, 26 और 29 जून को कुमाऊ मंडल के नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले में भी भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है इस दौरान इन चारों जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन और पत्थर गिरने की आशंका है।

मेरठ में बेडरूम में महिला की हत्या

बेड पर लाश, हाथ में थी लाइसेंसी पिस्टल, पति नाइट ड्यूटी पर गया था

इंडिया न्यूज

मेरठ में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लाश उसके घर के कमरे में बेड पर मिली है। कनपटी पर गोली लगने का निशान और हाथ में लाइसेंसी पिस्टल थी। महिला का गर्दन पर चोट के निशान हैं। पुलिस का कहना है कि महिला का मर्डर हुआ है। लेकिन क्राइम सीन को सुसाइड जैसा बनाने की कोशिश की गई है। पुलिस हत्या मानकर मामले की जांच कर रही है। महिला के घर और पड़ोसियों के उउळश खंगाले जा रहे हैं। मामला ब्रह्मपुरी इलाके का है।

पति के घर आने पर मर्डर का पता चला

महिला के पति राधेश्याम मिश्रा बागपत रोड के कैलाश अस्पताल के आईसीयू में काम करते हैं। ब्रह्मपुरी इलाके में उनका 3 मंजिला मकान है। जहां वो पत्नी सुनीता मिश्रा के साथ रहते थे। राधेश्याम ने पुलिस को बताया-मेरी नाइट शिफ्ट चल रही है। मैं शुक्रवार रात 8.30 बजे ड्यूटी पर चला गया। घर पर पत्नी अकेली थी। शनिवार सुबह 7 बजे जब मैं शिफ्ट खत्म करके घर लौटा तब देखा कि घर का मेन गेट खुला था। अंदर जाकर देखा तो घर का दरवाजा खुला था। बेडरूम के बेड पर पत्नी की लाश पड़ी थी। कनपटी से खून निकल रहा था, जबकि हाथ में लाइसेंसी पिस्टल थी। मैंने शोर मचाया तो पड़ोसी आए। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, महिला के हाथ में लाइसेंसी पिस्टल थी। घर की अलमारी का सामान बिखरा हुआ था, लेकिन सोने के सिक्के, जेवर चोरी नहीं हुए हैं। पुलिस ने बताया-मृतक सुनीता के एक बेटा आकाश मिश्रा और बेटी आशी है। बेटा बीटेक कर चुका है। अब गुरुग्राम की एक कंपनी में सिविल इंजीनियर के पद पर जॉब करता है। बेटी आशी सुल्तानपुर में रहकर पढ़ाई करती है। अभी लखनऊ अपने मामा के यहां गई है। सूचना पर बेटा भी घर पहुंच गया है। बेटे ने पुलिस को बताया कि रात 10 बजे उसकी मां से आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। ब्रह्मपुरी थाने में पहले से इस परिवार की तरफ से 2 एफआईआर दर्ज हैं, इनको भी पुलिस जांच में शामिल कर रही है। घर पर खड़ी रहने वाली बुलेट घर से 200 मीटर दूर दिल्ली चुंगी पर खड़ी मिली। पड़ोसियों के उउळश के फुटेज को पुलिस ने कब्जे में लिया है। हत्या में किसी अपने का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। क्योंकि 3 मंजिला घर की

मेरठ में इलाज कराने आए युवक को लगी गोली, घायल

क्लिनिक में डॉक्टर को मारने आए थे 4 बदमाश, दो आरोपी को पब्लिक ने पकड़कर

इंडिया न्यूज

मेरठ। क्लिनिक में डॉक्टर को मारने आए 4 हमलावरों की गोली से एक युवक घायल हो गया। पीड़ित की हालत गंभीर है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, 2 हमलावरों को पब्लिक ने मौके पर पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनों को पब्लिक से बचाया। लोगों ने जूतों, चप्पलों से आरोपियों को गिरा-गिराकर पीटा। उनके कपड़े भी फाड़ दिए। वहीं, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। लोहिया नगर थाना क्षेत्र के मदरसे वाली गली जाकिर कॉलोनी में लक्खीपुरा निवासी अय्यूब अपने छोटे बच्चे को लेकर डॉक्टर एमडी अहमद के यहां दिखाने आए थे। तभी 4 युवक शोएब, इमरान, इसरार, आकिब क्लिनिक में घुस गए। इन लोगों ने फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि फायरिंग डॉक्टर पर कर रहे थे, लेकिन गलती से अय्यूब को लग गई। गोली अय्यूब के पेट में लगी है। गोली लगते ही अय्यूब जमीन पर गिर गया। आसपास के दुकानदारों ने भी जैसे ही गोली चलने की आवाज सुनी तो भगदड़ मच गया। दुकानदारों ने फौरन शटर गिराकर दुकानें बंद कर दी। दो मिनट में पूरा बाजार बंद हो गया। हमलावर मौके से भागने लगे। तभी पब्लिक ने दौड़कर आरोपियों को पकड़ा। इसमें दो आरोपी इमरान और आकिब को पब्लिक ने पकड़कर खूब पीटा। अन्य दो आरोपी भाग गए। थाना पुलिस पहुंची, मामले की जांच कर रही है। घायल अय्यूब को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस पूछताछ में डॉक्टर ने बताया कि उसके यहां कुछ कंस्ट्रक्शन वर्क चल रहा है। इसमें लेबर लगे हैं। शुक्रवार दिन में इसरार जो यहीं लक्खीपुरा गली नंबर-26 का रहने वाला है, उसका दिन में डॉक्टर के यहां काम कर रहे मजदूरों से विवाद हो गया। मजदूरों के साथ इसरार का विवाद बढ़ने लगा तो डॉक्टर एमडी ने इसका विरोध किया और किसी तरह इसरार को वापस भेज दिया। लेकिन, रात को इसरार अपने

छत्तीसगढ़ में बेटे की हत्या कर फांसी पर झूला पिता

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में बेटे की गला घोंटकर हत्या करने के बाद पिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 3 महीने पहले ही पत्नी की मौत हो चुकी है। जिसके बाद से वो डिप्रेशन में था। मृतक दीपेश उसके तीन बच्चो में सबसे बड़ा था। पिता ने पहले भी उसकी हत्या की कोशिश की थी। घटना सीतापुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, कोटछाल गांव निवासी देवकुमार (35) शुक्रवार की रात अपने बेटे दीपेश (5) के साथ कमरे में सो रहा था। फिर अचानक देर रात उठकर उसने बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी। फिर खुद फांसी लगा ली। शनिवार सुबह परिजन जब बच्चे को उठाने के लिए कमरे में गए, तब इसकी जानकारी लगी। देवकुमार की पत्नी की तीन महीने पहले बीमारी के चलते मौत हो गई थी। करीब 6 महीने से देवकुमार की मानसिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उसके तीन बच्चों में दीपेश सबसे बड़ा था। उसका तीन साल का एक बेटा और एक साल की बेटी दादी के साथ सो रहे थे। देवकुमार ने करीब एक महीने पहले भी दीपेश को गांव के तालाब में फेंक दिया था, लेकिन पानी कम होने के कारण वो बच गया था। देवकुमार के पिता अमरविलास ने बताया कि, देवकुमार बच्चों को मार डालने की हद तक प्रताड़ित करता था। इस कारण वे बच्चों को उससे दूर रखते थे।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

घटना की सूचना पर सीतापुर थाना प्रभारी भरतलाल साहू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पिता-

उत्तराखंड में रात में नही चलेंगे यात्री वाहन

मानसून सीजन और हादसों को देखते हुए फैसला, रात 9 से सुबह 4 बजे तक रोक

इंडिया न्यूज

उत्तराखंड के चारधाम यात्रा मार्गों पर हो रही दुर्घटना के बाद अब जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। उत्तरकाशी,रुद्रप्रयाग और चमोली जिला प्रशासन ने यात्रा मार्गों पर रात के वक्त यात्री वाहन चलाने पर रोक लगा दी है। इन जिलों में यात्रा मार्गो रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक यात्री वाहन नहीं चल पाएंगे। यह व्यवस्था स्थानीय लोगों पर लागू नहीं रहेगी।

बदरीनाथ हाईवे पर हुए हादसे के बाद लिया गया फैसला

आगामी मानसून सीजन और लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए यह फैसला लिया गया। ऋषिकेश-बद्रीनाथ, रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड,ऊखीमठ-चोपता और

गोपेश्वर हाईवे पर रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक यात्री और पर्यटक वाहनों का संचालन नहीं हो पायेगा। इसके साथ ही यात्रा मार्गों पर पड़ने वाले सभी बैरियर पर वाहनों की चेकिंग के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल रुद्रप्रयाग-बदरीनाथ हाईवे पर 15 जून को एक टेंपो ट्रैवलर के अलकनंदा नदी में गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

गंगोत्री हाईवे पर भी रात 9:00 बजे के नही चलेंगे वाहन

उधर उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने भी गंगोत्री हाईवे पर रात 9:00 बजे सुबह 4:00 बजे तक यात्री वाहनों पर रोक लगा दी है। इस दौरान गंगोत्री हाईवे पर किसी भी यात्री वाहनों के संचालक पर रोक रहेगी। हालांकि यहां भी ये व्यवस्था स्थानीय लोगों पर लागू नहीं होगी। लेकिन जो भी यात्री रात के समय यात्रा करने पर विचार बना रहे हैं उन्हें 9:00 बजे के बाद गंगोत्री हाईवे पर आगे नहीं जाने दे जाएगा।

संकरे और संवेदनशील क्षेत्र में पुलिस ने लगाई चेतावनी बोर्ड

एसपी अर्पण यदुवंशी ने गंगोत्री हाईवे पर संकरे संवेदनशील और दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र को चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। कहा है कि ऐसे स्थान पर यात्रियों की सुविधा के लिए रिफ्लेक्टर,ब्लिंकर लैंप,चेतावनी बोर्ड और अन्य आवश्यक कार्य किए जाएं। ताकि श्रद्धालुओं को ऐसे स्थान पर दिक्कत ना हो। जिसके बाद

पति ने पैर नहीं दबाया तो पत्नी ने लगाया फंदा

इंडिया न्यूज

बिलासपुर। तबीयत खराब होने पर पति ने पैर नहीं दबाया तो गुस्से में आकर पत्नी ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि, महिला के कहने पति ने उसे जवाब दिया कि, पहले वह बर्तन साफ करेगा। बर्तन साफ करने के बाद वह अपनी तीन साल की बेटी को सुलाने लगा। इतने में उसकी पत्नी गुस्से में आकर दूसरे कमरे में चले गई। कुछ देर बाद पति कमरे में पहुंचा तो वह फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मामला तोरवा थाना इलाके के देवरीडीह का है। जहां बलौदाबाजार जिले के मोहतरा निवासी भूपेंद्र साहू किराए के मकान में परिवार के साथ रहता है। उसकी तीन साल की बेटी भी है। भूपेंद्र की पत्नी सुशीला की तबीयत कुछ दिन से खराब थी, जिसके कारण उसका पति भूपेंद्र घर का सारा काम कर रहा था। गुरुवार की रात भूपेंद्र ने खाना बनाया और परिवार के साथ खाने बैठा था। इस दौरान उसकी पत्नी ने उसे पैर दबाने के लिए कहा। इस पर भूपेंद्र ने कहा कि वो पहले घर का काम करेगा, बर्तन भी साफ करना है। बर्तन साफ करने के बाद वो अपनी बेटी को सुलाने लगा। इतने में उसकी पत्नी को गुस्सा आ गया और दूसरे कमरे में चली गई। इस बीच भूपेंद्र की आंख लग गई। जब अचानक देर रात उसकी नींद खुली और वह दूसरे कमरे में गया तो उसकी पत्नी साड़ी का फंदा बनाकर फांसी पर झूल रही थी।

पुलिस ने ससुराल और मायके वालों को बुलाया

भूपेंद्र ने आनन-फानन में उसे फंदे से नीचे उतारा और प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई। शुक्रवार की सुबह शव का पंचनामा और पोस्टमॉर्टम से पहले पुलिस ने उसके ससुराल और मायके वालों को बुलाया।

ससुराल वालों ने शव ले जाने से किया इनकार

बताया जा रहा है कि भूपेंद्र साहू को उसके समाज के लोगों ने छोड़ दिया है। वह अपनी पत्नी को गांव ले जाकर अंत्येष्टि करना चाह रहा था लेकिन, उसके घरवालों ने शव को गांव ले जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद भूपेंद्र ने बिलासपुर में ही उसका अंतिम संस्कार किया। पुलिस के मुताबिक सुशीला के मायके वालों ने उसकी मौत पर कोई शक और आरोप नहीं लगाया है। उन्होंने पुलिस से कहा कि उनकी बेटी गुस्सैल थी और जल्दी भड़क जाती थी। हालांकि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि साल 2018 में भूपेंद्र प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। वहीं, सुशीला भी पढ़ाई कर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान उनकी दोस्ती

ओडिशा। पुरी में देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर पुरी जगन्नाथ मंदिर में स्नान यात्रा करते भक्त।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, 2 आतंकी ढेर

19 जून को सोपोर में मार गिराए थे 2 दहशतगर्द

श्रीनगर। सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की आतंकवाद को एक बार फिर जिंदा करने की कोशिशों पर लगातार पानी फेर रहे हैं। 3 दिन बाद शनिवार को सुरक्षा बलों के जवानों ने एक बार फिर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर 2 आतंकियों को मार गिराने में सफलता हासिल की है। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उड़ी स्थित गोहलान इलाके में नियंत्रण रेख के पास मुठभेड़ हुई है। जानकारी के मुताबिक, मारे गए दोनों आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। खबर लिखे जाने तक मुठभेड़ जारी थी। गौरतलब है कि इससे पहले 19 जून को उत्तरी कश्मीर के सोपोर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी जिसमें भी 2 आतंकी मारे गए थे। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया था कि हादीपोरा में सुरक्षा बलों ने 2 आतंकियों को मार

गिराया। आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार रात को जिले के अरागाम इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया था कि आतंकियों की ओर से सुरक्षा कर्मियों पर गोलीबारी शुरू करने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। बता दें कि इसी 9 जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों की बस पर हमला किया था।

घात लगाकर बैठे आतंकियों ने बस पर फायरिंग कर दी थी जिसके बाद बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी। बस पर हमले करने वाले आतंकी पहाड़ी इलाके में छिपे थे। इस मामले में पुलिस ने एक आतंकी के सहयोगी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपी ने ही आतंकियों को कई बार पनाह दी थी और उनके गाइड के रूप में काम किया था।

आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ : जम्मू-कश्मीर में सीमा पर सुरक्षा बलों ने एक अन्य घटना में आतंकियों के ठिकाने का पर्दाफाश कर मौके से भारी मात्रा में सामान बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार, एसओजी मेंढर ने पुंछ के मेंढर उपमंडल में तलाशी अभियान के दौरान आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से कुछ कपड़े, जूते, मोबाइल फोन और चार्जर आदि बरामद किए हैं।

कुशीनगर से पकड़ा गया टेलीग्राम पर पेपर वायरल करने वाला अभ्यर्थी

लखनऊ। यूजीसी नेट 2024 परीक्षा गडबड़ी मामले में दिल्ली की सीबीआई टीम उत्तर प्रदेश के कुशीनगर पहुंची है जहां से एक युवक को पकड़ा गया है। पकड़े गए युवक का नाम निखिल बताया गया है। पडरौना कोतवाली में निखिल से सीबीआई की टीम पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, निखिल ने भी यूजीसी नेट की परीक्षा दी थी। वह कोटा में रहकर तैयारी कर रहा था और करीब 1 महीना पहले निखिल कुशीनगर सिधुआ में आकर रह रहा था। निखिल ने यूजीसी नेट पेपर के कुछ अंश टेलीग्राम पर पोस्ट किए थे। दरअसल, 18 जून नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने पेन-पेपर मोड (ओएमआर शीट) में यूजीसी नेट परीक्षा आयोजित की गई थी लेकिन 19 जून को इसे रद कर दिया गया। 19 जून, 2024 को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) को परीक्षा के संबंध में गृह मंत्रालय के इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर की नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट (एनसीटीएयू) से कुछ इनपुट प्राप्त हुए। ये इनपुट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर थे। बाद में शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षा को रद करने का फैसला लिया गया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यूजीसी नेट परीक्षा पेपर लीक मामले की जानकारी देते हुए बताया था कि गृह मंत्रालय की साइबर विंग आई4सी ने 19 जून की दोपहर 3 बजे रिपोर्ट दी कि परीक्षा के पेपर डार्क वेब पर लीक हो गए थे। इसके अलावा, टेलीग्राम पर भी नेट का पेपर वायरल हो गया। शिक्षा मंत्री ने जानकारी दी थी कि हमने जब इसका मिलान किया और पाया कि क्वेश्चन पेपर एक जैसे थे और लीक हुए क्वेश्चन पेपर टेलीग्राम पर थे। मामले की गहन जांच के लिए मामला सीबीआई को सौंपा गया है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में लिए बड़े फैसले

प्लेटफॉर्म टिकट पर टैक्स में छूट, फेक इनवॉइस पर लगाम

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) काउंसिल की 53वीं मीटिंग शनिवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की। इस मीटिंग के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसकी जानकारी दी और अहम फैसलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सोलर कूकर पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने को मंजूरी दे दी गई है।

जीएसटी अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी किए गए डिमांड नोटिस के लिए ब्याज और जुर्माना माफ करने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, फेक इनवॉइस पर रोक लगाने के लिए चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लागू किया जाएगा।

बता दें कि शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की बैठक की और इस दौरान अहम फैसले लिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम सीमित विषयों पर ही विचार कर सकते थे। बजट सत्र के बाद एक और जीएसटी बैठक आयोजित की जाएगी। इस बार की बैठक में व्यापार सुविधा, करदाताओं को राहत से संबंधित निर्णय लिए गए। जीएसटी अपील न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपए की मौद्रिक सीमा की सिफारिश की गई है।

छोटे करदाताओं के लिए जीएसटीआर-4, वित्त वर्ष 24-25 के लिए समय सीमा 30 जून तक बढ़ा दी गई है। बता दें कि यह बैठक 8 महीने के अंतराल के बाद हुई है। जीएसटी काउंसिल की पिछली बैठक 7 अक्टूबर, 2023 को हुई थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि फेक इनवॉइस पर रोक लगाने के लिए चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2017-18, 2018-19, 2019-20 के लिए डिमांड नोटिस पर ब्याज और जुर्माना माफ कर दिया जाएगा।

अगर 31 मार्च, 2025 तक टैक्स का भुगतान किया जाता है। इसके अलावा, अन्य एजेंडों पर चर्चा के लिए काउंसिल की अगली बैठक अगस्त में आयोजित करने का फैसला लिया गया है। बैठक के बाद ये भी सामने आया है कि केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के पक्ष में है और हालांकि इसके लिए कहा गया है कि राज्य इसके लिए मिलकर जीएसटी की दर तय करें।

जीएसटी काउंसिल के बड़े फैसले

1. काउंसिल ने सभी सोलर कुकर पर 12% जीएसटी निर्धारित करने की सिफारिश की है, चाहे इसमें एकल या दोहरी ऊर्जा स्रोत हो।
2. भारतीय रेलवे द्वारा आम आदमी को प्रदान की जाने वाली सेवाएं, प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री, रिटायरिंग रूम, वेटिंग रूम, क्लाकरूम सेवाओं, बैटरी चालित कार सेवाओं को जीएसटी से छूट दी जा रही है।
3. शैक्षणिक संस्थानों के बाहर के छात्रों के लिए छात्रावासों को भी छूट दी जा रही है। आवास सेवाओं की आपूर्ति का मूल्य प्रति व्यक्ति प्रति माह 20,000 रुपए तक है। ये सेवाएं न्यूनतम 90 दिनों की निरंतर अवधि के लिए आपूर्ति की जाती हैं।
4. काउंसिल ने मिल्क कैन्स पर एक समान 12 फीसदी की दर निर्धारित करने की सिफारिश की है। काउंसिल ने सभी कार्टन बॉक्स पर 12 फीसदी की दर निर्धारित की है। फायर स्प्रिंकलर सहित सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12 फीसदी की दर लागू होगी। सभी सोलर कुकर पर 12 फीसदी जीएसटी दर लागू होगी।
5. जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए गठित जीओएम अगली बैठक में स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए गठित ग्रुप ऑफ मिनिस्टर की अध्यक्षता बिहार के उप-मुख्यमंत्री करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस (23 जून) पर विशेष

करीब 2800 वर्ष पूर्व हुई थी ओलंपिक गेम्स की शुरूआत, इनसे बड़ी कोई खेल प्रतियोगिता नहीं

योगेश कुमार गोयल

नई दिल्ली। ओलंपिक तथा पैरालंपिक गेम्स का आयोजन प्रत्येक 4 साल में एक बार होता है। इस वर्ष ओलंपिक गेम्स का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में होगा। भारत आधुनिक ओलंपिक गेम्स में 104 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था जिसने एथलेटिक्स में 2 रजत पदक जीते थे। हालांकि, भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया था। 2021 में टोक्यो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 पदक भारत की झोली में डाले थे।

ओलंपिक गेम्स की शुरूआत करीब 2800 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किंतु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलंपिक गेम्स का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन गेम्स के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलंपिक गेम्स का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून, 1948 को हुई थी। दरअसल, आधुनिक ओलंपिक गेम्स का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून, 1894 को की गई थी जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियां इसकी सदस्य हैं।

आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलंपिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक 4 वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल, शीतकालीन ओलंपिक खेल और युवा ओलंपिक खेल का आयोजन किया जाता है।

पहला ग्रीष्मकालीन ओलंपिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलंपिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था।

ओलंपिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है जिसमें 200 से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षा शास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलंपिक गेम्स की

आधारशिला रखी थी। उनके द्वारा 23 जून, 1894 को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलंपिक गेम्स का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलंपिक खेल प्राचीन ओलंपिक गेम्स की ही भांति हर 4 वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे।

1 जनवरी, 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ 7 साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं, बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में गेम्स में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी, जबकि फ्रांसीसी गेम्स में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे।

उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह गेम्स के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उत्साहजनक सफलता नहीं मिली किंतु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे। 1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके 2 वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलंपिक गेम्स को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवंबर, 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किंतु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके 2 वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलंपिक गेम्स की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कॉन्फ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलंपिक गेम्स करवाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन गेम्स के आयोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति' का गठन हुआ जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलंपिक गेम्स के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुईं।

5 अप्रैल, 1896 को प्रथम आधुनिक ओलंपिक गेम्स की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलंपिक गेम्स का उद्घाटन 5 अप्रैल, 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलंपिक खेल में प्रथम ओलंपिक चैंपियन बनने का गौरव हासिल है। पहले ओलंपिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किंतु सन् 1900 में दूसरे ओलंपिक गेम्स में महिलाओं को भी अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलंपिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलंपिक गेम्स का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलंपिक आयोजन रद करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही 5 ऐसे देश हैं जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया है। ओलंपिक गेम्स के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से 1-1 करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं, जबकि मेजबान देश की टीम सबसे बाद स्टेडियम में पहुंचती है।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

रफाह-गाजा में भीषण लड़ाई जारी, पीछे हटने को तैयार नहीं इजरायल

बमबारी में 45 फलस्तीनियों की मौत

इंडिया न्यूज नेटवर्क

रॉयटर, यरुशलम। रफाह और गाजा के अन्य इलाकों में इजरायली बमबारी में शुक्रवार को 45 फलस्तीनी मारे गए। इजरायली सेना ने कहा है कि कई स्थानों पर उसकी फलस्तीनी आतंकियों से लड़ाई चल रही है। इजरायली सेना करीब डेढ़ महीने से मिस्त्र की सीमा के नजदीक बसे रफाह शहर में लड़ रही है लेकिन उस पर पूरी तरह से कब्जा कर पाने में विफल रही है। रफाह में अभी भी गाजा के अन्य शहरों से आए एक लाख से ज्यादा बेघर फलस्तीनी शरण लिए हुए हैं जबकि मई की शुरूआत में शरणार्थियों की संख्या 14 लाख थी। इजरायली हमलों से बचने के लिए करीब 13 लाख भागकर गाजा के अन्य हिस्सों में चले गए हैं।

गोलाबारी में 12 फलस्तीनी शरणार्थी मारे गए...रफाह के निवासियों के अनुसार इजरायली टैंक शहर की पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं से गोलाबारी कर रहे हैं। जबकि रह-रहकर लड़ाकू विमानों से बमबारी हो रही है और समुद्र में लंगर डाले युद्धपोत राकेट और मिसाइल दाग रहे हैं। शुक्रवार को रफाह के पश्चिमी हिस्से में स्थित मवासी इलाके में गोलाबारी में 12 फलस्तीनी शरणार्थी मारे गए। इजरायली टैंक का गोला इन शरणार्थियों के टेंट पर आकर गिरा था। रफाह के लोगों का कहना है कि बीते दो दिनों में इजरायली कार्रवाई में तेजी आई है, इससे उसका प्रतिरोध भी बढ़ा है। हमास के अनुसार उसके लड़ाकों ने गुरुवार को दो इजरायली टैकों को निशाना बनाकर उन्हें बर्बाद किया है।

आर्मेनिया ने दी फलस्तीन को मान्यता

इजरायली आपत्तियों को दरकिनार करते हुए आर्मेनिया ने भी फलस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी है। आर्मेनिया ने गाजा में तत्काल युद्धविराम के संयुक्त राष्ट्र में आए प्रस्ताव का भी समर्थन किया था। साथ ही क्षेत्रीय विवाद को खत्म करने के लिए दो राष्ट्रों के सिद्धांत का भी समर्थन किया है।

पूरा शहर इजरायली सैन्य कार्रवाई की चपेट में

रफाह के मेयर अहमद अल-सोफी कहते हैं कि पूरा शहर इजरायली सैन्य कार्रवाई की चपेट में है। यहां रहने वाले आमजनों की इजरायली सेना को बिल्कुल भी चिंता नहीं है। इसलिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में आमजन मारे जा रहे हैं। घायलों के इलाज की अब कोई सुविधा नहीं बची है। गाजा के मध्य में स्थित नुसीरत में भी इजरायली सेना की कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोग मारे गए हैं। सेना के सूत्रों ने बताया है कि मारे गए ज्यादातर लोग फलस्तीनी आतंकी थे और क्षेत्र में स्थित हथियारों के गोदाम की जानकारी मिलने पर कार्रवाई की गई, उसी दौरान वहां पर आतंकी मारे गए। इस बीच इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा दो फलस्तीनियों के मारे जाने की सूचना है।

चीन की चाल पर लगेगी लगाम! अमेरिकी विमानपोत सैन्य अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचा

सियोल। अमेरिकी विमानपोत सैन्य अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया पहुंच गया है। दक्षिण कोरिया की नौसेना ने इसकी जानकारी दी है। बताया जा रहा है, परमाणु ऊर्जा से चलने वाला अमेरिकी विमानवाहक पोत, थियोडोर रूजवेल्ट इस महीने जापान के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए आज दक्षिण कोरिया के बंदरगाह शहर बुसान पहुंचा। तीनों देशों के नेताओं ने अगस्त 2023 में कैंप डेविड शिखर सम्मेलन में वार्षिक सैन्य ट्रेनिंग अभ्यास आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने दक्षिण चीन सागर के विवादित जलमार्ग में चीन के खतरनाक और आक्रामक व्यवहार की निंदा की थी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस हफ्ते 24 सालों में पहली बार उत्तर कोरिया का दौरा किया और नेता किम जोंग उन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसमें पारस्परिक रक्षा प्रतिज्ञा भी शामिल थी।

7 महीने पहले भी भेजा था विमान

बता दें कि यह सालों से एशिया में रूस के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक था, जिसे किम ने गठबंधन के समान बताया। यह यात्रा उत्तर के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के खिलाफ विस्तारित प्रतिरोध के प्रदर्शन में एक अन्य अमेरिकी विमानवाहक पोत, कार्ल विंसन के 7 महीने बाद हो रही है। 7 महीने पहले ये विमान भी दक्षिण कोरिया भेजा गया था। वहीं बता दें कि सीरिया के होम्स प्रांत में बड़ा हादसा होने वाला था। मिली जानकारी के मुताबिक, रूस के स्व-35 विमान और अमेरिका का 3 टद 9 ड्रोन एक दूसरे के बेहद करीब आ गए थे, लेकिन रूस के पायलट ने बड़ी सूझ-बूझ से काम लिया और बड़ा हादसा होते-होते टल

अमेरिका में सुपर मार्केट में गोलीबारी, दो लोगों की गई जान, हमलावर समेत सात लोग घायल

वाशिंगटन। अमेरिका में एक सुपर मार्केट में हुई गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। वहीं कानून प्रवर्तन अधिकारी समेत सात अन्य लोग घायल हैं। घटना शुक्रवार को अर्कांसस

राज्य के फोर्डिस शहर स्थित मैड बुचर किराना स्टोर में हुई। अर्कांसस राज्य पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक कानून प्रवर्तन अधिकारी की गोली से हमलावर गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे हिरासत में ले लिया गया है। डलास काउंटी के शेरिफ माइक नोएडल ने कहा कि घटना को नियंत्रित कर लिया गया है। राज्य पुलिस के हवाला से डअळश ने जानकारी दी है कि घायल कानून प्रवर्तन अधिकारी अब खतरे से बाहर हैं। गवर्नर सारा हुकाबी सैंडर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्हें घटना के बारे में जानकारी दी गई है। मैं लोगों के जीवन बचाने के लिए कानून प्रवर्तन और प्रथम प्रतिक्रियाकताओं की त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए आभारी हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों और इस भयावह घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।" बता दें कि फोर्डिस शहर लिटिल रॉक से लगभग 112

पुतिन-किम जोंग के बीच दिखी गहरी दोस्ती, रूसी राष्ट्रपति हवाई जहाज की खिड़की से अलविदा कहते दिखे

इंडिया न्यूज नेटवर्क

प्योंग्यांग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक दिवसीय दौरे पर उत्तर कोरिया आए थे। उनकी यह राजकीय यात्रा अब समाप्त हो चुकी है। रूस वापस से जाने से पहले पुतिन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा, जिसमें वह अपने प्राइवेट जेट की खिड़की से उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को हाथ हिलाकर अलविदा कहते हुए दिख रहे हैं। पुतिन बुधवार को प्योंग्यांग एयरपोर्ट पर उतरे थे। इस एक दिवसीय दौरे के दौरान दोनों नेता 10 घंटे से अधिक समय तक एक साथ रहे। इस दौरान घोड़े को गाजर खिलाने से लेकर रूस निर्मित ऑरस लिमोजिन में एक-दूसरे को घुमाने तक, दोनों नेताओं को एक-दूसरे की कंपनी का आनंद लेते हुए देखा गया।

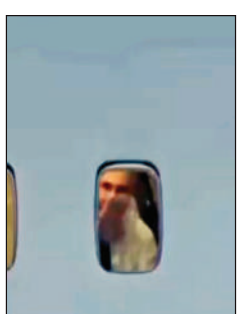

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो...सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल हो रहे वीडियो में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को हवाई जहाज की खिड़की से झांकते और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की तरफ हाथ हिलाते देखा गया। एक यूजर ने इस वीडियो को साझा करते हुए कहा, "पुतिन और किम जोंग उन का का भावुक अलविदा।" पिछले 24 वर्षों में रूसी राष्ट्रपति का उत्तर कोरिया का यह पहला दौरा था। दोनों नेताओं ने द्वितीय विश्व युद्ध में कोरिया को आजाद कराने की जंग में मारे गए रेड आर्मी के सैनिकों के स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह में हिस्सा लिया। इसके बाद किम जोंग उन ने घोड़े को गाजर खिलाया तो पुतिन ने उस घोड़े के सिर को थपथपाया। दोनों ने एक दूसरे को रूस निर्मित ऑरस लिमोजिन में घुमाया।

पुतिन ने उपहार में दी रूस निर्मित ऑरस लिमोजिन...मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रपति पुतिन ने फरवरी में उत्तर कोरिया के तानाशाह को रूस निर्मित ऑरस लिमोजिन उपहार में दी थी। उन्होंने एक बार फिर यही वाहन किम जोंग उन को भेंट की। इसके बदले में किम जोंग उन ने रूसी राष्ट्रपति को दो पुंगसन कुत्ते दिए। इस दौरान किम ने रूसी राष्ट्रपति को कोरियाई लोगों के करीबी दोस्त के रूप में संबोधित किया। बदले में पुतिन ने मेजबानी के लिए किम जोंन उन का धन्यवाद किया। उत्तर

बोइंग को मिल सकती है बड़ी राहत, DOJ मुकदमा नहीं चलाने के लिए कर रहा विचार, रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

इंडिया न्यूज नेटवर्क

वॉशिंगटन। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) बोइंग के साथ एक ऐसे समझौते पर विचार कर रहा है, जिससे एयरोस्पेस दिग्गज के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने से बचा जा सकेगा। हालांकि, सुरक्षा सुधारों पर कंपनी की प्रगति की निगरानी के लिए एक संघीय पर्यवेक्षक की नियुक्ति की जा सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले से परिचित लोगों का कहना है कि संभावित वैकल्पिक समझौते की शर्तों, जिसे स्थगित अभियोजन समझौते या डीपीए के रूप में जाना जाता है, पर अभी भी विचार चल रहा है। हालांकि, मामले में शामिल एक अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारी और धोखाधड़ी अनुभाग आपराधिक प्रभाग के प्रमुख ग्लेन लियोन ने एक सिविल पार्टी के वकील को भेजे गए एक ईमेल में कहा कि विभाग ने बोइंग के संबंध में फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया है।

दरअसल, डीओजे मई में इस निष्कर्ष पर पहुंचा था कि 2018 और 2019 में दो घातक 737 मैक्स दुर्घटनाओं के बाद बोइंग पर आपराधिक समझौते का उल्लंघन करने के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है, जिसमें 346 लोगों की जान चली गई थी।

एक मीडिया रिपोर्ट ने कुछ सूत्रों के हवाले से दावा किया कि

काफी बहस के बाद न्याय अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला कि बोइंग पर मुकदमा चलाना कानूनी रूप से बहुत जोखिम भरा होगा। अधिकारियों का यह भी मानना है कि निगरानीकर्ता की नियुक्ति सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण में सुधार सुनिश्चित करने के लिए एक सही तरीका होगा। पिछले महीने डीओजे ने मामले में न्यायाधीश से कहा था कि वह सात जुलाई से पहले अपना फैसला सुनाएगा। हालांकि, डीओजे के लियोन ने बोइंग के खिलाफ आपराधिक मामले में परिवारों के वकील पॉल कैसेल को ईमेल किया, जिसमें कहा गया था कि ऐसी खबरें झूठी हैं। विमान का निर्माण करने वाली कंपनी बोइंग ने जून में विभाग के फैसलों पर आपत्ति जताई थी। हालांकि उसने सुरक्षा संकट की गंभीरता को स्वीकारा था। सीईओ डेव कैलहोन ने सदन को बताया था कि बोइंग कार्रवाई कर रही है। वहीं न्यायाधीश ने जनवरी 2021 में एक शुरूआती डीपीए का एलान किया था, जिसमें बोइंग ने 737 मैक्स के प्रमाणीकरण पर धोखाधड़ी के आरोपों को निपटाने के लिए 2.5 अरब डॉलर का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की थी।

साल 2023 की शुरूआत से निमार्ता को अपने वाणिज्यिक विमानों पर कई उत्पादन और गुणवत्ता नियंत्रण समस्याओं का सामना करना पड़ा है। वहीं जनवरी में उड़ान के बीच घटनाएं हुई। दरअसल, अलास्का एयरलाइंस 737 मैक्स 9 का दरवाजा खुल गया था। न्याय विभाग का कहना था कि बोइंग द्वारा प्रारंभिक समझौते के कई प्रावधानों का उल्लंघन, जिसमें धोखाधड़ी का पता लगाने और उसे रोकने के लिए आंतरिक नियंत्रण को मजबूत करने के उपाय भी शामिल हैं, के कारण कंपनी पर मुकदमा चलाया जा सकता है। पीड़ितों के परिवारों ने बोइंग और उसके अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की है और लगभग 25 अरब डॉलर का जुमार्ना मांगा था।

लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट की माने तो एक नया डीपीए अमेरिकी सरकार को बोइंग के उल्लंघनों को बिना किसी मुकदमे के हल करने की अनुमति देगा। यह बोइंग के लिए एक तरह की जीत हो सकती है, जिसे अमेरिकी विमानन उद्योग के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

मौत के एक साल बाद भी वैगनर ग्रुप के संस्थापक प्रिगोझिन की लोकप्रियता बरकरार, लोग बोले- वह महान व्यक्ति

इंडिया न्यूज नेटवर्क

मॉस्को। रूस के खूंखार वैगनर ग्रुप के संस्थापक येवगेनी प्रिगोझिन की मौत को एक साल का समय पूरा होने वाला है। एक समय बगावत का बिगुल फूंकने वाले प्रिगोझिन और उनके वैगनर ग्रुप के भाड़े के सैनिकों ने राजधानी मॉस्को की तरफ चढ़ाई शुरू कर दी थी, लेकिन अब राजधानी मॉस्को में ही कई लोगों ने उनकी तारीफ की और उन्हें महान व्यक्ति करार दिया। उल्लेखनीय है कि प्रिगोझिन ने 23-24 जून 2023 को बगावत का एलान करते हुए अपने सैनिकों को मॉस्को की तरफ कूच का आदेश दिया था, लेकिन इसके दो महीने बाद ही येवगेनी प्रिगोझिन की एक रहस्यमयी हवाई जहाज दुर्घटना में मौत हो गई थी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सत्ता को सबसे बड़ी चुनौती देने के बावजूद प्रिगोझिन और उनके वैगनर समूह का सम्मान जारी है। वैगनर ग्रुप के केयरटेकर के रूप में काम कर रहे 60 वर्षीय अलेक्जेंडर उल्यानोव ने कहा, 'उन्होंने (येवगेनी प्रिगोझिन) मुश्किल समय में रूस के लिए बहुत कुछ किया। वह महान व्यक्ति थे। वैगनर ग्रुप ने यूक्रेन में रूस के सबसे लंबे और सबसे खूनी सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया, जिसमें पूर्व में बखमुत शहर के लिए लड़ाई भी शामिल है।

उल्यानोव ने कहा कि 'प्रिगोझिन हमारे दिलों में जीवित हैं, अगर लोग उन्हें याद करते हैं, तो वे जीवित हैं। उल्यानोव ने प्रिगोझिन की तुलना मिखाइल कुतुजोव जैसे ऐतिहासिक जनरलों से की, जिन्होंने नेपोलियन से लड़ाइयों के दौरान रूसी सैनिकों का नेतृत्व किया था। एक पूर्व हॉटडॉग विक्रेता और सजायाफ्ता अपराधी, प्रिगोझिन 1990 के दशक में पुतिन के संपर्क में आए, बाद में उन्होंने कैटरिंग बिजनेस से नाम कमाया।

इसके बाद 'पुतिन के रसोइये' के उपनाम से जाने जाने वाले प्रिगोझिन का रूस में प्रभाव तेजी से बढ़ा और उन्होंने सरकारी अनुबंध हासिल किए। प्रिगोझिन ने साल 2014 में वैगनर समूह की स्थापना की। प्रिगोझिन की मौत के बाद क्रेमलिन ने उनकी मौत में कोई हाथ होने से साफ इनकार किया। प्रिगोझिन की मौत पर राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें प्रतिभाशाली व्यवसायी बताया, जिन्होंने गंभीर गलतियां की। मास्को के शीर्ष सैन्य अधिकारियों को हटाने की अपनी कोशिश में, प्रिगोझिन के लड़ाकों ने रूस के दक्षिणी शहर रोस्तोव-ऑन-डॉन में रूसी सेना के मुख्यालय पर कब्जा कर लिया था। लगभग 24 घंटे के विद्रोह के बाद बेलारूस की मध्यस्थता से शांति समझौता हुआ। इस दौरान वैगनर ग्रुप के लड़ाके राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ चुके थे। यूक्रेन में रूस के लिए लड़ने वाले 'एस्पानोला' बटालियन के सदस्य 'टेडी बॉय' ने प्रिगोझिन की प्रशंसा की। उसने कहा 'मैं उनके साथ 100 प्रतिशत सहमत नहीं हूं, लेकिन अगर मैं उनसे मिलता, तो मैं उनसे हाथ मिलाता।' टेडी बॉय ने कहा, 'प्रिगोझिन ने सैन्य वर्दी पहनी थी और रूस समर्थक सेना के प्रतीकों के टैटू लगाए थे। उन्होंने बहुत सी ऐसी बातें कही, जिन्हें कहने से लोग डरते थे

अल-मवासी की पहाड़ी चोटियों से इस्राइल का हमला जारी, विस्थापित लोगों के तंबुओं पर गिराए जा रहे आग के गोले

इंडिया न्यूज नेटवर्क

यरूशलम। इस्राइली सेना ने दक्षिणी गाजा समेत अन्य इलाकों में हमला किया, जिसमें 45 फलस्तीनियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस्राइली राफा पर पूरी तरह से कब्जा करने की कोशिश में है। टैंक के जरिए शहर के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में कब्जा करने की कोशिश जारी है। इस्राइली सेना ने केंद्र, पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में पहले से ही कब्जा कर लिया है। हवाई जहाज और टैंकों से जारी फायरिंग के कारण स्थानीय लोग शहर छोड़कर जाने को मजबूर हैं। कुछ महीने पहले ही विस्थापित हुए लोगों को एक बार फिर अपना स्थान बदलना पड़ रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पश्चिमी राफा के मवासी में 25 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जबकि 50 के करीब घायल हैं। एक स्थानीय व्यक्ति ने मौजूदा हालात पर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, "दो टैंकों को मवासी की पहाड़ी चोटियों पर रखा गया। उनमें से आग के गोले छोड़े जा रहे हैं। ये आग के गोले विस्थापित लोगों के तंबुओं पर गिर रहे हैं।"

इस्राइली सेना ने बताया कि घटना की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने आगे कहा, "प्रारंभिक

जांच से मालूम चला है कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि अल-मवासी में मानवीय क्षेत्र में आईडीएफ (इस्राइली रक्षा बलों) द्वारा हमला किया गया था।" इससे पहले सेना ने कहा था कि राफा क्षेत्र में खुफिया आधारित कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान हमास द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सुरंगों का पता भी लगाया गया। सेना ने आगे बताया कि कुछ हफ्ते पहले सैनिकों ने एक यूनिवर्सिटी को निशाना बनाया था। दरअसल, इस यूनिवर्सिटी में हमास के आतंकी अपना अभियान चला रहे थे।

कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले दो दिनों में इस्राइल ने हमले तेज कर दिए थे, मुश्किल से ही गोलियों और विस्फोटों की आवाजें रुकी थीं। स्थानीय नागरिक हैतेम ने कहा, "पिछली रात राफा में सबसे खराब रातों में से एक थीं। इलाके में ड्रोन, विमान और टैंक से हमले किए गए।"

पिछले साल अक्तूबर से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष को आठ महीने हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा। संयुक्त राष्ट्र ने शुक्रवार को कहा कि गाजा पट्टी में कब्जा करने वाली शक्ति के रूप में यह इस्राइल की जिम्मेदारी है कि फिलिस्तीनी क्षेत्र में सार्वजनिक

शिक्षा की गंगा में दलदल और आपराधिक राजनीति से लाखों प्रभावित

आलोक मेहता

नीट परीक्षा में पेपर लीक, नेता अधिकारी अपराधी गैंग द्वारा लाखों रुपए वसूल कर कुछ स्थानों पर मासूम छात्रों और उनके परिवारों को जाल में फंसाकर अन्य लाखों छात्रों के भविष्य के लिए मुसीबत पैदा कर दी है। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और उच्च स्तरीय जांच में अनेक प्रादेशिक तथा राष्ट्रीय जांच एजेंसियां जुट गई हैं। सरकार के स्पष्टीकरणों से हंगामा थमता नहीं दिख रहा है।

भारत के पहले राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने 28 फरवरी, 1950 को अंतरविश्वविद्यालय बोर्ड के समारोह में कहा था कि मेरी समझ से किसी भी छात्र के लिए केवल बौद्धिक उपलब्धि की बजाय मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास का महत्व है। आजादी के 75 साल बाद ऐसा लगा रहा है कि समाज और राजनीति के एक बड़े वर्ग ने केवल निजी लाभ और अनैतिक हथकंडों से नई पीढ़ी को गलत दिशा से बर्बाद करने का रास्ता अपना लिया है इसलिए उच्च शिक्षा और भविष्य के रोजगार से जुड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं में धांधली के कारण देशभर में हंगामा है।

नीट परीक्षा में पेपर लीक, नेता अधिकारी अपराधी गैंग द्वारा लाखों रुपए वसूल कर कुछ स्थानों पर मासूम छात्रों और उनके परिवारों को जाल में फंसाकर अन्य लाखों छात्रों के भविष्य के लिए मुसीबत पैदा कर दी है। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और उच्च स्तरीय जांच में अनेक प्रादेशिक तथा राष्ट्रीय जांच एजेंसियां जुट गई हैं। सरकार के स्पष्टीकरणों से हंगामा थमता नहीं दिख रहा है। चुनाव के तत्काल बाद होने जा रहे संसद के सत्र के लिए कांग्रेस और प्रतिपक्ष को बड़ा मुद्दा मिल गया है।

प्रतिपक्ष तो शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने लगा है। दूसरी तरफ, नीट घोटाले की आंच बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव तक भी पहुंचती दिख रही है।

नीट विवाद में जिस तरह से प्रीतम यादव द्वारा षड्यंत्र किए जाने का मामला सामने आया है, यह इशारा करता है कि इस विवाद में बड़े नेताओं का हाथ होगा। उनके सहयोग के बिना प्रीतम यादव अपने दम पर यह भ्रष्टाचार नहीं कर सकते थे।

नीट घोटाले में तेजस्वी यादव के जिस पीए प्रीतम यादव पर आरोपियों को एनएचएआई के गेस्ट हाउस में कमरा उपलब्ध करवाने का नाम सामने आ रहा है, वह तेजस्वी के बेहद करीबी सहयोगियों में शामिल है।

भाजपा का आरोप है कि प्रीतम यादव ने अपने स्तर पर ही आरोपियों को ठहराने का काम नहीं किया होगा। इसके पीछे तेजस्वी यादव का हाथ हो सकता है। पार्टी ने नीट स्कैम में सीधे तेजस्वी यादव की भूमिका की जांच की मांग की है। इसके पहले राजद नेता लालू प्रसाद यादव जमीन के बदले नौकरी दिलाने के आरोपों से घिर चुके हैं। यदि इस मामले में तेजस्वी यादव की कोई भी भूमिका सामने आती है तो राहुल गांधी की कांग्रेस के गठबंधन को नई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा और विधानसभा चुनावों में बचाव कठिन हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में नीट पर याचिका परीक्षा खत्म होने के बाद से ही दायर हो रही है।

तब नीट पेपर लीक के मद्देनजर नीट की दोबारा परीक्षा और रिजल्ट पर रोक की मांग की गई थी लेकिन कोर्ट ने रिजल्ट पर स्टे से मना कर दिया और री-एग्जाम को लेकर जुलाई में सुनवाई करने की बात कही। सचमुच दुःख की बात यह है कि परीक्षाओं में लाखों बच्चे मेहनत से तैयारी करते हैं और अपनी जिंदगी के सबसे कीमती पल इस तैयारी में लगाते हैं। पूरा परिवार इस प्रयास में अपनी श्रद्धा और शक्ति डालता है लेकिन साल-दर-साल इन परीक्षाओं में पेपर लीक, रिजल्ट से जुड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं।

अब सरकार ने परीक्षा में गड़बड़ियों के अपराध पर 10 साल कैद की सजा और 1 करोड़ रुपए के जुर्माने के कानूनी प्रावधान का आदेश जारी कर दिया है लेकिन क्या इस तरह के मामलों पर समयबद्ध सुनवाई और कठोर सजा हो पाएगी? हमारी न्याय व्यवस्था में तारीखों का सिलसिला वर्षों तक चलता है। असल में प्रतिपक्ष के नेता शायद यह भूल रहे हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में राजनीति उनके सत्ता काल में ही शुरू हुई। शिक्षा नीति को न ठीक से बनाया गया और अनेक आयोगों-सिफारिशों के बावजूद उनका सही ढंग से क्रियान्वयन नहीं किया। जिस नेशनल टेस्ट एजेंसी (एनटीए) को लेकर कांग्रेस हंगामा कर रही है, उसके गठन और अधिकारों का काम कांग्रेस सरकार ने 2010 से 2013 के दौरान अपनी सत्ता काल में तय किया था।

मोदी सरकार ने तो 2017 में इसके लिए बजट का प्रावधान किया और 2018 में उच्च शिक्षा की विभिन्न परीक्षाओं के लिए इसका गठन किया। गत वर्षों के दौरान भी कुछ स्थानों और परीक्षा में गड़बड़ी की घटनाएं सामने आई थीं लेकिन इस बार गड़बड़ी और अपराध की जड़ों में नेताओं के हाथ सामने आ रहे हैं।

इसके लिए कोई एक पार्टी ही कटघरे में नहीं है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं से अधिक गंभीर गड़बड़ियों के आरोप राज्य स्तर की परीक्षाओं और सरकारी भर्तियों को लेकर आते रहे हैं।

उनमें भी करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में 15 राज्यों की 40 से अधिक परीक्षाओं में गड़बड़ी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। सवाल यह भी है कि टेक्नोलॉजी में बहुत प्रगति के बाद नई पीढ़ी के साथ देश के भविष्य से जुड़ी ऐसी परीक्षाएं कंप्यूटर आधारित प्रश्न-पत्रों वाली कैट परीक्षा की तरह ही उच्च शिक्षा की प्रवेश परीक्षा और प्रादेशिक नौकरियों की भर्ती की परीक्षाएं क्यों न संचालित की जाएं? कंप्यूटर से तो हजारों प्रश्नों में से छात्रों को अलग-अलग प्रश्न मिलेंगे और न पेपर लीक की गुंजाइश होगी और न ही कोई नकल कर सकेगा। हां, कई नेताओं और अधिकारियों और उनसे जुड़े दलालों के धंधे ठप्प हो जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट और संसद में अब यह मुद्दा आ गया है तो 4 वर्ष पहले मोदी सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विस्तार करने के लिए उच्च स्तरीय समिति बनाकर राजनीतिक सहमति बनाने का प्रयास किया जाए।

संविधानवेत्ताओं ने शिक्षा के लिए मानदंड करते समय यह कल्पना नहीं की होगी कि राज्यों की स्वायत्तता के कारण संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था में भयानक खींचातानी, गड़बड़ियां और मनमानी होने लगेगी और राजनीति से शिक्षा के पवित्र स्थल बुरी तरह दूषित हो जाएंगे। बहरहाल, अब भी समय है महत्वपूर्ण बदलाव का। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम सभी एक ऐसे क्षण का हिस्सा बन रहे हैं जो हमारे देश के भविष्य निर्माण की नींव डाल रहा है।

ये ऐसा क्षण है जिसमें नए युग के निर्माण के बीज पड़े हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21वीं सदी के भारत को नई दिशा देने वाली है। 3 दशकों में दुनिया का हर क्षेत्र बदल गया। हर व्यवस्था बदल गई। इन 3 दशकों में हमारे जीवन का शायद ही कोई पक्ष हो जो पहले जैसा हो लेकिन वो मार्ग जिस पर चलते हुए समाज भविष्य की तरफ बढ़ता है, हमारी शिक्षा व्यवस्था, वो अब भी पुराने ढर्रे पर ही चल रही थी।

पुरानी शिक्षा व्यवस्था को बदलना उतना ही आवश्यक था जितना किसी खराब हुए ब्लैकबोर्ड को बदलना आवश्यक होता है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी नए भारत की, नई उम्मीदों की, नई आवश्यकताओं की पूर्ति का सशक्त माध्यम है। इसके पीछे 4-5 वर्षों की कड़ी मेहनत है। हर क्षेत्र, हर विधा, हर भाषा के लोगों ने इस पर दिन-रात काम किया है लेकिन ये काम अभी पूरा नहीं हुआ है, बल्कि अब तो काम की असली शुरूआत हुई है। अब हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति को उतने ही प्रभावी तरीके से लागू करना है।

नई शिक्षा नीति के प्रारूप में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने, एक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। अगले दशक में भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश होगा। इन युवाओं को उच्चतम गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर उपलब्ध करवाने पर ही भारत का भविष्य निर्भर करेगा।

यहां भारत द्वारा वर्ष 2015 में अपनाए गए सतत विकास एजेंडा 2030 के लक्ष्य में परिलक्षित वैश्विक शिक्षा विकास एजेंडा के अनुसार वर्ष 2030 तक सभी के लिए समावेशी और सामान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवनपर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा दिए जाने का लक्ष्य भी स्पष्ट किया गया है।

परिचय में ही इस बात की व्यापक चर्चा है कि ज्ञान के परिदृश्य में पूरा विश्व तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। बिग डाटा, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में हो रहे बहुत से वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के चलते नई शिक्षा व्यवस्था में प्रयास किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और घटते प्राकृतिक संसाधनों की वजह से हमें ऊर्जा, भोजन, पानी, स्वच्छता आदि की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रास्ते खोजने होंगे और इस कारण भी जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जलवायु विज्ञान और समाज विज्ञान के क्षेत्रों में नए कुशल कामगारों की जरूरत होगी इसलिए कौशल विकास पर नई शिक्षा व्यवस्था बल देती है। शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से युवा वर्ग की नए भारत के निर्माण में भागीदारी भी सुनिश्चित करती है।

नई शिक्षा नीति प्रतिस्पर्धा में विकसित हुए इंजीनियर, डॉक्टर, वकील एवं प्रबंधन आदि के क्षेत्रों के व्यवसायों से भिन्न अन्य महत्वपूर्ण व्यवसायों के लिए भी मार्ग प्रशस्त करती है। भारत विकसित देश बनने के साथ-साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है इसलिए ऐसे दौर में नई शिक्षा नीति, नई आवश्यकताओं, नई चुनौतियों और आकांक्षाओं के अनुरूप है इसलिए मोदी सरकार, नई संसद और आवश्यकता हो तो सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व निष्पक्ष न्यायाधीशों, शिक्षाविदों को मिलकर सुनहरे भविष्य के लिए शिक्षा का उज्ज्वल रास्ता बनाना चाहिए।

संदेहमुक्त चुनाव संवैधानिक अनिवार्यता

राजकुमार सिंह

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर विवाद थमते नहीं दिखते। दुनिया के बड़े अमीर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने अब इसे अंतरराष्ट्रीय बना दिया है। मस्क ने एक्स पर लिखा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए क्योंकि इनके इंसानों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई द्वारा हैक किए जा सकने का खतरा है। हालांकि, यह खतरा कम है लेकिन फिर भी बहुत बड़ा है।

दरअसल, अमेरिका में इसी साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं जिसमें वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुख्य मुकाबले के आसार हैं। मस्क ने यह टिप्पणी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट को रिट्वीट करते हुए लिखी। कैनेडी ने अपने पोस्ट में प्यूर्टो रिको के चुनाव में ईवीएम से जुड़ी धांधलियों के बारे में लिखा कि प्यूर्टो रिको के प्राइमरी इलेक्शन में ईवीएम से वोटिंग में कई अनियमितताएं सामने आईं। सौभाग्य से पेपर ट्रेल था इसलिए उन्हें पहचान कर वोटों की गिनती को सही किया गया।

सोचिए, जिन क्षेत्रों में पेपर ट्रेल नहीं हैं, वहां क्या होता होगा। कैनेडी की पोस्ट और उसे रिट्वीट करते हुए मस्क द्वारा लिखी गई पोस्ट का संदर्भ अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से है लेकिन भारत में भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। नरेंद्र मोदी सरकार के पूर्व आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मस्क की इस टिप्पणी 'ऐसा कोई डिजिटल डिवाइस नहीं बन सकता जो हैक या टैंपर न किया जा सके', को चुनौती देते हुए भारत की ईवीएम पर उन्हें ट्यूशन देने की बात तक कह दी। मस्क की जवाबी संक्षिप्त टिप्पणी आई कि कुछ भी हैक किया जा सकता है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मस्क की पोस्ट को रिट्वीट करते हुए टिप्पणी की कि भारत में ईवीएम ब्लैक बॉक्स की तरह है। किसी को भी इसकी जांच की अनुमति नहीं है।

एलन मस्क की टिप्पणी के बाद ईवीएम पर भारत में विवाद बढ़ने की आशंका इसलिए भी है क्योंकि 2009 से ही उनकी विश्वसनीयता पर विपक्ष सवाल उठाता रहा है। जो भी दल विपक्ष में रहता है, वह इस पर सवाल उठाता है। चुनाव प्रक्रिया को संदेह से भी परे रखने के लिए जरूरी है कि सुधार प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। वीवीपैट के शत-प्रतिशत मिलान से अगर संदेह का समाधान होता है तो उस दिशा में सोचा जाना चाहिए। चुनाव कोई टी-20 मैच नहीं, लोकतंत्र की प्राणवायु है। संदेह मुक्त, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना उनके परिणाम जल्द घोषित करने से कहीं ज्यादा

मोदी की पहली परीक्षा के बाद है असल चुनौती

अजीत मेंदोला

स्पीकर, डिप्टी स्पीकर को लेकर नहीं अड़चन

मोदी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती महंगाई और बेरोजगारी पर नियंत्रण पाने की है। आम चुनाव 2024 में प्रमुख कारण महंगाई और बेरोजगारी भी सामने आया। हालांकि, किसान वर्ग को राजी करने के लिए कुछ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर शुरूआत कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी पारी की पहली परीक्षा में आसानी से पास हो जाएंगे। अभी तक के जो संकेत हैं कि लोकसभा स्पीकर का पद हो या डिप्टी स्पीकर का, विपक्ष बहुत अड़चन डालने की स्थिति में नहीं है। मोदी की पसंद से दोनों पदों पर आम सहमति से चुनाव हो जाएगा लेकिन असली परीक्षा इसके बाद होगी। सबसे मुख्य होगा आम बजट।

मोदी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती महंगाई और बेरोजगारी पर नियंत्रण पाने की है। आम चुनाव 2024 में प्रमुख कारण महंगाई और बेरोजगारी भी सामने आया। हालांकि, किसान वर्ग को राजी करने के लिए कुछ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर शुरूआत कर दी है।

आम बजट के बाद हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे 2 प्रमुख राज्यों के चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों में किसान बड़ा असरकारक वोटर है। इन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम सरकार और विपक्ष दोनों के लिए बहुत ही अहम हैं।

बीजेपी दोनों राज्य जीतती है तो गठबंधन को ताकत मिलेगी और विपक्ष की आक्रामक नीति कमजोर होगी। अगर किन्हीं कारणों से विपक्ष जीता तो फिर सरकार पर दबाव बढ़ जाएगा। हरियाणा में बीजेपी 10 साल से शासन में है। लोकसभा चुनाव से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनोहर लाल को बदल नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना चौंकाया था।

पीएम मोदी ने ऐसा कर हरियाणा सरकार के खिलाफ बनी एंटी इंकनवेंसी को नियंत्रण करने की कोशिश की थी लेकिन वहीं मनोहर लाल को केंद्र में मंत्री बना उनका कद भी बढ़ाया जिसका सीधा असर हरियाणा की राजनीति में पड़ना तय है क्योंकि भाजपा हरियाणा में अपने पुराने पेटर्न पर ही चुनाव लड़ेगी, मतलब जाट बनाम अन्य। भाजपा को यही सूट भी करता है।

हालांकि, भाजपा अपनी तरफ से जाट वोटर्स को रिझाने के लिए बजट में किसानों को पैकेज देने की घोषणा कर सकती है।

उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार भी किया जा सकता है। साथ ही, ऐसे नेताओं को पार्टी में लेने की कोशिश करेगी जो जाट समुदाय पर असर डालते हों। किरण चौधरी जैसे नेता से शुरूआत हो गई है। किरण अपनी बेटी श्रुति के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गई। 2-4-5 सीटों पर भी किरण ने असर डाला तो बीजेपी को लाभ होगा।

इसी तरह किसान नेता देवीलाल के बेटे रणजीत चौटाला भी अब भाजपा में हैं और हरियाणा सरकार में मंत्री हैं। आने वाले दिनों में और भी नेता बीजेपी का दामन पकड़ सकते हैं। बीजेपी के लिए हरियाणा इसलिए भी अहम हो जाता है कि दिल्ली से लगा हिन्दी बेल्ट वाला राज्य है। इसकी जीत का बड़ा संदेश जाएगा। कांग्रेस हिन्दी बेल्ट में बहुत कमजोर हो चुकी है।

एकमात्र हिमाचल प्रदेश ही कांग्रेस के पास है। प्रधानमंत्री मोदी भी समझते हैं कि हरियाणा अगर जीते तो कांग्रेस दबाव में आ जाएगी इसलिए मध्य प्रदेश की तर्ज पर भाजपा हरियाणा फिर से जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। कांग्रेस जैसे मध्य प्रदेश में अपनी जीत तय मानती थी, ठीक उसी तरह अभी से हरियाणा में जीत तय मान रही है। वहां पर कमलनाथ पर भरोसा किया था। यहां पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा पर ही पूरा भरोसा है। जो भी पार्टी जीतेगी, उसे मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा।

इसके बाद दूसरा अहम राज्य है महाराष्ट्र। महाराष्ट्र की स्थिति हरियाणा से एकदम अलग है। बीजेपी अभी वहां पर कमजोर दिखती है लेकिन जो राजनीतिक घटनाक्रम वहां पर चल रहा है, उससे वहां पर आने वाले दिनों में बहुत कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि, बीजेपी की मदद से एकनाथ शिंदे गठबंधन की सरकार चला रहे हैं लेकिन सरकार और गठबंधन को लेकर वहां पर खटपट की खबरें आ रही हैं।

ठीक उसी तरह जिस तरह कांग्रेस वाले महाविकास अगाड़ी वाले गठबंधन की। कांग्रेस वाला गठबंधन चुनाव तक बना रहेगा, इसको लेकर आशंका जताई जा रही है। सूत्रों की मानें तो बीजेपी की नजर कांग्रेस गठबंधन पर है।

उद्धव ठाकरे अगर किसी तरह से कांग्रेस गठबंधन से अलग होते हैं तो भाजपा उनको साधेगी। भाजपा के लिए महाराष्ट्र में वापसी का एकमात्र रास्ता यही है कि किसी तरह से ठाकरे कांग्रेस गठबंधन से अलग हो जाएं। समझा जा रहा है कि बजट सत्र के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों राज्यों को जीतने वाली असल परीक्षा में जुटेंगे।

भारत के प्राचीन इतिहास को लेकर फैलाई गई भ्रामक कहानियां...!!!

हिरेन वी. गजेरा

आज तक बताए गए हमारे झूठे इतिहास के कारण देश को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है और आज भी हो रहा है। इस झूठे मिथ्या इतिहास के कारण हम अपनी पहचान ही खो बैठे हैं। हम कौन है? कहां से आए हैं? यहां तक कैसे पहुंचे? एक देश तब राष्ट्र बनाता है, जब उसके भौगोलिक प्रदेश में रहने वाले लोग अपनी संस्कृति के धागे से एक-दूसरे से जुड़कर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाते हैं।

विश्व के किसी भी देश में उनके इतिहास के ऐसे पहलुओं को पूरी सजगता और सत्यता के साथ विस्तार से बताया जाता है जिससे उनके कारण हुई गलतियों से सबक लिया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी पुनरावृत्ति न हो। अपितु भारत इकलौता ऐसा देश है जहां एक वर्ग के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कारण बताकर इतिहास को तोड़-मरोड़ कर बताया जाता है।

यह न सिर्फ विकृत मानसिकता दिखाना है, बल्कि यह हमारे भविष्य के लिए भी हानिकारक है। आज तक बताए गए हमारे झूठे इतिहास के कारण देश को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है और आज भी हो रहा है। इस झूठे मिथ्या इतिहास के कारण हम अपनी पहचान ही खो बैठे हैं।

हम कौन है? कहां से आए हैं? यहां तक कैसे पहुंचे? इन प्रश्नों का उत्तर हमारा इतिहास होता है जिससे हमारी पहचान बनती है। एक देश तब राष्ट्र बनाता है, जब उसके भौगोलिक प्रदेश में रहने वाले लोग अपनी संस्कृति के धागे से एक-दूसरे से जुड़कर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाते हैं।

डॉ. बाबा साहेब के अनुसार राष्ट्र निर्माण के लिए लोगों में भूतकाल का साझा आंकलन और भविष्य का समान चित्र होना आवश्यक है। हमें पता है कि भूतकाल का आंकलन इतिहास के माध्यम से किया जाता है। यदि अभी भी इसी तरह गलत इतिहास ही पढ़ाया जाता रहा तो भूतकाल का साझा आंकलन तैयार नहीं होगा।

आर्यों का आक्रमण एक मिथ्या सिद्धांत था जिसे हमारा इतिहास कहकर हम पर थोपा गया और इसके कारण देश में आर्य विरुद्ध द्रविड़, उच्चवर्णीय विरुद्ध स्थानीय, उत्तर विरुद्ध दक्षिण, संस्कृत-हिन्दी विरुद्ध तमिल, ऐसे अनेक बेबुनियाद और बेवजह विवादों का जन्म हुआ। धर्म, जाति, संप्रदायों की विविधता में ओर अधिक फूट पड़ने के रास्ते खुल गए।

भारत का इतिहास हड़प्पा संस्कृति, आर्यों के आक्रमण, गौतम बुद्ध, सम्राट अशोक, मुगल साम्राज्य, अकबर, अंग्रेज, गांधी-नेहरू तक सीमित रखा गया जिसके कारण हिंदू संस्कृति की देदीप्यमान परंपरा पूरी तरह से नजरंदाज हो गई। इस संस्कृति में गणित, विज्ञान, दर्शन शास्त्र, साहित्य, संगीत, कला, भाषा विज्ञान, स्थापत्य कला आदि क्षेत्रों के उच्चतम शिखरों को भी पौराणिक कहानियां-किस्से कहकर नकारा गया।

मैकाले की शिक्षण पद्धति के कारण 'देसी अंग्रेजी' बने हमारे ही लोगों ने इस विचार को अपनाने में अपनी आधुनिकता समझी। ज्ञान और समृद्धि से संपन्न भारत पर सदियों तक आधिपत्य जमाने के लिए अंग्रेजों ने एक रणनीति तैयार करने के लिए ब्रिटिश राज्यकर्ताओं और शासकों के बीच 2 फरवरी, 1835 को चर्चा हुई।

इस चर्चा में शामिल थॉमस मैकाले ने एक योजना को प्रस्तुत करते हुए कहा था कि हमें ऐसे वर्ग के निर्माण का प्रयास करना चाहिए जो हमारे और जिन लाखों लोगों पर हम राज करना चाहते हैं, उनके बीच दुभाषिए का काम करेंगे। ऐसे लोगों का वर्ग, जिन का खून और रंग तो भारतीय होगा लेकिन झुकाव, विचार, नैतिकता और बुद्धि अंग्रेजी होगी।

मैकाले की योजना के अनुसार बने नए मैकाले पुत्रों में सबसे अग्रणी नाम आता है भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का। वे आचार-विचार और शिक्षा से पूरी तरह मैकाले द्वारा देखे गए सपनों के 'देसी अंग्रेजी' थे। यही कारण है कि उनके आसपास इसी पृष्ठभूमि और अंग्रेजी विचारों का अंधानुकरण करने वाले और भारतीय संस्कृति, खासकर हिंदू परंपराओं का उपहास करने वाले, उसके प्रति हीन भावना रखने वाले शासक वर्ग का जमावड़ा था।

भाषा, पहचान, जीवनशैली, विचारों आदि हर पहलू से इस वर्ग का भारत की मिट्टी से कोई भी नाता नहीं था। इनके वारिस आज हमारे आसपास बड़ी संख्या में देखने को मिल रहे हैं।

जैसे नेहरू पर अंग्रेजों का अधिक प्रभाव था, उसी तरह उन पर सोवियत रूस और कम्युनिस्ट विचारधाराओं का भी प्रभाव उतना ही अधिक था।

उनके शब्दकोश में कम्युनिस्ट और पुरोगामी तथा धर्मनिरपेक्ष यह समानार्थी शब्द थे जिसके कारण आगे चलकर इंदिरा गांधी के समय में इतिहास, साहित्य, संस्कृति, शिक्षा और प्रसार माध्यम यह सभी क्षेत्र साम्यवादियों या कम्युनिस्टों के अधिकार में दे दिए गए।

भारत पर शासन करने वाला प्रमुख अंग नौकरशाही, जो अंग्रेजों के उत्तराधिकारी के रूप में प्रशिक्षित था। भारत के हर क्षेत्र पर अधिकार जमाने वाले इन नौकरशाहों और कम्युनिस्टों की जोड़ी जिसे हम वर्तमान में लुटीयंस लॉबी, वामपंथी या खान मार्केट गैंग के नाम से जानते है।

यही गैंग भारत के तत्कालीन शासक वर्ग की परिचायक बनी हुई है। भारत के इतिहास की पाठ्यपुस्तकों के लेखन के सर्वाधिकार जिन वामपंथी इतिहासकारों के पास थे, उनके द्वारा हमारे इतिहास का विकृत चित्रण करते हुए हिंदू धर्म, संस्कृति, ऐतिहासिक घटना और व्यक्तित्वों को इतिहास से मिटा देने की भरसक कोशिश की गई लेकिन वो भूल गए कि इतिहास की एक खूबी है। वो किसी न किसी दिन सामने आता ही है।

भारत के प्राचीन इतिहास को बुद्ध और सम्राट अशोक, मध्य युग के इतिहास में मुगल साम्राज्य तक सीमित मानकर चंद्रगुप्त, स्कंदगुप्त, विक्रमादित्य, ललितादित्य, राजा चोला, खारवेल, शशांक, हर्षवर्धन, भोज कृष्णदेव राय यादव जैसे सभी सम्राटों का उल्लेख न करके उन्हें नजरंदाज करा दिया गया।

आक्रांता मुगल बादशाहों पर इतिहास में कई अध्याय खर्च किए, वहीं शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप को गिनी-चुनी पंक्तियों में ही समेट दिया गया। शिवाजी महाराज का जब नेहरू ने 'मिसगाइडेड पैट्रियट' के रूप में वर्णन किया तो उनकी भावनाएं और उनके आस-पास के जमावड़े का इतिहास की ओर दृष्टिकोण आसानी से समझा जा सकता है।

मुगल आक्रमणकारियों से कड़ा संघर्ष करने वाले बप्पा रावल, राणा हम्मीर सिंह, महाराणा कुंभ, रामप्यारी गुर्जर जैसे वीर और वीरांगनाओं का इतिहास हमें कभी पढ़ाया ही नहीं गया। यही कारण रहा कि 'हम हमेशा मार ही खाते रहे' की धारणा को बल मिला।

सर्वसमावेशकता, वैचारिक स्वतंत्रता, पर्यावरण पर केंद्रित विकास, लोकतंत्र और वैज्ञानिक प्रगति को आधुनिक मानव सभ्यता ने आवश्यक मूल्य माना है। पाश्चात्य देशों का यह दावा है कि यह मूल्य उन्होंने निर्माण किए और पूरे विश्व को इसका पाठ पढ़ाया और सभ्य बनाया। उनका यह दावा हमने बगैर किसी तर्क के स्वीकार कर लिया। इतना ही नहीं, हमारे अपने मैकाले पुत्रों ने अधिक उत्साह में पाश्चात्य देशों से अधिक इस दावे का अनुमोदन किया।

इस मान्यता को इतना अधिक बल और समर्थता मिली कि आपको हर एक बात के लिए पाश्चात्य देशों की ओर स्वीकृति के लिए देखने की आदत-सी पड़ गई है। आप पाश्चात्य देशों का अनुसरण करने में ही अपनी धन्यता मान लेते हैं। इसका मुख्य कारण आधुनिकता, प्रगति, विकास, सभ्यता, संस्कृति जैसे विषयों पर पाश्चात्य विचारधारा के आधार की आवशकता को दी गई स्वीकृति है।

उपनिवेशवाद के पंजों से हम मुक्त तो हो चुके हैं लेकिन हमारे विचारों पर अभी भी उपनिवेशवाद की जंजीरें कसी हुई हैं। इसका प्रमुख कारण है अपनी पहचान बताने वाले इतिहास को भूल जाने का आग्रह करने वाली व्यवस्था। दरअसल, सर्वसमावेशकता, वैचारिक स्वतंत्रता, पर्यावरण पर केंद्रित विकास, लोकतंत्र और वैज्ञानिक प्रगति यह मूल्य अंगीकृत करने के लिए पाश्चात्य देशों के साथ जब पूरा विश्व प्रयत्नशील था, तब भारत की संस्कृति में यह मूल्य हजारों वर्षों से समाविष्ट थे।

वसुधैव कुटुंबकम, आनो भद्रा क्रतवो यंतु विश्वतः (अर्थात अच्छे विचार सभी दिशाओं से हमारी तरफ आए), एकं सत् विप्रा बहुधा वदंति (अर्थात सत्य एक है जिसका अर्थ विद्वान लोग अलग-अलग प्रकार से कराते हैं), यह सुभाषित यही दर्शाते हैं कि सर्वसमावेशकता ही भारतीय का परिचय बन चुकी है लेकिन न तो हमने इसे समझने की कोशिश की, न ही दुनिया को समझाने की कोशिश की।

इसी कारण सर्वसमावेशकता के विषय में पाश्चात्य देशों को हमें उपदेश देने की हिम्मत जुटाने में कोई मुश्किल नहीं होती। पाश्चात्य संस्कृति और दर्शन के अनुसार मनुष्य सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित है और ईश्वर ने उसके उपभोग के लिए संपूर्ण सृष्टि की संरचना की है। इसी मान्यता के कारण पाश्चात्य देशों ने आज तक बेझिझक प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करते हुए अपनी भौतिक प्रगति टिकाए रखी है।

इसके विपरीत भारतीय संस्कृति मनुष्य को इस सृष्टि का एक घटक मानती है और हमारी संस्कृति में मनुष्य द्वारा पूरी सृष्टि के साथ संतुलन बनाकर जीवन यापन करने की अपेक्षा की जाती है इसीलिए गाय, हाथी, गरुड़, शेर, चूहा, मोर आदि प्राणियों और पक्षियों को देवी-देवताओं से संलग्न करना हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है इसलिए तो हमारी आध्यात्मिक संस्कृति में सूर्य देवता के साथ तुलसी, बरगद, आसोपालव, पीपल जैसे वृक्ष, गंगा-यमुना-तापी जैसी अनेक नदियों, भूमि और पहाड़ों को भी देवतातुल्य समझकर उसकी पूजा की जाती है। आधुनिकता के आडंबर के नीचे हम प्रकृति पूजा को संस्कृति का एक पुराना पिछड़ा हुआ और त्यज्य हिस्सा समझकर उसमें पुरुष प्रधानता जैसे चीजों को ढूंढने लगते हैं।

हमारी धरोहर जो पर्यावरण पर केंद्रित है, उस पर अभिमान किया जाए और दुनिया के सामने उसकी महत्ता बताई जाए। हमें अपनी परंपराओं की सही व्याख्या करते हुए उसे पिछड़ेपन का प्रतीक मनाने वाली धारणा को बदलना होगा और इसके लिए हमें पहले अपनी परंपराओं, अपने इतिहास पर डाले गए पर्दों को दूर करने की आवश्यकता है...!!!

इंडिया न्यूज
RNI NO:DELHIN/2007/20278*

प्रकाशक, मुद्रक एवं कार्यकारी निदेशक **राकेश शर्मा** द्वारा मै. गुडमॉर्निंग इंडिया मीडिया प्रा. लिमिटेड के लिए खसरा नं. 39, ग्राम–बसई ब्राहुद्दीन नगर, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (यूपी)–201301 से मुद्रित कराकर 276 कैप्टन गौड़ मार्ग, श्रीनिवासपुरी, नई दिल्ली–65 से प्रकाशित। **संपादक : राणा यशवंत।**
*** पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी**

पढ़ाई के नाम पर फ्रॉड! कनाडा में छात्र को मिला 2 कमरों का कॉलेज

कंसलटेंसी एजेंसी के खिलाफ लाखों की धोखाधड़ी के आरोप, श्रीगंगानगर में छात्रों ने रास्ता जाम कर कियाा प्रदर्शन

इंडिया न्यूज

श्रीगंगानगर। जिले में छात्रों ने कंसलटेंसी एजेंसी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जोरदार नारेबाजी की। छात्रों का आरोप है कि श्रीगंगानगर निवासी एक छात्र को कनाडा भेजने के बाद पता चला कि जिस कॉलेज में उसका दाखिला किया गया है, वह महज दो कमरों का है। इस पर छात्रों ने फीस वापस करने की मांग रखी। आक्रोशित छात्रों ने रास्ता जाम कर प्रदर्शन किया। कनाडा गए छात्र सचिन लाहोटी के भाई सौरभ लाहोटी ने बताया कि उसके भाई को कनाडा भेजने के लिए श्रीगंगानगर के एक कंसलटेंसी एजेंसी के माध्यम से फाइल लगाई गई थी। मार्च में उसके भाई का वीजा लगवा कर उसे कनाडा भेज दिया गया। सौरभ लाहोटी ने बताया कि कंसलटेंसी के संचालको ने कनाडा में अच्छे कॉलेज में एडमिशन दिलवाने और एक साल बाद वर्क परमिट मिलने की बात कही थी। उन्होंने इसकी एवज में 16 लाख 70 हजार रुपए की फीस ली। मार्च में जब उसका भाई कनाडा पहुंचा तो उसे पता चला कि जिस कॉलेज में उसे दाखिला मिला वो महज दो कमरों का था। उसे वहां जाकर पता चला कि उस कॉलेज की फीस भी मात्र दो लाख के करीब है। कॉलेज में पढ़ाई के बाद उसे जल्द वर्क परमिट मिलने की उम्मीद भी नहीं है। छात्र ने कंसलटेंसी एजेंसी को फोन किया, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। सौरभ लाहोटी का आरोप है कि जब वे लोग सेंटर पर पहुंचे तो संचालकों ने पहले तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया और बाद में उसके भाई को कनाडा से डिपोर्ट करवाने की धमकी दी। इस बात से आक्रोशित होकर बड़ी संख्या में छात्र एकत्रित हो गए और उन्होंने कंसलटेंसी के सामने जोरदार नारेबाजी की और रास्ता जाम कर दिया। इस संबंध में कोतवाली थाना में परिवाद भी दिया गया है। उधर, कंसलटेंसी की पार्टनर श्रुति सिडाना ने बताया कि छात्र के साथ कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है। जब सचिन लाहोटी श्रीगंगानगर से कनाडा गया तो बाकायदा उसे सारी जानकारी के पेपर देकर रवाना किया गया था और जाते समय सेंटर पर सेलिब्रेशन भी किया गया था। वहां जाने के बाद वह अब हमसे हमारी बचत के रुपए मांगने के लिए इस तरह के काम कर रहा है। छात्र के परिजनों से उसकी कभी बात नहीं हुई, लेकिन कनाडा जाने के 3 महीनों के बाद अब कुछ दिनों से छात्र सचिन के व्हाट्सप्प पर रुपए वापस लेने के लिए ऑडियो मैसेज आ रहे हैं।

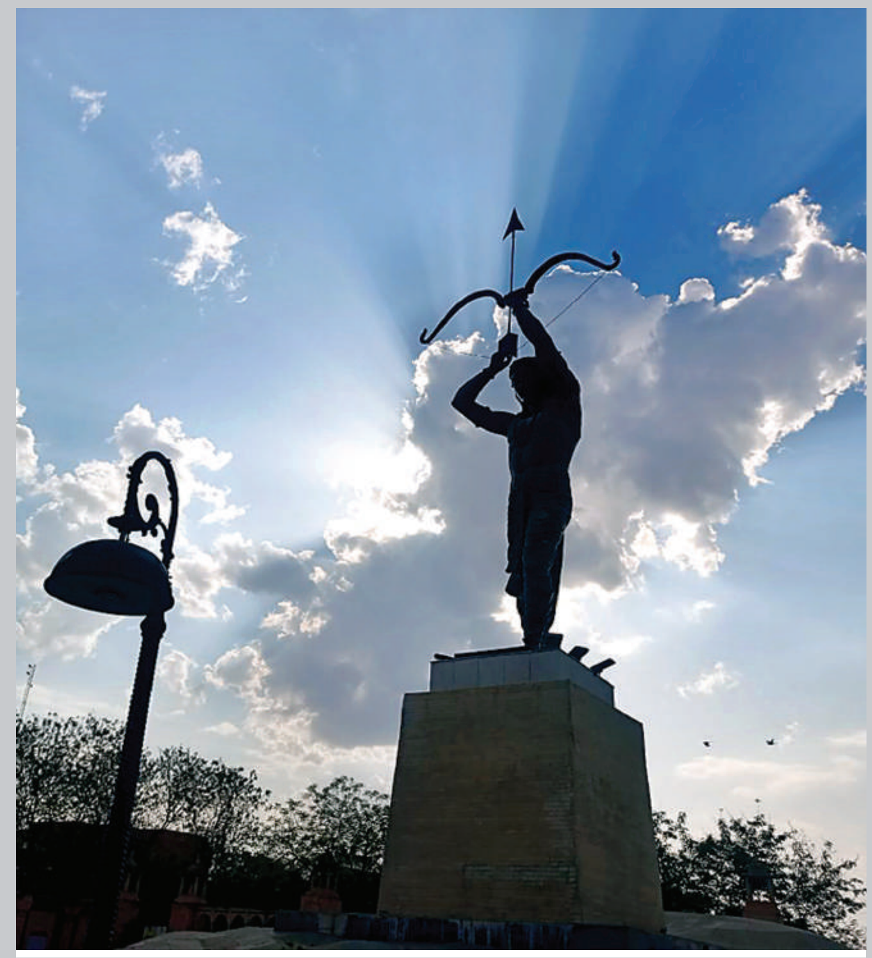

जयपुर में शनिवार को धूप में तेजी रही लेकिन बादलों की लुका छुपी भी दिखी।

ऊंट की तस्करी करने वाले हरियाणा के 4 तस्कर गिरफ्तार

पिकअप में बर्बर तरीके से भर रखे 3 ऊंट मुक्त कराए

इंडिया न्यूज

जयपुर। दौसा की बांदीकुई थाना पुलिस ने ऊंट की तस्करी करने के मामले में हरियाणा के चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों से बरामद पिकअप में कर तीन ऊंटों को मुक्त कराया है। एसपी रंजीता शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि किरतपुरा-सावां नदी के नालों में एक हरियाणा नंबर की पिकअप में ऊंटों को भरा जा रहा है। इसपर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश अग्रवाल, पुलिस उप अधीक्षक रोहिताश लाल देवन्दा के निर्देशन में बांदीकुई थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक की टीम का गठन किया गया। पुलिस दल ने मौके पर दबिश दे करके चार तस्करों को दबोच कर पिकअप से तीन ऊँटो को मुक्त कराया। एसपी शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों को खिलाफ राजस्थान ऊंट वध का प्रतिशेध और अस्थाई प्रवजन या निर्यात का विनियमनद्ध अधिनियम 2015 की धारा 6-8 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार तस्कर मोहम्मद शफीक मेव, मुबीन खान मेव, मोहम्मद ईकलास मेव और राजूदीन मेव हरियाणा के फिरोजपुर थाना इलाके के निवासी

अंतरराज्यीय पारदी गैंग के 3 बदमाश गिरफ्तार, चोरी के जेवरात और लग्जरी कार बरामद

जयपुर। झालावाड़ की मनोहरथाना पुलिस ने शनिवार को अंतरराज्यीय पारदी गिरोह तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर चोरी, नकबजनी और लूट की एक दर्जन वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों से चोरी के जेवरात और लग्जरी कार भी बरामद की है। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि पुलिस की 6 अलग-अलग दलों में शामिल पुलिस के 50 अधिकारी और जवानों ने दो सप्ताह तक गिरोह के बारे में जानकारी जुटाने और उनके ठिकानों पर लगातार दबिश देने के बाद पारदी गैंग का खुलासा करने में सफलता पाई है। गिरफ्तार आरोपी खानपुर निवासी मुकेश कुमार नायक, छबड़ा निवासी अनिल नायक और जितेंद्र उर्फ जीतू बांरा के आकाश नगर का निवासी है। एसपी तोमर ने बताया कि 13 जून को मनोहरथाना निवासी बनवारी लाल महाजन ने रिपोर्ट दी कि वह जेवर गिरवी रख किसानों को पैसे उधारी पर देता है। इन जेवरों को उसने मकान के नीचे कमरे में अलमारी के लॉकर में रखा था। रात को बदमाश खिड़की की ग्रिल तोड़कर 50 किलो चांदी के जेवर चुरा ले गये। इस पर पुलिस दलों ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में मिले फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई। बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा, पुलिस उप अधीक्षक जरनेल सिंह के निर्देशन में मनोहर थानाधिकारी अमरनाथ योगी के नेतृत्व में पुलिस के 6 दलों का गठन किया गया। इसमें भालता व कामखेड़ा के थानाधिकारियों सहित साइबर सेल व डीएसटी को भी शामिल किया गया। पुलिस दलों ने 300 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल करके बदमाशों को चिह्नित किया। इसके बाद छबड़ा व बनेठ में आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दे करके तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाशों से चोरी किए गए माल में से दो चांदी की कड़ियां व एक चांदी का कड़ा और घटना में प्रयुक्त कार बरामद कर ली गई है। चोरी के अन्य माल के लिए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

100 छात्रों को संस्कृत के विद्वान करेंगे प्रशिक्षित

जयपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली की ओर से संचालित अष्टादशीयोजना के माध्यम से अखिल भारतीय स्तर पर छात्रों का चयन कर उन्हें नामचीन विद्वानों की ओर से प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। देश के 15 राज्यों के अनेक विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के 100 छात्रों को इस योजना का लाभ मिला है। दरअसल, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की नोडल एजेंसी के रूप में भी कार्य करता है। शिक्षा मंत्रालय की पहल पर संस्कृत के विकास के लिए महत्वपूर्ण अष्टादशी योजना शुरू की गयी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेडी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरे भारत के 100 छात्रों का चयन किया गया है, जिसमें 40 छात्रों को व्याकरण शास्त्र का प्रशिक्षण जयपुर में दिया गया। इसी प्रकार 30 छात्रों को अद्वैत वेदांत का प्रशिक्षण कर्नाटक के श्रृंगेरी परिसर में तथा 30 छात्रों को न्याय शास्त्र का प्रशिक्षण उत्तराखंड के देवप्रयाग परिसर में दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विभिन्न शास्त्र विधाओं के युवा शास्त्रीय विद्वान तैयार करना है।

खबरनामा

प्रतापगढ़ में लुटेरी दुल्हन और उसकी मां सहित 3 गिरफ्तार

जयपुर। प्रतापगढ़ थाना पुलिस ने शादी के बाद जेवारात और नकदी बटौर कर ले जाने वाले गिरोह का पदार्फाश कर लुटेरी दुल्हन और दुल्हन की मां सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों को तलाश रही है। एसपी लक्ष्मण दास ने बताया कि शादी के नाम पर लूट के मामले में 27 मई को तेलियों की गली निवासी सुमित राठौर रिपोर्ट दर्ह कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार परिवादी की भोपाल निवासी नेहा शर्मा के साथ इंदौर की एक संस्था में हुई थी। उसके बाद नेहा की मां सीमा उर्फ मीना व उसके अंकल भैयालाल उर्फ जालम सिंह ने मिलकर सुमित से 1 लाख 20 हजार रुपए भी हड़प लिए। शादी के बाद नेहा प्रतापगढ़ आई और 3-4 दिन उसके साथ रही। पुलिस के अनुसार 4 अप्रैल को सिर दर्द का बहना बना करके नेहा अपनी ननद के साथ अस्पताल जाने की बात कह करके घर से निकली थी। नेहा ने शादी के दौरान दिए गए सभी गहने भी पहन रखे थे। नई आबादी में डाक्टर को दिखाने के बाद आरोपिया अपनी ननद के साथ ब्यूटी पार्लर चली गई। इस दौरान मौका देख करके नेहा फरार हो गई। इसपर प्रतापगढ़ थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। एसपी ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनवारी लाल मीणा, पुलिस उप अधीक्षक हेरम्ब जोशी के निर्देशन में प्रतापगढ़ थानाधिकारी तेज करण सिंह चारण की टीम का गठन किया। पुलिस दल ने मुखबिरों से मिली जानकारी और तकनीकी सहायता भोपाल निवासी नेहा, उसकी मां सीमा और अंकल भैयालाल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पीड़ित सुमित से लुटेरी दुल्हन की मां के इलाज के नाम पर 1 लाख 20 हजार रुपए की ठगी करना भी कबूल कर लिया।

विधायक कल्पना देवी ने पूछी भवानीसिंह की कुशलक्षेम

कोटा। लाडपुरा विधायक कल्पना देवी शनिवार को पूर्व विधायक भवानीसिंह राजावत की कुशलक्षेम पूछने उनके वल्लभबाड़ी स्थित निवास पहुंची। खुद को अस्वस्थ महसूस करने पर पूर्व विधायक राजावत ने 9 जून की रात्रि को मेडीकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल न्यूरोसर्जन डॉ.विजय सरदाना को दिखाया तो उन्होंने कोटा हार्ट अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी। कोटा हार्ट अस्पताल में एक हफ्ते इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। राजावत को बाएं शरीर में पैरेलिसिस का अटैक आया था परन्तु अब उनकी स्थिति सामान्य है।

राज्यपाल ने दीक्षित के निधन पर जताया शोक

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मिश्र ने कहा कि आचार्य दीक्षित भारतीय ज्ञान, कर्मकांड और अध्यात्म परंपरा से जुड़े प्रकांड पंडित थे। उनका गोलोक गमन अध्यात्म की हमारी सनातन संस्कृति की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

मंदिरों में चोरियां करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

इंडिया न्यूज

जयपुर। चूरू की सरदारशहर थाना पुलिस ने शनिवार को मंदिरों में लगातार हो रही चोरियों की वारदात का खुलासा कर शातिर बदमाश राजकुमार माली और अरुण सोनी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दोनों बदमाशों ने 8 मंदिरों में चोरी करना कबूल किया है। पुलिस को इनसे चोरी की ओर भी वारदातें खुलने की संभावना है। गिरफ्तार बदमाश राजकुमार दो माह पहले ही हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट करके जेल से बाहर आया था। एसपी जय यादव ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए ऑपरेशन शिकंजा अभियान जारी है।

इसके लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल, पुलिस उप अधीक्षक अनिल कुमार माहेश्वरी के निर्देशन में सरदारशहर थानाधिकारी अरविंद की टीम का गठन किया गया है। पुलिस दल ने शहर में लगातार हो रही मंदिरों में चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए टेक्नोलॉजी एवं वैज्ञानिक विधि से चोरी की घटनाओं की छानबीन शुरू की। इस दौरान चिह्नित दो बदमाश राजकुमार और अरूण को पुलिस दल ने लगातार 15 दिन तक पीछा कर शनिवार को दबोच लिया। पूछताछ में गिरफ्तार बदमाशों ने गिनाणी बास में दो मंदिरों, कल्याणपुराए देगा, दुलरासकर, भोजरासर, हरपालसर के मंदिरों के साथ थाना रतनगढ़, भालेरी, तारानगर के ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों में छत्र चोरी करना स्वीकार किया है। एसपी यादव ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों के विरुद्ध अलग-अलग थानों में चोरी, नकबजनी, हत्या सहित विभिन्न धाराओं में आठ मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी राजकुमार पूर्व में हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट करके दो माह पहले ही जेल से बाहर आया है। गिरफ्तार बदमाशों ने पुलिस को बताया कि अरूण मोटरसाइकिल से चिह्नित मंदिर में रेकी कर वारदात की योजना बनाता था। इसके बाद राजकुमार और अरूण वादात के लिए पैदल ही जाते थे। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश उस इलाके को छोड़ देते थे।

धारीवाल ने प्राधिकरण आयुक्त को लिखा पत्र, विकास कार्यों की देखरेख की मांग

कोटा। पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा में कांग्रेस शासन में कराए गए विकास कार्यों का रखरखाव नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए कोटा विकास प्राधिकरण आयुक्त को पत्र लिखा है। पत्र में धारीवाल ने लिखा है कि पिछली सरकार ने कोटा में कई विकास कार्य कराए थे, जिनकी उपेक्षा एवं लापरवाही के कारण इन महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को नुकसान हो रहा है और ये विश्व स्तरीय प्रोजेक्ट अपना वैभव को रहे हैं। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस सरकार के समय कोटा को विश्व पर्यटन नगरी बनाने हेतु कई विकास कार्य करवाए गए थे। इनमें चंबल रिवर फ्रंट, सिटी पार्क संपूर्ण शहर एवं चौराहे पर सौंदर्यकरण, अंडरपास, एलिवेट आदि काम मुख्य थे। धारीवाल ने लिखा कि चंबल रिवर फ्रंट, सिटी पार्क, लाइटिंग व चौराहा और अंडरपास तथा संपूर्ण शहर में लाइटिंग आदि का कार्यों का रख-रखाव नहीं हो रहा है। करोड़ों रुपए के विकास कार्य रख-रखाव के अभाव में टूट-फूट होकर अपना वैभव खोते जा रहे है। संपूर्ण शहर में आधी लाइटों का बंद रहना, चंबल माता की मूर्ति से जलधारा का बंद होना स्पष्ट रूप से अधिकारियों की शहर के प्रति उपेक्षा एवं लापरवाही को प्रकट करता है। उन्होंने कोटा विकास प्राधिकरण से रखरखाव पर ध्यान देने की मांग की है।

ऊंट दिवस पर मनाया गया गौरव दिवस, केंद्र व राज्य के वन मंत्री हुए शामिल

इंडिया न्यूज

अलवर। अंतरराष्ट्रीय ऊंट दिवस के अवसर पर जिले में शनिवार सुबह रेबारी राईका देवासी समाज की ओर से गौरव दिवस मनाया गया। इस आयोजन में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा शामिल हुए। समिति के सदस्य दिलीप ने बताया कि गौरव दिवस पर समाज के लोग एकत्रित होकर वीर रायका गौरव दिवस मना रहे हैं। शनिवार को रैली निकाली गई, जिसमें 15 ऊंट और 5 घोड़ियों सहित राईका और विभिन्न समाज के लोग शामिल हुए। दिलीप ने बताया कि यह रैली एसएमडी सर्किल से शुरू होकर नांगली सर्किल, बिजली घर चौराहा, भगत सिंह सर्किल, काशीराम सर्किल, होप सर्कस, पुलिस कंट्रोल रूम, बस स्टैंड, घोडाफेर सर्कल से होते हुए वापस स्वरूप विलास आएगी। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री ने कहा कि राईका समाज के कार्यक्रम में आकर समाज के उत्थान शिक्षा व अन्य विषयों पर भी चर्चा की। रेबारी समाज मेहनती समाज है, प्रकृति के नजदीक है। इस समाज की बड़ी अच्छी सांस्कृतिक परंपराएं हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं उनके साथ मिलकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करुंगा।

मुख्यमंत्री की पहल ला रही रंग, अधिकारी पहुंच रहे जनता के बीच

हनुमानगढ़ में रात्रि चौपाल में जनता को तत्काल मिल रही राहत

इंडिया न्यूज

हनुमानगढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जिले में कलेक्टर से लेकर तहसीलदार तक सप्ताह में दो बार रात्रि चौपाल में आमजन की परिवेदनाएं सुन रहे हैं। इससे ना केवल आमजन को राहत मिल रही है बल्कि जिला अधिकारियों के गांव में पहुंचने से विकास कार्यों को गति भी मिल रही है। जिला कलेक्टर कानाराम ने बीती रात भादरा के दूर दराज की ग्राम पंचायत झांसल में जिला अधिकारियों के साथ रात्रि चौपाल की। जिला कलेक्टर ने कहा कि रात्रि चौपाल में जो परिवाद प्राप्त हुए है, इन्हें जल्द ही निस्तारित करवाने का प्रयास किया जाएगा। इस मानसून में पौधारोपण का राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। कानाराम ने महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक अच्छे खेल मैदान को तैयार करने की प्रतिबद्धता जाहिर की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत सभी कृषकों को समय पर क्लेम मिले, इसलिए रबी 2024 के खराबे की रिपोर्ट मुख्यालय भेज दी गई है। पुरानी आपतियां भी निस्तारित करवा दी गई है, जिनका क्लेम जल्द ही खातों में मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कृषकों से आह्वान किया कि आगामी खरीफ फसल में जिस फसल की बुआई हो उसी फसल का बीमा करवाए, जिन किसान भाइयों को बीमा करवाना है, वह जुलाई माह में बीमा करवा सकते है। योजनाओं से किया आमजन को जागरूक रात्रि चौपाल में कृषि, शिक्षा, पीएचईडी, सिंचाई, आईसीडीएस, चिकित्सा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को बताया। ग्रामवासियों ने स्वच्छता तथा पेयजल की समस्याओं के संबंध में दिए परिवाद पर जिला कलेक्टर ने पीएचईडी एक्सईएन लाल बहादुर गोदारा को दूसरे दिन ग्रामीणों के साथ बैठक करने और मौका स्थिति का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। एक परिवादी ने सड़क तथा नहर के किनारे पेड़ों की कटाई होने के बाद पौधारोपण नहीं होने का परिवाद दिया, जिला कलेक्टर ने इसकी जांच करने के निर्देश दिए। परिवादियों ने आबादी भूमि का विस्तार करने, झांसल से बीरान तक सड़क का निर्माण करने, रूट पर रोडवेज की बसें चलाने तथा पानी निकासी के लिए सड़क के नीचे एक और मोगा बनवाने जैसे परिवाद दिए। ग्रामवासियों ने सिंचाई विभाग के ठेकेदार पर खाले के निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने तथा घटिया सामग्री इस्तेमाल करने के आरोप लगाए, जिस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए जिला कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी विभाग को गुणवत्ता जांच करने के निर्देश दिए।

जालौर में नए औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आवंटित, सीएम ने दी स्वीकृति

जयपुर। जालौर जिले की सायला तहसील के ग्राम मौजा उनडी में नवीन औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11(ए) के तहत 20.30 हैक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से स्थानीय क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (रीको) की ओर से किया जाएगा।

टाइटैनिक जितनी पुरानी है यह इलेक्ट्रिक कार, हो रही है नीलाम

अगर आप सोचते हैं कि इलेक्ट्रिक कारें ऑटोमोबाइल की दुनिया में सबसे नए आविष्कार हैं, तो एक बार फिर से सोचें। गहराई से सोचें। और फिर इस बेहद पुराने पूरी तरह से इलेक्ट्रिक 1913 (वेवर्ली मॉडल 93 ईवी) को देखें। जी हां, यह वास्तव में टाइटैनिक जितना ही पुराना है, लेकिन यह अभी तक डूबा नहीं है। इसके उलट, इसे अभी भी चलाया जा सकता है। और इस साल अगस्त में होने वाली नीलामी में एक मालिक के लिए तैयार है।

वेवर्ली मॉडल 93 ईवी उस समय की ओर इशारा करता है जब कारें अभी भी एक दुर्लभ नई चीज थीं। सिर्फ सबसे अमीर लोगों के लिए ही विकल्प थीं। इस कार पर एक नजर डालें, तो इसका विंटेज डिजाइन बयां करता है कि यहां एक इलेक्ट्रिक वाहन है जिसने सब कुछ देखा है और फिर भी समय की कसौटी पर खरा उतरा है।

वेवर्ली मॉडल 93 ईवी को अमेरिका में मेकम ऑक्शन्स नीलाम करने जा रही है। और जबकि इसकी नीलामी या अपेक्षित कीमतों का जिक्र नहीं किया गया है। लिस्टिंग में इस बात को बताया गया है कि ईवी को मूल रूप से वर्जीनिया की एक एन पीस रॉल्स द्वारा खरीदा गया था। और यह 2002 में खरीदे जाने से पहले लगभग 100 वर्षों तक उनके परिवार में रहा।

हालांकि दूसरी बार खरीदे जाने के दौरान भी यह ड्राइविंग की स्थिति में है। यह मॉडल 93 आखिरकार - और धीरे-धीरे - एक ऑनबोर्ड बैटरी चार्जर से लैस हो गया। जो इसे 120 वोल्ट के आउटलेट में प्लग करने की अनुमति देता है। नीलामी लिस्टिंग के अनुसार, कई इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल प्रणालियों को भी या तो बदला गया या उन्हें बहाल कर दिया गया। यह मॉडल 93 अभी भी 130 किमी से 160 किमी तक की दूरी तय कर सकता है।

क्या हैं खूबियां

नीलामी लिस्टिंग में इस बात को बताया गया है कि मॉडल 93 को ओरिजिनल टाइटल और ओनर्स के मैनुअल के साथ पेश किया जाएगा। ईवी अपने पुराने जमाने के आकर्षण को बरकरार रखता है। और इसमें एक कैरिज जैसी बॉडी मिलती है जिसमें इलेक्ट्रिक हेड लाइट, पीछे का ट्रंक, फ्रंक (सामने का ट्रंक), रिमूवेबल टॉप (हटाने योग्य शीर्ष) और लीफ-स्प्रिंग सस्पेंशन सेट अप मिलता है।वाहन के इंटीरियर की बात करें तो, मॉडल 93 दो सीटों वाले सोफे जैसा सेट अप, रिट्रेक्टेबल साइड विंडो और एक इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है।

कितनी सुरक्षित होती है पैनोरमिक सनरुफ वाली कार

भारतीय कार बाजार में नई-नई तकनीक तेजी से अपना दायरा बढ़ा रही है। वाहन कंपनियां वाहनों में सुरक्षा के लिए बेहतर फीचर्स देने पर जोर दे रही हैं। इसके साथ ही वाहनों में सुविधाएं को बढ़ाने का भी काम जारी है। इसमें पैनोरमिक सनरुफ एक कमाल का फीचर है। बीते कुछ सालों में पैनोरमिक सनरुफ की सुविधा बहुत तेजी से बढ़ी है। ऐसे में इस फीचर का जितना फायदा है, उतना ही नुकसान भी है। हालांकि, पैनोरमिक सनरुफ फीचर अभी भी पूरी तरह से काम का फीचर नहीं है।

पैनोरमिक सनरुफ सुविधा से कितना फायदा?

दरअसल देश के अधिकतर क्षेत्रों में धूल और धूप देखने को मिलती है। इस वजह से पैनोरमिक सनरुफ की सुविधा का पूरी तरह से आनंद नहीं लिया जा सकता है। फिलहाल देश में गर्मी का सितम जारी है। ऐसे में लू की गर्म थपेड़ों और जलाने वाली धूप की वजह से ज्यादातर लोग गाड़ी की खिड़की भी बंद रखते हैं। ऐसे में पैनोरमिक सनरुफ को खोलना मुसीबत लेने जैसा होगा। वहीं, अगर सर्दी के मौसम में पैनोरमिक सनरुफ की सुविधा का लाभ उठाने की सोच रहे हैं तो भी यह संभव नहीं है। दरअसल, सर्दी के दौरान धुंध की बड़ी परेशानी होती है। ऐसे में पैनोरमिक सनरुफ गाड़ी में और सर्दी बढ़ा सकती है, इसलिए सर्दी के सीजन में भी इसका इस्तेमाल करना मुश्किल है।

पैनोरमिक सनरुफ वाली कार की सुरक्षा

अगर आप नहीं जानते हैं तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पैनोरमिक सनरुफ में एक नाजुक कांच की परत मिलती है। सनरुफ काफी कमजोर होता है और इसी वजह से सनरुफ के साथ जरा सा टकराव काफी नुकसान वाला साबित हो सकता है। अगर कभी तेज आंधी या खराब मौसम में सनरुफ के ऊपर कोई भारी चीज गिर जाए तो सनरुफ को नुकसान होगा। साथ ही कार के अंदर बैठे लोगों को भी हानि हो सकती है। इस तरह से पैनोरमिक सनरुफ बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है।

पैनोरमिक सनरुफ परेशानी का सबब

अगर आप सोच रहे हैं कि गर्मी के मौसम में पैनोरमिक सनरुफ वाली कार से पहाड़ों का सफर किया जाए और आनंद लिया जाए तो आप गलत हो सकते हैं। पहाड़ी रास्ता काफी मुश्किल होता है, अगर पैनोरमिक सनरुफ को खोलकर गाड़ी चलाई तो कभी भी ऊपर से कोई परेशानी आ सकती है। साथ ही पैनोरमिक सनरुफ को किसी तरह का नुकसान भी हो सकता है।

फैमिली पैक फीचर्स के साथ आती है ये कारें

अगर आपका परिवार बड़ा है और आप एक 7 सीटर वाकी नई कार की तलाश कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। हम यहां पर आपको फैमिली बजट कार के बारे में बता रहे हैं। इतना ही नहीं इन कारों की कीमत 12 लाख रुपये से कम है। इतना ही नहीं इनका माइलेज भी काफी अच्छा है।

ऑटो डेस्क, नई दिल्ली। आप अपनी फैमिली के साथ एक बेस्ट ट्रिप पर जाने का प्लान बना रहे हैं और इसके लिए बेहतर गाड़ी की तलाश कर रहे हैं, तो हम आपके लिए इसकी लिस्ट लेकर आए हैं। इन गाड़ियों में आप अपनी फैमिली के साथ एक यादगार सफर तय कर सकते हैं। ये कारें 7 सीटर के साथ ही अच्छी माइलेज भी देती है। वहीं, यह कारें 12 लाख रुपये से कम में आती है।

Renault Triber

हमारी इस लिस्ट में रेनो कंपनी की Triber शामिल है। रेनो कंपनी की यह कार 7 सीटर कार है, को बेहत अफोर्डेबल है। इसमें 1.0 का एनर्जी इंजन दिया गया है। जो 96Nm पर 3500 rpm टॉर्क जनरेट करती है। इस कार की माइलेज 18.2 kmp' है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 6 लाख से 8.98 लाख रुपये तक है।

Citroen C3 Aircross

हमारी इस लिस्ट में अगला नंबर Citroen C3 Aircross की है। जिसका जल्द ही धोनी एडिशन भी लॉन्च होने वाला है। इसमें 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन लगाया गया है, जो छह-स्पीड मैनुअल यूनिट के साथ आता है। यह कार पावर आउटपुट 109bhp और 190Nm का टॉर्क जनरेट करती है। इस कार की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये हैं। वहीं, यह

Kia Carens

किआ की यह कार 7 सीटर के साथ आती है, जो फैमिली के लिए काफी बेहतर हैं। इस कार की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 10.52 लाख रुपये है। इस कार में आपको 1.5-लीटर एनए पेट्रोल, 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन का ऑप्शन मिलेगा। कंपनी दावा और इसके लिए बेहतर गाड़ी की तलाश कर रहे हैं, तो हम आपके लिए इसकी लिस्ट लेकर आए हैं। करती है कि यह कार 16.3 से 17.5 'स्त्र' तक का माइलेज देती है।

Mahindra Bolero

हमारी लिस्ट में अगला नंबर महिंद्रा की बोलेरो है। इस कार की अधिकतर डिमांड रूलर एरिया में होती है। इस कार की शुरूआती इतना ही नहीं इनगाड़ी की तलाश कर रहे हैं, तो हम आपके लिए इसकी लिस्ट लेकर आए हैं। कारों की कीमत 12 लाख रुपये से कम है। इतना ही नहीं इनका माइलेज भी काफी अच्छा है।

एक्स-शोरूम कीमत 9.98 लाख रुपये हैं। इस कार में आपको 1.5-लीटर mHawk75 डीजल इंजन मिलेगा, जो 3,600rpm पर 75pm और 1,600-2,200 rpm के बीच 210ठे का टॉर्क जनरेट करती है। इस कार के माइलेज की

Maruti Ertiga

हमारी इस लिस्ट में आखिरी नंबर पर मारुति सुजुकि की 7 सीटर कार Ertiga है। इस कार की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 8.69 लाख रुपये है। इस कार में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 102 bhp और 136.8Nm टॉर्क ज नारे ट करता

TVS लाई Apache की इलेक्ट्रिक रेसिंग बाइक

E'ectric Apache RYTE TVS ने Apache की इलेक्ट्रिक बाइक को पेश किया है। जिसका नाम TVS Apache RYTE है। इस बाइक की टॉप स्पीड 200 किमी प्रति घंटा है। इसे चार्ज करने में 1 से 2 घंटे लगते हैं। बाइक सड़क पर बेहतर ग्रिप बनाकर चले इसके लिए इसमें पिरेली सुपर कोर्सा टायर लगाए गए हैं। आइए जानते हैं कि इस बाइक में कौन से फीचर्स दिए गए हैं।

ऑटो डेस्क, नई दिल्ली। बाइक और स्कूटर निमार्ता कंपनी ळश्र ने भारक में रेसिंग के लिए अपनी इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक पेश की है। इस बाइक का नाम Apache RYTE है। कंपनी ने इस बाइक को कुछ पार्टनर्स की मदद से तैयार किया है। यह एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक है, जो 200 किमी प्रति घंटे की स्पीड के ऊपर पहुंच सकती है। आइए जानते हैं कि इस बाइक को किन फीचर्स से लैस किया गया है।

TVS Apache RYTE के फीचर्स

इसमें लिक्विड कूल्ड मोटर और हाई एफिसिएंसी लिक्विड कूल्ड मोटर कंट्रोलर लगाया गया है।
इसमें हाई पावर सेल बैटरी लगाई गई है।
इसमें कार्बन फाइबर चेसिस का इस्तेमाल किया गया है, जो बैटरी केस भी है।
सिंगल रिडक्शन, मोटर स्पिंडल स्प्रोकेट और रोलर चेन के जरिए रियर व्हील से जुड़ा हुआ है।
इसमें 320 मिमी फ्रंट डिस्क और कैलीपर्स और मास्टर सिलेंडर दिए गए हैं।
इसके सीट को फुली कार्बन फाइबर यूनिट पर रखा गया है, जो बाइक के सबफ्रेम के तौर पर काम करता है।
बाइक सड़क पर बेहतर ग्रिप बनाकर चले, इसके लिए इसमें पिरेली सुपर कोर्सा टायर लगाए गए हैं।
हाइएस्ट पावर-टू-वेट रेशियो के बाइक सड़क पर बेहतर ग्रिप बनाकर चले इसके लिए इसमें पिरेली सुपर कोर्सा टायर लगाए गए हैं। आइए जानते हैं कि इस बाइक में कौन से फीचर्स दिए गए हैं।

कितना है TVS Apache RYTE का ड्राइविंग रेंज

TVS कंपनी की इस बाइक की ड्राइविंग रेंज की बात करें तो इसे एक बार फुल चार्ज होने के बाद करीब 50डे तक की रेंज देती है। इस बाइक को फुल चार्ज होने में 1 से 2 घंटे का समय लगता है। कंपनी दावा करती है कि उनकी यह बाइक महज 1 मिनट 48 सेकेंड में तेज स्पीड पकड़ लेती है।

कब लॉन्च होगी यह बाइक

कंपनी की तरफ से इस इलेक्ट्रिक बाइक को बाजार में लॉन्च करनी की कोई योजना नहीं बनाई है। कहा जा रहा है कि जब कंपनी ऐसा करेगी तो इसे भारतीय बाजार में ला सकती है। इस रेस बाइक से उन्हें सीखने के लिए काफी कुछ मिल सकता है, जो उन्हें आगे चलकर इलेक्ट्रिक बाइक को बनाने में मदद कर सकता है। आपको बता दें कि अभी भारतीय मार्केट में ळश्र की सिर्फ आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर ही

युवाओं में बढ़ते किडनी कैंसर को लेकर बड़ा खुलासा

बढ़ते धूम्रपान की आदत, मोटापा और उच्च रक्तचाप की समस्या से युवा किडनी कैंसर का शिकार हो रहे हैं। वहीं मेट्रो शहरों में बढ़ते प्रदूषण के कारण यह समस्या और विकराल हो गई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि 10 साल पहले तक दिल्ली के अस्पतालों में आने वाले 90 फीसदी से अधिक मरीज 60 साल से ऊपर की आयु के होते थे। समय के साथ लोगों की जीवनशैली खराब हुई।

इस सभी कारकों के कारण अब अस्पताल में आ रहे 40 फीसदी से अधिक मरीज 40 से 50 साल के हैं, जबकि 10 साल पहले यह आंकड़ा 10 फीसदी से भी कम था।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. हेमंत कुमार गोयल ने बताया कि 10 साल पहले तक 90 फीसदी मरीज 60 साल से अधिक आयु के होते थे,लेकिन मौजूदा समय में 60 साल से अधिक आयु के मरीजों की संख्या घटकर 60 फीसदी तक रह गई है। करीब 40 फीसदी मरीज 40 से 50 साल की आयु में आ रहे हैं। इनमें से अधिकतर मरीज

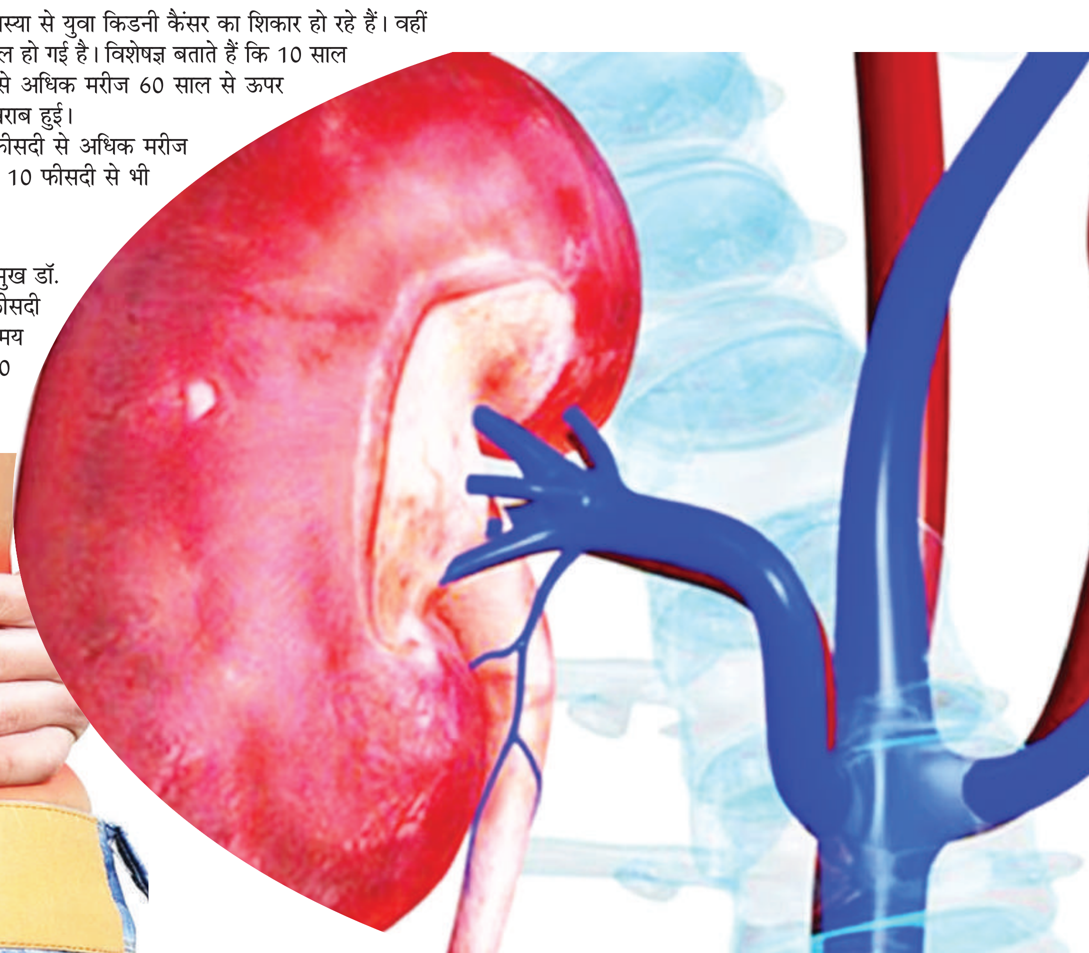

पुरुषों में किडनी कैंसर का खतरा अधिक

सफदरजंग अस्पताल में नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. हिमांशु वर्मा ने बताया कि महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में किडनी कैंसर की आशंका तीन गुना अधिक होती है।

इन बातों का रखें ध्यान

50 की उम्र के बाद करवाएं नियमित जांच

पेट या कमर में दर्द हो, पेशाब में खून आए तो हो जाएं सतर्क।

धूम्रपान, मोटापा, उच्च रक्तचाप से पीड़ित 40 के बाद करवाएं जांच।

जिनके परिवार में इस बीमारी से कोई पीड़ित रहा हो तो 40 के बाद जांच करवाएं।

समय पर निदान जरूरी

किडनी का कैंसर यदि शुरूआती दौर में पकड़ में आ जाए तो ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है। डॉक्टर बताते हैं सफदरजंग अस्पताल में करीब 45 साल का एक मरीज पेशाब में खून आने व दूसरी शिकायत के साथ इलाज करवाने पहुंचा। नेफ्रोलॉजी विभाग में डॉ. हिमांशु वर्मा की टीम ने उनकी जांच की। जांच में पाया गया कि मरीज के पास केवल एक किडनी है। उनमें भी कैंसर बन गया है। यह केस काफी चुनौती भरा था। मरीज की किडनी निकाली नहीं जा सकती थी। ऐसे में उसे अस्पताल में ही भर्ती किया गया और पूरी जांच के बाद कैंसर प्रभावित किडनी के उक्त हिस्से को निकाल दिया गया। सर्जरी के बाद मरीज डायलिसिस पर आ गया।

दो माह तक मरीज को अस्पताल में भर्ती रखा गया। इस दौरान धीरे-धीरे यूरिन पास होने लगा। बाद में पूरी जांच के बाद जब डॉक्टर ने उसे छुट्टी दे दी। मौजूदा समय में वह जिंदगी सामान्य जी रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि यह केस शुरूआती दौर का था। यदि मरीज एडवांस स्टेज में आता तो बचाना मुश्किल हो जाता।

गैस और हार्ट अटैक के कई लक्षण होते हैं एक जैसे, कैसे करें इनमें अंतर?

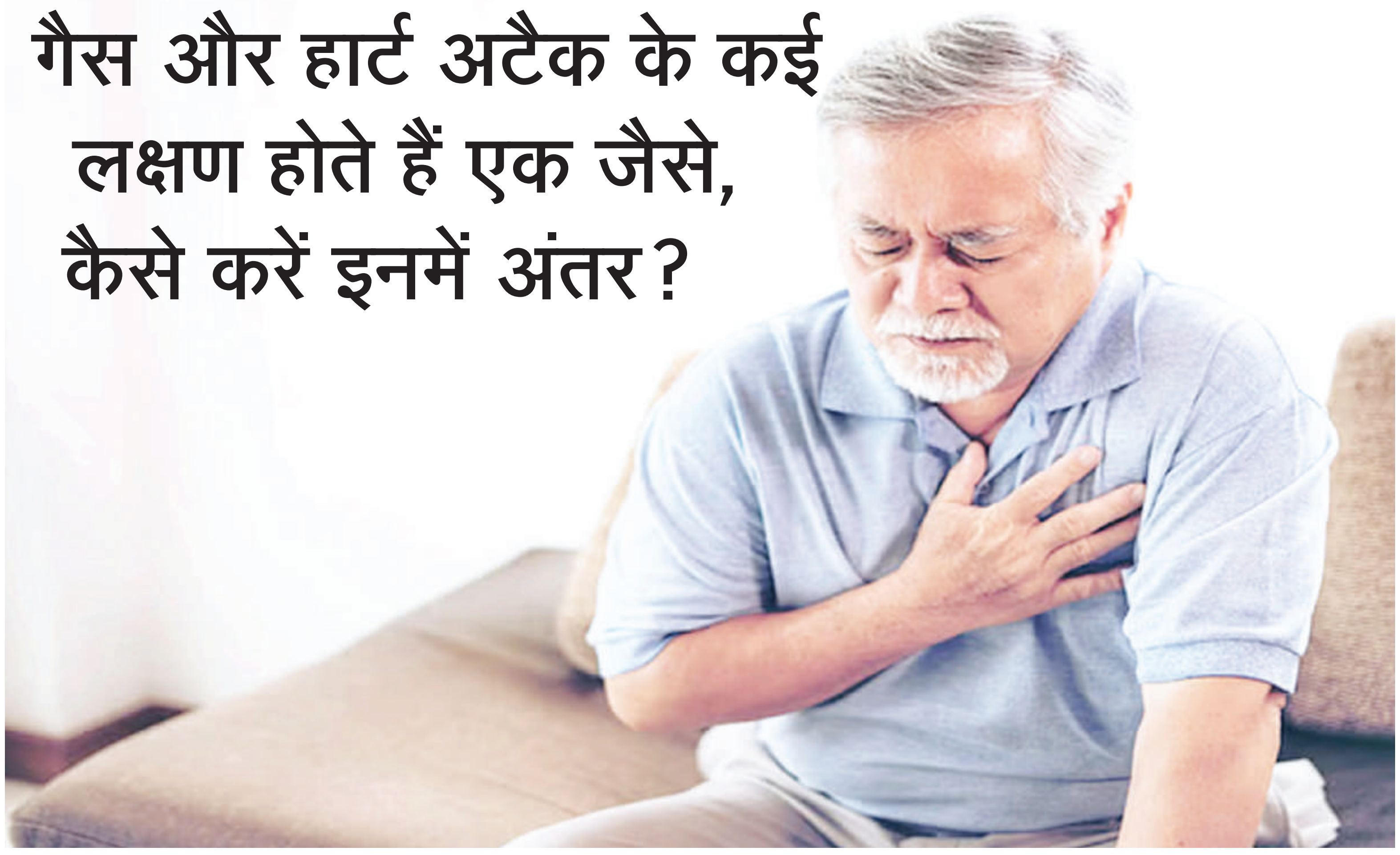

हार्ट अटैक का खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। विशेषतौर पर कोरोना के बाद इसका जोखिम और भी अधिक देखा जा रहा है। सीने में दर्द, जलन और बेचैनी की समस्या को हार्ट अटैक के प्रमुख लक्षणों में से एक माना जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि हर बार सीने में होने वाली जलन की समस्या का मतलब हार्ट अटैक ही नहीं है। गैस बनने की स्थिति में भी आपको इसी तरह के लक्षणों का अनुभव हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, गैस का दर्द और हार्ट अटैक के कई लक्षण एक समान हो सकते हैं। अगर आपको सीने में गंभीर दर्द हो रहा है तो इस बारे में किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें। इसके साथ अन्य लक्षणों पर ध्यान देते रहना भी जरूरी है। आइए जानते हैं कि गैस और हार्ट अटैक के कौन-कौन से लक्षण एक जैसे होते हैं और इनमें किस तरह से अंतर किया जा सकता है?

हार्ट अटैक और गैस की समस्या

आहार में गड़बड़ी के कारण अपच और गैस की समस्या हो सकती है। भोजन नली या गैस्ट्रिक की समस्या वाले लोगों को मतली और सीने में दर्द के साथ पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द का अनुभव होता रहता है। जिन लोगों को पहले से हार्ट की समस्या रही है, उन्हें हार्ट अटैक और इसके लक्षणों पर निरंतर गंभीरता से ध्यान देते रहना चाहिए। आइए जानते हैं इसके लक्षणों की किस तरह से पहचान और अंतर कर सकते हैं?

गैस के दर्द के लक्षणों के बारे में जानिए

गैस का दर्द पेट के अलावा सीने और शरीर के कई अन्य हिस्सों में भी हो सकता है। गैस के कारण सीने में होने वाले दर्द के साथ डकार (मुंह से गैस निकलना), पेट फूलने, पेट में ऐंठन जैसा दर्द और अपच की समस्या देखी जाती है। इसके अलावा गैस बनने के कारण पेट फूलने का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता रहा है, जो इसे हार्ट अटैक से अलग करता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए चीनी जितना ही खतरनाक है नमक

मधुमेह वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या है, जिसका जोखिम कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है। आहार और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने और इसके कारण होने वाली समस्याओं का जोखिम हो सकता है। विशेषतौर पर आप क्या खाते हैं, ये सीधे तौर पर शुगर के स्तर को प्रभावित करती है। यही कारण है कि जिन अकेले नमक की ही अधिक मात्रा आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। अधिक नमक के कारण सबसे पहले आप हाई ब्लड प्रेशर के शिकार होते हैं, लोगों को डायबिटीज की दिक्कत होती है उन्हें मीठी चीजों (चीनी वाली चीजों) का सेवन कम करने की सलाह दी जाती है।

पर क्या आप जानते हैं कि डायबिटीज रोगियों के लिए चीनी की ही तरह से नमक का अधिक सेवन भी हानिकारक हो सकता है? क्या नमक वाली चीजें भी शुगर के स्तर को प्रभावित करती हैं? मधुमेह रोगियों को इसका सेवन कम करने को क्यों कहा जाता है?

मधुमेह में आहार का रखें खास ध्यान

यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर के शोधकर्ताओं ने कहा, मधुमेह वाले लोगों को चीनी की ही तरह से आहार में नमक (सोडियम) की भी मात्रा सीमित रखनी चाहिए। नमक का सेवन सीधे रक्त शर्करा को तो प्रभावित नहीं करता है, पर इसके कारण उच्च रक्तचाप, किडनी की बीमारी और हृदय रोग विकसित होने का जोखिम हो सकता है। इन सभी बीमारियों का जोखिम डायबिटीज के शिकार लोगों में अधिक देखा जाता रहा है। ऐसे में यदि आपके आहार में सोडियम की मात्रा अधिक है तो इसमें सुधार कर लें।

तो फिर क्या खाएं?

ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल रखने और हाई ब्लड प्रेशर-कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के जोखिमों से बचे रहने के लिए उन चीजों की आहार में मात्रा बढ़ा लें जो फाइबर से भरपूर होती है। हाई फाइबर वाले आहार मधुमेह के कारण होने वाली कई प्रकार की जटिलताओं को कम करने में मददगार हो सकते हैं। आहार में प्लांट बेस्ड चीजों, हरी सब्जियों और मौसमी फलों को शामिल करके स्वास्थ्य जटिलातओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

गर्मी और लू से 143 की मौत

देशभर के ज्यादातर राज्यों में जारी भीषण गर्मी से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। तेज गर्मी और लू की समस्या जानलेवा दुष्प्रभावों का कारण बन रही है। हीट स्ट्रोक और गर्मी के कारण होने वाले दुष्प्रभावों के अब तक हजारों लोग शिकार हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि इस साल एक मार्च से 18 जून के बीच भीषण गर्मी के कारण कम से कम 110 लोगों की मौत हुई है और 41,789 से ज्यादा लोगों को हीटस्ट्रोक का संदेह है।राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और सहयोगी संस्थानों द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश इस बार गर्मी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य रहा है, जहां 36 मौतें हुई हैं। उसके बाद बिहार, राजस्थान और ओडिशा में गर्मी के सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव देखे गए हैं।

बढ़ती गर्मी के कारण होने वाली समस्याएं

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी नड्डा ने बुधवार को निर्देश दिया कि गर्मी के कारण बीमार पड़ने वाले लोगों की देखभाल के लिए सभी केंद्रीय सरकारी अस्पतालों में विशेष हीटवेव इकाइयां स्थापित की जाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बढ़ती गर्मी में हीटस्ट्रोक का जोखिम सबसे ज्यादा देखा जाता रहा है। इसमें शरीर का तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है जिसे समय रहते नियंत्रित न किया जाए तो इससे मौत का खतरा हो सकता है।

संपूर्ण स्वास्थ्य पर अत्यधिक गर्मी का असर

डॉक्टर कहते हैं, गर्मी कई अलग-अलग तरीकों से जानलेवा हो सकती है। इससे सबसे पहला जोखिम होता है- निर्जलीकरण। तेज गर्मी के दौरान शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए पसीने का उत्पादन करता है। हालांकि अगर पसीने और पेशाब के जरिए शरीर से ज्यादा पानी निकल जाए और इसकी भरपाई के लिए आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो इससे खून गाढ़ा होने लगता है। इन स्थितियों में थक्का जमने की आशंका बढ़ जाती है, जिससे दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

फेल हो सकते हैं शरीर को ठंडा करने वाले तंत्र

उच्च तापमान के जवाब में खुद को ठंडा करने के लिए शरीर में कई तंत्र होते हैं। जैसे-जैसे त्वचा गर्म होती है, रक्त का तापमान भी बढ़ता है। मस्तिष्क का एक हिस्सा जिसे हाइपोथैलेमस कहा जाता है वह इस तरह के परिवर्तन का पता लगाकर त्वचा में रक्त वाहिकाओं को फैलाने (चौड़ा होने) का निर्देश देता है। इससे शरीर की सतह पर अधिक रक्त आता है और गर्मी बाहर निकलती है। इसके अलावा पसीने के वाष्पित होने पर भी शरीर की अतिरिक्त गर्मी निकल जाती है।

ऑर्गन फेलियर का भी खतरा

हमारा शरीर 42-45 डिग्री सेल्सियस तक तापमान को सहन करने की क्षमता रखता है। इससे अधिक तापमान के संपर्क में लंबे समय तक रहने से हीट स्ट्रोक के कारण तंत्रिका कोशिकाओं की क्षति और अंगों की विफलता का खतरा भी हो सकता है। अधिक तापमान के कारण रक्तचाप

अंडमान-निकोबार में कर रही अपकमिंग फिल्म की शूटिंग करेंगी पूजा हेगड़े

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अपनी अपकमिंग फिल्म सूर्या 44 की शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हैं। एक सूत्र ने बताया कि पूजा जून की शुरूआत में शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार गई थीं और जुलाई के पहले सप्ताह में उनके वापस लौटने की उम्मीद है। पूजा वहां शेड्यूल का एक बड़ा हिस्सा शूट करेंगी। 2021 में एक्ट्रेस को फोर्ब्स इंडिया के साउथ सिनेमा में इंस्टाग्राम पर सबसे प्रभावशाली सितारों में सातवें स्थान पर रखा गया था।

जबरदस्त लुक में नजर आएंगी एक्ट्रेस

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अपनी अपकमिंग फिल्म सूर्या 44 की शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हैं। एक सूत्र ने बताया कि पूजा जून की शुरूआत में शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार गई थीं और जुलाई के पहले सप्ताह में उनके वापस लौटने की उम्मीद है। पूजा वहां शेड्यूल का एक बड़ा हिस्सा शूट करेंगी। 2021 में एक्ट्रेस को फोर्ब्स इंडिया के साउथ सिनेमा में इंस्टाग्राम पर सबसे प्रभावशाली सितारों में सातवें स्थान पर रखा गया था।

सूर्या 44 में निभाएंगी ये किरदार

एक्ट्रेस फिल्म निमार्ता कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित सूर्या 44 में मुख्य भूमिका निभाती दिखाई देंगी। पूजा के अलावा फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और करुणाकरण भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। सूत्र ने कहा, पूजा फिल्म में मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं जो कहानी को आगे बढ़ाती है और वह इसमें बहुत अलग लुक में भी दिखाई देंगी। फिल्म का साउंडट्रैक पिज्जा, जिगरथंडा, इरुथी सुत्रु, साला खडूस, इरावी, गुलु गुलु और अन्वेशीपिन कंडेथुम जैसी फिल्मों के लिए संगीत देने वाले संतोष नारायणन का है। उन्होंने अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण अभिनीत आगामी फिल्म कल्कि 2898 ई। में भी काम किया है।

पूजा हेगड़े वर्कफ्रंट

सूर्या 44 के अलावा पूजा, शाहिद कपूर के साथ देवा और अहान शेट्टी के साथ सनकी में भी नजर आएंगी। इसके अलावा उन्होंने साउथ के एक बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन फिल्मों का करार भी किया है। पूजा ने 2012 में जीवा अभिनीत मैसस्किन की तमिल सुपरहीरो फिल्म मुगामूडी से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म ओका लैला कोसम में अभिनय किया। इसके बाद उन्होंने 2014 में सिंधु घाटी सभ्यता पर आधारित ऋतिक रोशन की मोहनजोदाड़ो से बॉलीवुड में डेब्यू किया। एक्ट्रेस को पिछली बार सलमान खान अभिनीत किसी का भाई किसी की जान में देखा गया था, जिसमें शहनाज गिल, राघव जुयाल और पलक

म्यूजिकल, रोमांस और हॉरर फिल्म 'कसूर' में नजर आएंगे आफताब शिवदासानी

बॉलीवुड एक्टर आफताब शिवदासानी म्यूजिकल, रोमांस और हॉरर फिल्म 'कसूर' में नजर आएंगे। इसकी घोषणा प्रैक्टिकल प्रोडक्शंस के निमार्ता आसिफ शेख ने की। निमार्ता आसिफ ने कहा, ''यह एक यूनिक कॉन्सेप्ट है- म्यूजिकल, रोमांस और हॉरर... जब आफताब ने कहानी सुनी, तो वह इसे लेकर काफी एक्साइटेड थे। ऑडियंस सिल्वर स्क्रीन पर आफताब शिवदासानी को एक बहुत ही अलग किरदार में देखेगी।'' उन्होंने कहा, ''यह एक लेखक द्वारा समर्थित किरदार है, और हम आफताब के साथ फीमेल लीड और एक अन्य मेल लीड को फाइनल कर रहे हैं। इन किरदारों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।'' फिल्म 'कसूर' को ग्लेन बैरेटो डायरेक्ट करेंगे। वहीं कहानी मुदस्सर अजीज ने लिखी है। आफताब के करियर पर नजर डालें, तो उन्हें 14 महीने की उम्र में फॉरेक्स बेबी के रूप में चुना गया था। महज 9 साल की उम्र में 1987 में उन्होंने अनिल कपूर की सुपरहिट फिल्म 'मिस्टर इंडिया' में काम किया।

अटेंशन सीकर कहे जाने पर वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित ने हेटर्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

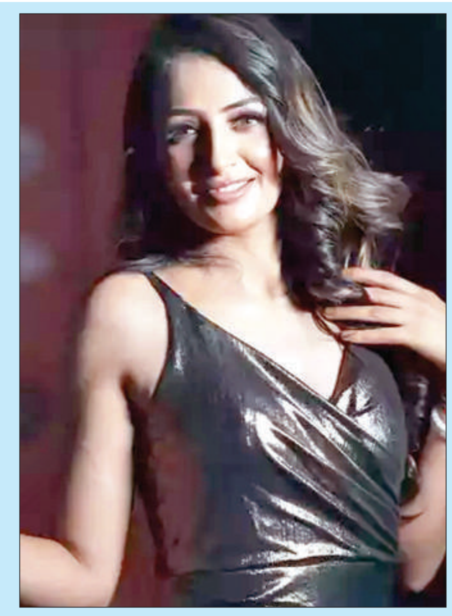

रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 शुरू हो चुका है। घर में 16 कंटेस्टेंट्स है, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा वड़ा पाव गर्ल यानी चंद्रिका दीक्षित की हो रही है। शो में उनकी एंट्री को लेकर कई लोग नाराज हैं और उनके सलेक्शन पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। शो में जाने से पहले आईएएनएस ने जब उनसे पूछा कि जो लोग उनपर अटेंशन पाने के लिए ड्रामा करने का आरोप लगा रहे हैं, उनसे वह क्या कहेंगी, तो चंद्रिका ने कहा, मैं बस अपना प्वाइंट ऑफ व्यू रख रही हूं, ऐसा कुछ नहीं है। अगर मुझे अटेंशन पाने के लिए ड्रामा करना होता, तो मैं दो साल पहले करती, जब मैंने ठेली के साथ अपना बिजनेस शुरू किया था। उस वक्त मुझे पैसों की सख्त जरूरत थी। अगर लोगों को लगता है कि यह प्लान है... तो मैं चाहती हूं कि ऐसा हो, क्योंकि मैं जिंदगी में वाकई आगे बढ़ना चाहती हूं। बिग बॉस ओटीटी 3 में शामिल होने के बारे में बात करते हुए चंद्रिका ने कहा, मुझे जो मौका मिला है, वह बहुत बड़ा है, मैं इसे अच्छे से करूंगी, और इसके पीछे की वजह है मेरा परिवार, यह मेरे बेटे के अच्छे भविष्य के लिए है। मुझे लगता है कि इससे मुझे मदद मिलेगी। चंद्रिका ने बताया कि उनके पास शो के लिए कोई खास गेम प्लान नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे पास पहले से कोई प्लान नहीं है। मैंने हमेशा अपने बड़ों को कहते सुना है कि कभी प्लान मत बनाओ, क्योंकि

'बिग बॉस ओटीटी 3' की शुरुआत के साथ ही मचा बवाल, लवकेश से भिड़े रणवीर, साई ने लगा दी सना की क्लास

मशहूर रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 3' की धमाकेदार शुरूआत हो चुकी है। बीते दिन इसके ग्रैंड प्रीमियर पर शो के नए होस्ट अनिल कपूर ने 16 प्रतिभागियों का स्वागत किया। वहीं, तीसरे सीजन के पहले दिन ही बीबी हाउस में दो बड़ी लड़ाई देखने को मिली। लाइव फीड से एक वीडियो सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है, जिसमें रणवीर शौरी और लवकेश कटारिया के बीच जबरदस्त जुबानी जंग देखने को मिल रही है। वीडियो में देखा जा रहा है कि लवकेश कटारिया के जरिए सोफे पर पैर रखे जाने से रणवीर शौरी अपना आपा खो बैठते हैं। लाइव फीड के मुताबिक, रणवीर और अन्य लोगों को लिविंग एरिया में सामान्य बातचीत करते देखा गया। तभी लवकेश अंदर आए और वह भी उनके साथ बैठ गए। हालांकि, उन्होंने अपने पैर रणवीर शौरी के बगल में सोफे पर रख दिए। इस पर रणवीर को गुस्सा आ गया और उन्होंने उत्तेजित स्वर में उनसे पैर हटाने को कहा। इससे कटारिया नाराज हो गए और उन्होंने उन्हें शांत रहने को कहा फिर घर के अन्य सदस्यों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। इससे पहले साई केतन राव और सना मकबूल खान के बीच खाने को लेकर जबरदस्त लड़ाई हुई थी। संघर्ष तब शुरू हुआ जब रणवीर ने संतुलित आहार के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए चंद्रिका और पायल से भोजन के असमान वितरण के बारे में सवाल किया। इससे तीखी बहस छिड़ गई। शाकाहारियों ने राशन की कमी को उजागर करते हुए रणवीर के दावों का विरोध किया। खाने को लेकर तनाव के कारण सना मकबूल और साई केतन राव के बीच बहस हो गई।

डेब्यू से पहले पांच करोड़ रुपये के मुकदमे में फंस गई थीं सारा

सारा अली खान ने साल 2018 में अपने बॉलीवुड करियर की शुरूआत की। अभिनेत्री ने उस साल दो फिल्मों 'केदारनाथ' और 'सिम्बा' में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता। दोनों ही फिल्में कुछ ही हफ्तों के अंतर पर रिलीज हुई थीं। फिल्मांकन के दौरान, एक शेड्यूलिंग समस्या थी जब 'केदारनाथ' की तारीखें बदलाव से प्रभावित हुईं। इसके बाद सारा के मैनेजर ने उनकी कुछ तारीखें 'सिम्बा' को दे दीं, जिससे हलचल मच गई। इस कारण 'केदारनाथ' के निमार्ताओं ने उन पर मुकदमा दायर किया था। सारा ने डेब्यू से पहले कानूनी पचड़े में फंसने के अनुभव को याद किया और पूरा मामला समझाया। अभिषेक कपूर और क्रिअर्ज एंटरटेनमेंट कानूनी लड़ाई में उलझ गए थे, जिसके कारण प्रोडक्शन में देरी हुई। इसी दौरान सारा ने 'सिंबा' साइन कर ली, जिससे परेशानियां और बढ़ गईं। एक इंटरव्यू में, सारा ने कहा कि वह इस अनुभव से टूट गई थीं, और उन्हें पता नहीं था कि इसे कैसे संभालना है क्योंकि वह अकेली थीं और उनकी मां और भाई शहर में नहीं थे। उन्होंने कहा कि स्थिति तब सुलझ गई जब रोहित शेट्टी अपने 'सिम्बा' शेड्यूल से तीन दिन अभिषेक कपूर को सौंपने के लिए सहमत हो गए। सारा ने मामले की पूरी जानकारी देते हुए एक इंटरव्यू में कहा, 'मई 2018 में, मुझे सिम्बा करनी थी। केदारनाथ वह पहली फिल्म थी जिसे मैंने साइन किया था, केदारनाथ वह पहला सेट था जिस पर मैं गई थी, केदारनाथ ही सब कुछ था। फिर कुछ तारीखें ऊपर-नीचे हुई और मैंने सिम्बा भी साइन कर ली। लेकिन अब, तीन या चार तारीखें एक साथ मिल रही थीं। और हां, तो मुझ पर पांच करोड़ रुपये का मुकदमा कर दिया गया।' सारा ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'मैं बहुत घबरा गई थी, क्योंकि मेरे पास पांच करोड़ रुपये नहीं थे। मेरी मां दिल्ली में थीं। इब्राहिम स्कूल में था और मुझे घर पर 'वकालतनामा' दिया गया। मुझे नहीं पता था कि क्या करना है। इसलिए, मैंने मैनेजर को अदालत में भेजा, क्योंकि मुझे शूटिंग पर जाना था, जिसके बारे में निमार्ताओं को पता था क्योंकि वे भी शूटिंग पर थे। फिर मैं गट्टू सर (अभिषेक कपूर) के पास गई और उनसे पूछा कि क्या वह चाहते हैं कि मेरी स्पॉट

अदा शर्मा-पेटा इंडिया

ने उठाया बड़ा कदम, वेंगनूर में पूर्णमिकवि मंदिर को दान किया यांत्रिक हाथी

पीपुल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया ने शनिवार को अभिनेत्री अदा शर्मा के साथ मिलकर पूर्णमिकावु मंदिर को एक आदमकद यांत्रिक हाथी भेंट किया। बलधासन नामक इस यांत्रिक हाथी को मंदिर की इस प्रतिबद्धता के सम्मान में दान किया गया कि वह कभी भी समारोहों और त्यौहारों के लिए जीवित हाथियों को नहीं रखेगा और न ही उन्हें किराये पर लेगा। पेटा ने एक बयान में बताया कि तीन मीटर लंबा और लगभग 800 किलोग्राम वजन वाला बालदासन केरल के मंदिर में पेश किया जाने वाला तीसरा यांत्रिक हाथी है। यह पहल धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में जीवित हाथियों की जगह यांत्रिक हाथियों को लाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जिससे मनुष्यों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। पेटा इंडिया ने केरल के मंदिरों में दो अन्य यांत्रिक हाथियों के उपयोग की सुविधा पहले ही प्रदान कर दी है। इससे पहले त्रिशूर के इरिन्जादापिल्ली श्री कृष्ण मंदिर में इरिन्जादापिल्ली रमन और कोच्चि के थ्रीक्कायिल महादेव मंदिर में महादेवन में हाथी दान किए गए थे। इन यांत्रिक हाथियों का दान मंदिरों द्वारा जीवित हाथियों के उपयोग को बंद करने के फैसले के तहत किया गया है। पेटा इंडिया के आपातकालीन बचाव समन्वयक श्रीकुट्टी राजीव ने कहा, 'यह पेटा इंडिया और अभिनेत्री अदा शर्मा द्वारा दान किया गया तीसरा हाथी है। केरल में हाथियों का व्यापक रूप से धार्मिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है। यह बहुत आम बात है कि केरल में हर साल हाथियों के बीच से भागने के मामले भी सामने आते हैं। केरल में भी हर साल रिपोर्ट की जाती है। हेरिटेज टास्क फोर्स की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में विभिन्न धार्मिक उद्देश्यों के लिए हाथियों द्वारा 526 लोगों की मौत हुई है। इन सभी को सुधारने के लिए हमने इस यांत्रिक हाथी को पेश किया है। केरल के जिन भी मंदिरों को हम ये हाथी दान कर रहे हैं, उन्होंने हमसे वादा किया है कि वे

खबर एक्सप्रेस

टाटा साल्ट इम्यूनो बना रहा है देश के स्वास्थ्य को और भी सशक्त

लुधियाना। भारत के ब्रांडेड आयोडीन युक्त नमक खंड में अग्रणी और मार्केट लीडर, टाटा साल्ट की यात्रा, 1983 में अपनी स्थापना के बाद से आयोडीन की कमी से होने वाले विकार (डिसऑर्डर-आईडीडी) के खिलाफ देश के संघर्ष के साथ जुड़ी हुई है। इसके प्रमुख उत्पाद को ' देश की सेहत, देश का नमकक्ष के रूप में जाना जाता और इसे देशवासियों के स्वास्थ्य के लिहाज से अग्रणी माना जाता है। टाटा साल्ट आईडीडी के बारे में जागरूकता बढ़ाने में भी अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों के लिए प्रशंसित रहा है।कंपनी ने इस दिशा में अपने योगदान में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए दो साल पहले, टाटा साल्ट इम्यूनो की शुरूआत की थी । यह खाद्य नमक खंड में पहला ऐसा नमक है जिसमें आयोडीन के साथ जिंक शामिल है। जिंक एक आवश्यक पोषक तत्व है, जो स्वास्थ्य प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत और तंदुरुस्त रखने में मदद करता है। यह ब्रांड संतुलित आहार को बढ़ावा देता है और अपने उपभोक्ताओं को सोच-समझकर नमक के विकल्पों का सही मात्रा में सेवन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की अध्यक्ष, पैकेज्ड फूड्स- इंडिया, दीपिका भान कहती हैं, ह्लसंतुलित आहार में, ऐसे नमक का सेवन करना जरूरी है जो आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता हो। टाटा साल्ट इम्यूनो को स्वाद बनाए रखते हुए जिंक जैसे आवश्यक पोषक तत्वों के साथ तैयार किया गया है। हम अपने उपभोक्ताओं को सोच-समझ कर अपने नमक का विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और ऐसा तभी संभव है जब वे अपने नमक की जरूरत के बारे में खुद को जागरूक रखें।हाल ही में दुनिया भर में नमक जागरूकता सप्ताह मनाया गया है जिस अवसर पर टाटा साल्ट इम्यूनो ने अपने उपभोक्ताओं से सोच-समझकर नमक के विकल्पों के सेवन करने की सिफारिश की है। ब्रांड ने टाटा साल्ट इम्यूनो के अलावा, अतीत में स्वस्थ जीवनशैली पहलों का समर्थन करते हुए टाटा साल्ट लाइट और टाटा साल्ट आयरन हेल्थ सहित अन्य वेरिएंट लॉन्च किए हैं।

केएफसी की क्रिस्पी डेज ऑफर फिर से शुरू!

चंडीगढ़। केएफसी के लिमिटेड टाईम क्रिस्पी डेज ऑफर के साथ साल का सबसे ज्यादा क्रिस्पी समय फिर से वापस आ गया है।30 जून तक बिल में होगी 40 प्रतिशत तक की बचत, और आप आनंद ले सकेंगे फिंगर लिकिंग गुड केएफसी फेवरीट्स में आईकोनिक हॉट एंड क्रिस्पी लैग पीस और हॉट विंग्स का आनंद केवल 299 रुपये के शुरूआती मूल्य में ।अपने नजदीकी केएफसी रेस्टोरैंट में आईये और डाईन-इन पर क्रिस्पी डेज का लाभ उठाईये या केएफसी ऐप द्वारा ऑर्डर करें और फ्री डिलीवरी का मजा लें।तो चिकन लवर्स आप किसका इंतजार कर रहे हैं? समय बीत रहा है। 30 जून से पहले इस साल के सबसे क्रिस्पी ऑफर का लाभ उठाएं।आदि को सिखाने के साथ इनकी बारीकियों के बारे में भी जानकारी गई।इस आयोजन में पंचकुला क्षेत्र के विधायक ज्ञान चंद गुप्ता (हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष) मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

वनप्लस नॉर्ड सीई4 लाइट 5जी के लॉन्च की घोषणा की

चंडीगढ़। इस सप्ताह की शुरूआत में, वनप्लस ने एक और पावर-पैक मनोरंजन-केंद्रित उत्पाद, वनप्लस नॉर्ड सीई4 लाइट 5जी की घोषणा की। वनप्लस नॉर्ड सीई4 लाइट 5जी, कीअपनी खास डिजाइन है, जिसे 2024 के लिए एक नए रूप में आपके सामने पेश किया गया है।वनप्लस नॉर्ड सीई4 लाइट 5जी, में ओआईएस की विशेषता वाला 50एमपी सोनी एलवाईटीआईए कैमरा है, जो यूजर की हथेली में सारी सुविधाओं से संपन्न (ऑल-अराउंड) फोटोग्राफी अनुभव रखने का वादा करता है।इसके अतिरिक्त, इसे पूरे दिन पर चलने वाला मनोरंजन देने के लिए डिजाइन किया गया क्योंकि वनप्लस नॉर्ड सीई4 लाइट 5जी , वनप्लस में अब तक की सबसे बड़ी बैटरी दी गई है - 5500 एमएएच की काफी बड़ी बैटरी जिसमें आसान रिवर्स चार्जिंग (वायर्ड) की सुविधा है। वनप्लस नॉर्ड सीई4 लाइट 5जी हेडफोन, एक्सेसरीज या किसी अन्य फोन को चार्ज करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली है। इसे दिनभर और भी ज्यादा लंबे समय तक चलने योग्य बनाने के इस नए नॉर्ड डिवाइस में 80डब्ल्यू सुपरवूक फास्ट चार्जिंग की सुविधा दी गई है।नॉर्ड सीई4 लाइट 5जी का एमोलेड डिस्प्ले, 2,100 निट्स की अधिकतम ब्राइटनेस दे सकता है, जिससे बाहर की रोशनी में डिस्प्ले को देखना-समझना काफी अधिक सुविधाजनक हो जाता है। इस सुविधा से यूजर तेज धूप में भी स्क्रीन को आराम से पढ़ और देख सकते हैं, जिससे बेहतर तरीके से देखने के लिए फोन को आड़ा-टेड़ा करने या उस पर छाया करने की जरूरत नहीं पड़ती है।जैसा कि इस सप्ताह की शुरूआत में बताया गया है, डिवाइस को एक नए रंग - मेगा ब्लू, में पेश किया जाएगा, जिसकी अपनी ऐसी खास आभा है, जो लोकप्रिय वीडियो गेम चरित्र - मेगा मैन, से प्रेरित है।वनप्लस नॉर्ड स्पेशल रिपोर्ट में शामिल हों - वनप्लस नॉर्ड सीई4 लाइट 5जी लॉन्च का आयोजन 24 जून को शाम 7 बजे होगा।

कैबिनेट ने वधावन में 76200 करोड़ रुपये के ग्रीनफील्ड प्रमुख बंदरगाह के विकास को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को महाराष्ट्र के वधावन में 76,200 करोड़ रुपये की लागत से हर मौसम में काम आने वाले ग्रीनफील्ड डीप ड्राफ्ट प्रमुख बंदरगाह के विकास को मंजूरी दे दी। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) द्वारा किया जाएगा, जो जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) द्वारा गठित एक एसपीवी है, जिसमें क्रमशः 74 प्रतिशत और 26 प्रतिशत की हिस्सेदारी इसमें कहा गया है कि यह बंदरगाह दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में से एक होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि इससे 12 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बयान में कहा गया है, "भूमि अधिग्रहण घटक सहित कुल परियोजना लागत 76,220 करोड़ रुपये है।" इसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में मुख्य बुनियादी ढांचे, टर्मिनलों और अन्य वाणिज्यिक बुनियादी ढांचे का विकास शामिल होगा। बयान के अनुसार, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा बंदरगाह और राष्ट्रीय राजमार्गों के बीच सड़क संपर्क स्थापित करने और रेल मंत्रालय द्वारा मौजूदा रेल नेटवर्क और आगामी समर्पित रेल फ्रेट कॉरिडोर को रेल संपर्क स्थापित करने को भी मंजूरी दी। बंदरगाह में नौ कंटेनर टर्मिनल होंगे, जिनमें से प्रत्येक 1,000 मीटर लंबा होगा, तटीय बर्थ सहित चार बहुउद्देशीय बर्थ, चार लिक्विड कार्गो बर्थ, एक रो-रो बर्थ और एक तटरक्षक बर्थ शामिल होंगे।

भारत बांग्लादेश के रंगपुर में खोलेगा एक नया वाणिज्य दूतावास, पीएम मोदी ने किया एलान

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत इलाज के लिए आने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के लिए ई-मेडिकल वीजा सुविधा शुरू करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यह एलान किया। इसके साथ ही भारत देश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में रहने वाले लोगों बेहतर तरीके से सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से बांग्लादेश के रंगपुर एक नया वाणिज्य दूतावास भी खोलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद से बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए इन फैसलों की जानकारी दी। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि दोनों नेता पिछले एक साल में कई बार मिले हैं, यह यात्रा विशेष है क्योंकि पीएम शेख हसीना एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत की पहली राजकीय अतिथि हैं।

पीएम ने अपने बयान में कहा, "पिछले एक साल में हम दस बार मिले लेकिन आज की बैठक विशेष है क्योंकि प्रधानमंत्री हसीना हमारी तीसरी सरकार की पहली राजकीय अतिथि हैं। बांग्लादेश हमारी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी, एक्ट ईस्ट पॉलिसी, विजन सागर और इंडो-पैसिफिक विजन के लिए महत्वपूर्ण है। हमने पिछले एक साल में एक साथ कई विकास कार्यक्रम पूरे किए हैं।"

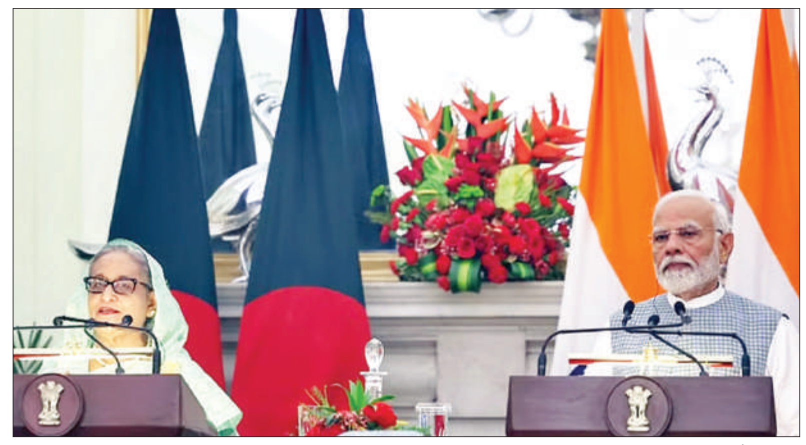

पीएम ने आगे कहा , "भारत इलाज के लिए वाले बांग्लादेशी नागरिकों के लिए ई-मेडिकल वीजा शुरू करेगा। भारत ने बांग्लादेश के उत्तर-पश्चिम हिस्से के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए रंगपुर में एक नया सहायक उच्चायोग खोलने का फ ै स ल ा । किया है।"

पीएम मोदी ने भारत और बांग्लादेश के बीच आज होने वाले टी20 वर्ल्ड कप सुपर 8 मुकाबले से पहले दोनों देशों की क्रिकेट टीमों को शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने कहा, "मैं भारत और बांग्लादेश दोनों क्रिकेट टीमों को आज के मैच के लिए शुभकामनाएं देता हूं।" प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत और बांग्लादेश ने भारतीय रुपये में व्यापार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने भारतीय ग्रिड का उपयोग करके नेपाल से बांग्लादेश तक बिजली निर्यात पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने गंगा नदी संधि के नवीकरण के लिए तकनीकी स्तर पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया है।

अमेरिकी बाजार में प्रोडक्ट रेंज बढ़ाने पर विचार कर रहा है अमूल

नई दिल्ली। अमूल अमेरिका में एक नए शिखर की तरफ अग्रसर हो रहा है। अमूल ब्रांड के तहत डेयरी प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग करने वाला गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ मिशिगन दुग्ध उत्पादकों संघ के सहयोग से ताजा दूध लॉन्च करने के बाद अमेरिकी बाजार में अपने प्रोडक्ट रेंज का विस्तार करना चाहता है। बीते शुक्रवार को एक शीर्ष अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। इसके साथ ही गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने कहा कि ताजे उत्पादों की (अमेरिका और अन्य विदेशी बाजारों में) अच्छी मांग है... हम जल्द ही दही, लस्सी छाछ, क्रीम और पनीर जैसे अन्य उत्पादों के साथ विस्तार करेंगे। उद्योग निकाय इंडियन मर्चेंट्स चैंबर (आईएमसी) की 116वीं वार्षिक आम बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मेहता ने यह भी कहा कि दूध भारत की सबसे बड़ी कृषि फसल बन गई है और अगले दशक में देश वैश्विक दूध उत्पादन का एक तिहाई हिस्सा होगा। जीसीएमएमएफ ने भारतीय प्रवासियों और एशियाई आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेरिका में दूध के चार प्रकार लॉन्च किए हैं। मेहता ने कहा कि हम जल्द ही कनाडा में विस्तार करेंगे, हम दुनिया के अन्य बाजारों पर भी विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महासंघ उत्पादों की हर एक श्रेणी में विस्तार की ओर देख रहा है। एजीएम को संबोधित करते हुए आईएमसी के अध्यक्ष संजय मारीवाला ने कहा कि चैंबर नीति वकालत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेगा, उद्योग की प्रतिक्रिया को आकार देगा और साझेदारी की भावना से क्रियान्वयन में सरकार के साथ हाथ मिलाएगा।

8 महीने बाद जीएसटी परिषद की बैठक, वित्त मंत्री सीतारमण करेंगी अध्यक्षता, सभी राज्य होंगे शामिल

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की शनिवार को होने वाली 53वीं बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर कराधान और उर्वरक पर कर कम करने संबंधी संसदीय समिति की सिफारिश समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्री भी शामिल होंगे। परिषद की यह बैठक आठ महीने के अंतराल के बाद हो रही है। जीएसटी परिषद की पिछली बैठक 7 अक्तूबर, 2023 को हुई थी।

प्रवासी भारतीयों का देश की अर्थव्यवस्था पर बढ़ा भरोसा, अप्रैल में 1 अरब डॉलर हुए जमा

नई दिल्ली। दुनिया भर में रह रहे प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) ने अकेले अप्रैल महीने में देश में लगभग 1 बिलियन डॉलर जमा किए। मतलब साफ है कि तमाम वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद भी भारत की अर्थव्यवस्था में उन्होंने अपना भरोसा दिखाया है। साल 2023 में प्रवासी भारतीयों ने अप्रैल के महीने में 150 मिलियन डॉलर जमा किए थे, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके बढ़ते विश्वास को दशार्ता है। इससे साफ पता चल रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास गति तेजी से बढ़ी है और यहीं वजह है कि लोगों का इसमें विश्वास भी बढ़ा है। भारत के विकास की गति जो 2003-19 के औसत 7 प्रतिशत के मुकाबले 2021-24 में 8 प्रतिशत या उससे भी अधिक है।

प्याज और न रुलाए! सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 71000 टन खरीदे, सामान्य मानसून से राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने के कुल लक्ष्य में से बफर स्टॉक के लिए इस साल अब तक लगभग 71,000 टन प्याज की खरीदारी की है। साथ ही, सरकार को उम्मीद है कि देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून की प्रगति के साथ खुदरा कीमतें कम होंगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को प्याज का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 38.67 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि उच्च गुणवत्ता वाले प्यात का मूल्य 40 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 20 जून तक केंद्र ने 70,987 टन प्याज की खरीद की है जबकि पिछले साल इसी अवधि में 74,071 टन प्याज की खरीद की गई थी। अधिकारी ने बताया, 'अनुमानित तौर पर रबी उत्पादन में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद इस साल मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए प्याज खरीद की गति काफी हद तक पिछले साल के बराबर है।' उन्होंने कहा कि सरकार मूल्य स्थिरीकरण के लिए पांच लाख टन की खरीदारी के लक्ष्य को हासिल करने की ओर बढ़ रही है। अधिकारी ने कहा कि सरकार प्याज की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए बफर में प्याज रखने या बाजार में छोड़ने के विकल्प का प्रयोग करेगी। खरीद मूल्य परिवर्तनशील मूल्य है जो प्रचलित बाजार मूल्यों से जुड़ा हुआ है।अधिकारी ने बताया कि प्याज की कीमतों में वृद्धि प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में कम बारिश के कारण पिछले वर्ष की तुलना में खरीफ, देर खरीफ और रबी में 2023-24 में उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत की कमी के कारण हुई है। कीमतों को नियंत्रित करने के लिए, सरकार ने पिछले साल अगस्त से अब तक 40 प्रतिशत के निर्यात शुल्क लगाने की शुरूआत करने समेत श्रेणीबद्ध तरीके से कई उपाय उपाय किए हैं। अक्टूबर, 2023 में न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 800 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तय किया गया। 8 दिसंबर, 2023 से निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया। इन उपायों से उचित स्थिर मूल्यों पर प्याज की घरेलू उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिली है। महाराष्ट्र में लासलगांव जैसी प्रमुख मंडियों में पर्याप्त स्थिरता और इस वर्ष सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी को देखते हुए अच्छे खरीफ उत्पादन की संभावना है। इसके मद्देनजर 4 मई, 2024 से 550 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के एमईपी (अधिकतम निर्यात मूल्य) और 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क के साथ प्याज के निर्यात पर से प्रतिबंध हटा दिया गया था। अधिकारी ने कहा, 'देश के बड़े हिस्से में लंबे समय तक लू चलने से हरी सब्जियों का उत्पादन प्रभावित हुआ है। टमाटर, आलू और प्याज सहित अन्य सब्जियों की कीमतों में वृद्धि हुई है।" अधिकारी ने बताया कि मानसून की शुरूआत के साथ देश के ज्यादातर हिस्सों में स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।" मार्च में केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने प्याज उत्पादन के आंकड़े जारी किए थे। आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 (पहला अग्रिम अनुमान) में प्याज का उत्पादन पिछले साल के लगभग

गैस की डिमांड में आने वाली है तूफानी तेजी, सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां कर रहीं सप्लाई का बंदोबस्त

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वर्ष 2030 तक देश की इकोनमी में गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करना चाहती है। सरकार के इस लक्ष्य को देखते हुए अब सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने देश में छोटे एलएनजी टर्मिनल बनाने का फैसला किया है। इसके तहत दो बड़ी महारत्न कंपनियों ओएनजीसी और आईओसी ने मिलकर मध्य प्रदेश के च्वध्या बेसिन में स्थित हट्टा गैस फील्ड के नजदीक एक कम क्षमता का एलएनजी टर्मिनल लगाने की घोषणा की है। यह देश में अपनी तरह का अनूठा टर्मिनल होगा। एलएनजी टर्मिनल में न सिर्फ गैस के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था होती है, बल्कि प्राकृतिक गैस को लिक्विड में बनाने और इसके परिवहन

की भी व्यवस्था होती है। दोनों कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि अगले दो दशकों में प्राकृतिक गैस की मांग में काफी ज्यादा वृद्धि की संभावना को देखते हुए सिर्फ विशालकाय एलएनजी टर्मिनल से काम नहीं चलेगा, बल्कि कई जगहों पर हमें छोटे-छोटे टर्मिनल बनाने होंगे। भारत में अभी सात एलएनजी टर्मिनल हैं। इनमें से तीन (दहेज, हजीरा व मुंद्रा) गुजरात में है जबकि महाराष्ट्र, तमिलनाडु व केरल में एक-एक हैं। ये टर्मिनल अभी अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इसके बावजूद सरकार भविष्य में गैस की खपत में भारी वृद्धि की संभावना को देखते हुए कई नए एलएनजी टर्मिनल के निर्माण की योजना बना चुकी है। वर्ष 2024 से वर्ष 2030 तक हर साल भारत में गैस की सालाना खपत में चार गुना वृद्धि की संभावना है। भारत में अभी गैस की खपत 15 करोड़ घन मीटर प्रतिदिन है जिसके वर्ष 2030 तक 60 करोड़ घन मीटर प्रतिदिन होने का अनुमान है। इसका बड़ा हिस्सा आयात करना होगा। यही वजह है कि देश में नए एलएनजी टर्मिनल लगाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी वर्ष दो नए एलएनजी टर्मिनल के शुरू हो जाने की संभावना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों के साथ की बजट पर चर्चा

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी के अगुआई में एनडीए सरकार के गठन के साथ बजट पेश करने की तैयारियों ने भी जोर पकड़ लिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अंतरिम बजट पेश किया। अब वह जुलाई में पूर्ण बजट पेश करेंगी। यह बतौर वित्त मंत्री उनका लगातार सातवां बजट होगा और इस मामले में मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ेंगी। वित्त मंत्री ने बजट 2024-25 पर सुझाव के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आगामी बजट पर सुझाव मांगे गए। इसमें राज्य अपनी जरूरतों और अपेक्षाओं के बारे में वित्त मंत्री को बताते हैं। अगर उनके पास कोई सुझाव होता है, तो उसे भी दिया जाता है। इसमें वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ कई राज्यों के सीएम भी शामिल हुए। भारत सरकार की 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना' की अधिकतर मंत्रियों ने तारीफ की। इस योजना में सुधार के लिए कुछ सुझाव भी मिले। सभी राज्यों के प्रतिनिधियों

ने अपने-अपने राज्य के लिए कुछ खास मांगें भी रखीं। उनकी ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को कई सुझाव भी मिले। इसमें खासकर राज्यों के विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए बजट बढ़ाने की बात थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार उनके विकास में हर तरह की मदद देने को तैयार है। फिर चाहे बात वक्त पर टैक्स बंटवारे की हो, या फिर फाइनेंस कमीशन की ग्रांट और जीएसटी एरियर के भुगतान की। उन्होंने कहा कि पूंजी निवेश के

भारतीय कपास के निर्यात में 67 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद, बांग्लादेश में बढ़ी मांग से होगा

इंडिया न्यूज नेटवर्क

मुंबई। बांग्लादेश की मिलों में कॉटन (कपास) की बढ़ती मांग की वजह से भारत के कॉटन निर्यात में वृद्धि का अनुमान है। सितंबर में समाप्त होने वाले 2023-24 सीजन के लिए भारत के कॉटन का निर्यात में बांग्लादेश के मिलों की बढ़ती मांग के कारण दो तिहाई अधिक वृद्धि होने का अनुमान है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) को उम्मीद है कि शिपमेंट लगभग 26 लाख गांठ (प्रत्येक गांठ 170 किलोग्राम) तक पहुंच जाएगा जो पिछले सीजन में 15.5 लाख गांठ से 67.7 प्रतिशत अधिक है।

सीएआई के अध्यक्ष अतुल गणात्रा ने बताया कि बांग्लादेश मिलें जो मुश्किल से अपना काम चला रही हैं, अब वे भारतीय कॉटन खरीद रही हैं। क्योकि ब्राजील और अमेरिका के उनके आयात शिपमेंट में देरी

हो रही है। भारत से लगभग हर महीने 1-1.5 लाख गांठ बांग्लादेश को निर्यात किया जा रहा है। सड़क मार्ग के जरिए बांग्लादेश को 5 दिनों में कॉटन मिल जाता है। इससे भारत के कॉटन निर्यात में वृद्धि हो रही है।

कपास प्रेसिंग का अनुमान बढ़ा...सीएआई ने अपने प्रेसिंग अनुमान में 2023-24 सीजन के 317.70 लाख गांठ की वृद्धि की है, यह फरवरी में 309 लाख गांठ थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से मध्य भारत से आई है, जहां हाल ही में किसानों ने अपने पुराने स्टॉक को लोड करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि चालू सीजन के लिए प्रेसिंग पिछले साल की तुलना में 318.9 लाख गांठ कम है। गणात्रा ने प्रेसिंग आंकड़ों में आई वृद्धि को बाजारों में आने वाली कैरी फॉरवर्ड स्टॉक को माना है। मई के अंत तक 296.53 लाख प्रेसिंग की जा चुकी है।

प्राकृतिक फाइबर का आयात बढ़ा...प्राकृतिक फाइबर का आयात 16.4 लाख गांठ होने का अनुमान है। इसमें से 5.5 लाख गांठ देश में मई के अंत तक आ चुका है। शुरूआती स्टॉक, आयात और प्रेसिंग के अनुमानों को मिलाकर कुल आपूर्ति 363 लाख गांठ होने का अनुमान है जो पिछले सीजन में 355.4 लाख गांठ से अधिक है। सीएआई ने कॉटन मांग 317 लाख गांठ (311 लाख गांठ) रहने का अनुमान लगाया है। गैर एमएसएमई सेक्टर में मांग 201 लाख गांठ (280 लाख गांठ) रहने का अनुमान है, जबकि एमएसएमई सेक्टर में यह मांग 100 लाख गांठ (15 लाख गांठ) से अधिक रहने का अनुमान है। गैर वस्त्र सेक्टर की खपत 16 लाख गांठ पर स्थिर देखी गई है। गणात्रा ने बताया कि खपत के आंकड़ों में बदलाव सीओसीपीसी (कपास उत्पादन और खपत पर समिति) द्वारा तय की गई नई श्रेणियों में खपत के आंकड़ों को फिर से सामूहिकृत करने के कारण है। सीओसीपीसी देश में कॉटन की स्थिति पर लगातार नजर रखती है और समीक्षा करती है तथा कॉटन के उत्पादन और खपत से संबंधित मामलों पर सरकार को उचित सलाह देती है। सीएआई के अनुसार कताई मिलों की औसत क्षमता उपयोग लगभग 90 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसमें उत्तर भारत और मध्य भारत में मिले 100 प्रतिशत की क्षमता पर और दक्षिण भारत में 80 प्रतिशत क्षमता पर चल रही हैं।

विंबलडन और पेरिस ओलंपिक में नहीं खेलेंगे मरे? पीठ की चोट से निपटने के लिए कराएंगे सर्जरी

मरे ने पीठ दर्द के कारण बुधवार को क्वींस क्लब में अपने दूसरे दौर के मैच को बीच में ही छोड़ दिया था, तब वह जॉर्डन थॉम्पसन से 1-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रिटेन के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे का वर्ष के

तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन और अगले महीने से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में खेलना फिलहाल तय नहीं है मरे इन दोनों टूर्नामेंट में खेलने को लेकर कोई भी फैसला पीठ की चोट से निपटने के लिए होने वाली सर्जरी के बाद लेंगे। मरे ने पीठ दर्द के कारण बुधवार को क्वींस क्लब में अपने दूसरे दौर के मैच को बीच में ही छोड़ दिया था, तब वह जॉर्डन थॉम्पसन से 1-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने मुकाबले के शुरू होने से पहले ही अपने दाहिने पैर में परेशानी की शिकायत की थी। मरे पिछले कई साल से लगातार अलग-अलग चोट का सामना कर रहे हैं। दो बार के विंबलडन विजेता मरे ने इस साल के अंत में संन्यास लेने का संकेत दिया है। उनकी प्रबंधन टीम ने पुष्टि की कि शनिवार को उनकी सर्जरी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी गई। ऑल इंग्लैंड क्लब (विंबलडन) में पहले दौर का खेल एक जुलाई से शुरू होगा।

AIFF ने दी पूर्व मुख्य कोच स्टिमैक को चेतावनी, कहा- 'सभी टिप्पणियों का अगले 48 घंटे में देंगे जवाब'

नई दिल्ली। हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमैक और अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (AIFF) के बीच विवाद कम नहीं हो रहा है। दिग्गज ने हेड कोच पद से बर्खास्त किए जाने के बाद एआईएफएफ को चेतावनी दी है कि 10 दिन में उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। इसके अलावा स्टिमैक ने एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे पर भड़ास निकालते हुए उनका अनुबंध कई बार तोड़ने का आरोप लगाया। इसके अलावा उन्होंने क्वालिफायर में भारत के दूसरे दौर से आगे नहीं जा पाने के लिए चौबे को ही जिम्मेदार ठहराया। अब बोर्ड ने उन्हें अगले 48 घंटे में कार्रवाई की चेतावनी दी है।

टीम इंडिया ने बांग्लादेश को 197 का टारगेट दिया

हार्दिक पंड्या ने पहली सफलता दिलाई, लिटन दास ने सिक्स मारा, अगली ही गेंद पर आउट किया

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने सुपर 8 में अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 197 रन का टारगेट दिया। केवल हार्दिक पंड्या ने फिफ्टी लगाई। 5 बल्लेबाजों ने 25-30 रन के योगदान से टीम का स्कोर 196 रन तक पहुंचा दिया। सबसे ज्यादा 50 रन हार्दिक पंड्या ने बनाए। उन्होंने शिवम दुबे के साथ 53 और अक्षर पटेल के साथ 35 रन की साझेदारी भी की। बांग्लादेशी टीम ने रन चेज में पहला विकेट गंवा दिया है। हार्दिक ने लिटन दास को पवेलियन भेजा। 4.3 ओवर के बाद बांग्लादेश का स्कोर 35/1 है। तंजीद हसन और कप्तान नजमुल हुसैन शांतो क्रीज पर हैं। एंटीगुआ के मैदान पर बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। रवि शास्त्री ने जब रोहित से पूछा कि वो टॉस जीतकर क्या करते, तो भारतीय कप्तान ने जवाब दिया कि बल्लेबाजी चुनते। पावरप्ले में 5वां ओवर फेंकने आए हार्दिक पंड्या। लिटन दास को हार्दिक ने दूसरी गेंद शॉर्ट फेंकी, जिस पर लिटन ने सिक्स मारा। अगली गेंद हार्दिक ने फिर शॉर्ट ऑफ लेंथ फेंकी, लेकिन ये ऑफ स्टंप्स के बाहर और स्लोअर थी। लिटन ने फिर फाइन लेग की तरफ शॉट खेला। यहां सूर्यकुमार ने आगे डाइव मारकर कैच पकड़ लिया। 8वें ओवर में रिशाद हुसैन पर कोहली ने सिक्स लगाया और पंत ने चौका मारा। अगले यानी 9वां ओवर लेकर आए तंजीम हसन लेकर आए। उन्होंने पहली ही गेंद पर विराट कोहली को बोल्ड कर दिया। उन्होंने ओवरपिच गेंद फेंकी, जिस पर कोहली सिक्स मारना चाहते थे, आगे बढ़े और गेंद मिस कर गए। ऑफ कटर बॉल विकेट्स पर जा लगी। फिर सूर्यकुमार आए और पहली ही गेंद पर सिक्स लगाया। अगली गेंद तंजीम ने शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ गेंद फेंकी, जिस पर सूर्या कट लगा बैठे और गेंद लिटन दास के दस्तानों में चली गई। भारतीय ओपनर रोहित शर्मा और विराट कोहली ने पावरप्ले में स्पिनर्स पर अटैक किया। कप्तान शांतो ने पावरप्ले के 6 ओवर्स में से 4 स्पिनर्स को दिए। रोहित और कोहली ने स्पिनर्स पर 33 रन बनाए। लेकिन, शाकिब को सिक्स मारने के चक्कर में रोहित ने विकेट गंवा दिया। इसके बाद कोहली और पंत ने पावरप्ले में 53 रन बनाए।

सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए इंग्लैंड को जीत की जरूरत, सामने अमेरिका की चुनौती

सुनील यश कालरा

नई दिल्ली। सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी अमेरिका इस वर्ल्डकप का अपना आखिरी मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ आज केनिंग्सटन ओवल, बारबाडोस में खेलेगी। अमेरिका और इंग्लैंड के बीच पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला जाएगा। इंग्लैंड की इस मैच में एकतरफा जीत उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचा सकती है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 के पहले मैच में इंग्लैंड को आखिरी ओवर में हार मिली। हार की वजह से इंग्लैंड के नेट रनरेट पर भी असर पड़ा। वेस्टइंडीज की अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत से इस ग्रुप में सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ रोमांचक हो गई है। ऐसी स्थिति में इंग्लैंड को अपने नेट रन रेट में सुधार करने के लिए अमेरिका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप दो में अपने दोनों मैच जीते हैं और वह अभी शीर्ष पर काबिज है। लेकिन वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की जीत से समीकरण बदल सकते हैं। अभी किसी भी टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की नहीं की है। इंग्लैंड को अंतिम चार में जगह बनाने की होड़ में बने रहने के लिए अमेरिका के खिलाफ कम से कम 10 रन या एक ओवर शेष रहते हुए जीत हासिल करनी होगी। अगर अमेरिका आज का मुकाबला और वेस्टइंडीज अपना अगला मुकाबला जीतता है। तब 4-4 अंकों के साथ वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका आगे के लिए क्वालिफाई कर जाएंगे। वहीं इंग्लैंड और वरअ दो-दो अंकों के साथ अपना अभियान समाप्त करेंगे। अगर इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका जीतते हैं। ऐसे में दोनों टीमें क्रमशः 4 और 6 अकों के साथ सेमीफाइनल में होंगी। 1ϖ3 द्वारा प्रस्तुत इंडिया न्यूज के खास कार्यक्रम पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर नोएल डेविड ने कहा कि "इंग्लैंड के बल्लेबाज फिल साल्ट शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अपने पिछले 10 टी20 मैचों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है लेकिन पिछले मैच में उनके जल्दी आउट होने से इंग्लैंड को धमाकेदार शुरूआत नहीं मिल पाई। कप्तान जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो बड़े शॉट नहीं लगा सके। हैरी ब्रूक (53) और लियाम लिविंगस्टोन (33) ने मोर्चा संभाला लेकिन इंग्लैंड अंतिम तीन ओवर में 25 रन नहीं बन पाया। इसके बावजूद अमेरिका के गेंदबाजों के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना मुश्किल होगा। अमेरिका को अपने पिछले दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा और अगर वह सेमीफाइनल में जगह बनाता है। तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम की पिच पर गेंद और बल्ले के बीच बराबरी की टक्कर देखने को मिलती है। इस मैदान पर तेज गेंदबाजों को जहां उछाल के साथ गेंद को स्विंग कराने का भी मौका मिलता है। तो वहीं मिडिल ओवर्स में स्पिनरों को भी इस पिच से मदद मिलती है।" सुनील यश कालरा महिला क्रिकेट इतिहासकार और इंडियन स्पोर्ट्स फैंस के संस्थापक हैं।

ज्योति-अदिति और परनीत की महिला कम्पाउंड टीम ने रचा इतिहास, विश्व कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी, जबकि प्रियांश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे

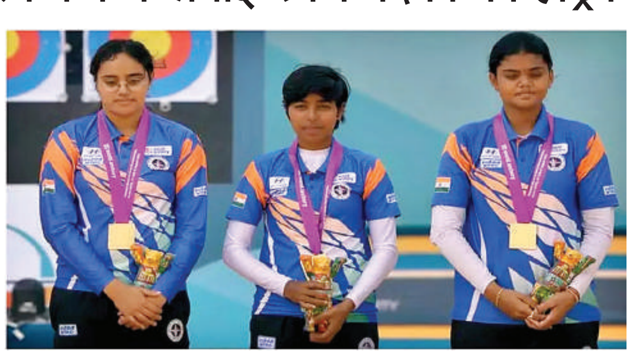

चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश पुरुषों के फाइनल में दुनिया के पहले नंबर के माइक श्लोसेर से हार गए। उभरते हुए कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश नीदरलैंड के श्लोसेर को इस सत्र में दूसरी दफा हराने में विफल रहे जिससे उन्हें उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। वह शानदार प्रदर्शन से फाइनल में पहुंचे जिसमें पहले सेट में उन्होंने एक अंक गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी नहीं कर सके और श्लोसेर ने 149-148 से जीत हासिल की।

गिलक्रिस्ट के करीब पहुंच सकते हैं पंत? न्यूजीलैंड के इस पूर्व क्रिकेट ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। पंत दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पंत ने इस दुर्घटना से उबरने के बाद जिस तरह से वापसी की उससे स्मिथ काफी प्रभावित हुए हैं। पंत लंबे समय से मैदान से बाहर थे और उन्होंने आईपीएल 2024 से क्रिकेट के मैदान पर वापसी की थी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने करियर में कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं और लगातार अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। पंत की तुलना कई बार ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट से की जाती है, लेकिन न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की एडम गिलक्रिस्ट के साथ तुलना करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर भारत का विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी वर्तमान फॉर्म को जारी रखता है तो वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी के करीब पहुंच सकता है।

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल को बड़ी सफलता

पुरुष सिंगल्स वर्ग में करेंगे प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। नागल इन खेलों में पुरुष सिंगल्स वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नागल दूसरी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे, इससे पहले वह टोक्यो 2020 में भी खेलने उतरे थे जहां उन्हें दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने शनिवार को पुष्टि करते हुए बताया कि वह अगले महीने से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए आधिकारिक रूप से क्वालिफाई कर गए हैं। नागल इन खेलों में पुरुष सिंगल्स वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नागल दूसरी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे, इससे पहले वह टोक्यो 2020 में भी खेलने उतरे थे जहां उन्हें दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए आधिकारिक रूप से क्वालिफाई कर लिया है। यह मेरे लिए एक यादगार क्षण है क्योंकि ओलंपिक मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। मेरे अब तक के करियर का एक महत्वपूर्ण पल टोक्यो ओलंपिक में भाग लेना था। तब से मैंने पेरिस मेरे लिए एक बड़ा लक्ष्य रहा है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने कहा कि आईटीएफ के अनुसार 10 जून को क्वालीफिकेशन के लिए जब खिलाड़ियों की रैंकिंग पर विचार किया गया था तब नागल वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में थे।

रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पेरिस खेलों में पुरुष डबल्स स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। शीर्ष-10 खिलाड़ी होने के नाते बोपन्ना के पास अपना जोड़ीदार चुनने का विकल्प था। एआईटीए ने उनकी पसंद को मंजूरी दे दी और उन्हें बालाजी के साथ जोड़ा। नागल ने इस महीने की शुरूआत में हीलब्रॉन चैलेंजर जीतकर क्वालीफिकेशन की संभावना बढ़ा ली थी क्योंकि वह एटीपी सिंगल्स रैंकिंग के शीर्ष 80 में पहुंच गए थे। हीलब्रॉन की जीत इस सत्र में नागल का दूसरा चैलेंजर खिताब था, उन्होंने इस साल की शुरूआत में चेन्नई चैलेंजर में जीत हासिल की थी।

नोएडा सिटी फुटबॉल क्लब और एम 2 एम की टीमों को मिली जीत का विजय अभियान जारी

डॉ.श्रीकृष्ण शर्मा

नई दिल्ली। यहां नेहरू स्टेडियम में खेली जा रही डीएसए ए डिवीजन लीग के सुपर सिक्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए एम 2 एम क्लब ने जीत हासिल की। लगातार अपने मैचों में जीत बनाने वाली एम 2 एम टीम की इस जीत में कुशाग्र चैधरी ने धमाकेदार प्रदर्शन के साथ अपनी हैट्रिक जमाई। यह मैच एम 2 एम और बंगदर्शन फुटबाल क्लब के बीच खेला गया। जिसमें एम 2 एम की टीम ने 3-1 के अंतर से जीत बनाकर पूरे अंक अपने खाते में दर्ज करा लिये। पराजित टीम के लिए किया गया इकलौता गोल गगन सिंह पवार ने किया। इस दूसरी

जीत के साथ एम 2 एम के छह अंक हो गए हैं। एक अन्य मुकाबले में नोएडा सिटी फुटबॉल क्लब ने हॉप्स फुटबॉल क्लब को कड़े संघर्ष के चलते 2-1 से हरा कर लगातार दूसरा मैच जीताकर अपना विजय अभियान जारी रखा। विजेता के लिए प्लेयर ऑफ द मैच वाजिद अली और पवन प्रताप सिंह ने गोल करने में कामयाबी पाई। पराजित टीम का गोल विश्वजीत जेना ने किया। नोएडा सिटी फुटबॉल क्लब और हॉप्स फुटबॉल क्लब के मध्य खेले गए मैच में पहले गोल के लिए 75 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। नोएडा सिटी एफसी के लिए वाजिद अली ने प्रतिद्वंद्वी रक्षकों को चकमा देते हुए अपनी टीम का खाता खोलकर टीम को उत्साहित किया। लेकिन छह मिनट बाद विश्वजीत जेना ने पेनल्टी पर बेहतरीन गोल से हिसाब चुकता कर दिया। लंबी सीटी से कुछ पहले मिली पेनल्टी पर पवन प्रताप ने एक बार चूकने के बाद बाल को गोल में डाल कर नोएडा सिटी को विजयी बना दिया।

बाबर आजम के खिलाफ बोलने की अहमद शहजाद को मिलेगी सजा?

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं, जिन्होंने उन पर मौजूदा टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के अभियान के दौरान देश से धोखेबाजी और जानबूझकर हारने का आरोप लगाया था। टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से जमकर बवाल हो रहा है। कभी टीम के खिलाड़ी फैंस से झगड़ा करते हुए पाए जाते हैं तो कभी टीम के पूर्व खिलाड़ी मौजूदा सदस्यों पर निशाना साधते हुए दिखते हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान अहमद शहजाद ने कप्तान बाबर आजम के खिलाफ खूब बयान दिए। उन्होंने तो बाबर को 'सोशल मीडिया का किंग' और 'नकली किंग' कहकर भी बुलाया था। सिर्फ शहजाद ने ही नहीं, कई अन्य पाकिस्तानी यूट्यूबर्स ने भी बाबर की जमकर आलोचना की थी।

पिछड़ने के बाद यूक्रेन ने की वापसी, स्लोवाकिया को हराकर अगले दौर में पहुंचने की संभावना बरकरार रखी

नई दिल्ली। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है। रोमन यारेमचुक के गोल की बदौलत यूक्रेन ने शानदार वापसी करते हुए स्लोवाकिया को यूरोपीय चैंपियनशिप 2024 (यूरो कप) फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में 2-1 से हराया। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है। यूक्रेन की यह 2024 में चार प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी करते हुए तीसरी जीत है। सोमवार को रोमानिया से मिली

0-3 की हार के कारण खराब गोल अंतर से यूक्रेन नाजुक स्थिति में था और एक और हार उसे बाहर होने की कगार पर भेज सकती थी। तेज बारिश में खेलते हुए स्लोवाकिया ने 17वें मिनट में इवान शरांज के हेडर से किए गए गोल से बढ़त बना ली थी। हालांकि, यूक्रेन ने मायकोला शापारेंको के 54वें मिनट में किए गए गोल से स्कोर 1-1 बराबर कर दिया। यह शापारेंको का टूर्नामेंट में पहला गोल था। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे यारेमचुक ने 80वें मिनट में विजयी गोल दागा। ग्रुप ई में स्लोवाकिया के यूक्रेन और रोमानिया की तरह तीन अंक हैं।